केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर से आतंकियों को दिया कड़ा संदेश
- 3

7332 करोड़ रुपये में होगा पीएम स्वनिधि योजना का विस्तार
- 12

पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर बाढ़ के पानी में डूबा, सौ से ज्यादा लोग फंसे
- 13

रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा की
- 14

आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.44
सूर्यास्त 06.31

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी 05:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 28 अगस्त 2025, वर्ष 35, अंक 210, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

गला घोंटू गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद 'गला घोंटू गिरोह' के दो कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इस गिरोह के सदस्य लूटपाट से पहले शिकार का गला घोंटकर उनकी हत्या कर देते थे। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। आरोपियों की पहचान अजय उर्फ कंगारू (33) और रवि उर्फ गोटिया (30) के रूप में हुई है, दोनों लॉरेंस रोड इलाके में रहते हैं।

2.98 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में दो पकड़े

रांची। झारखंड सीआईडी ने 2.98 करोड़ रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में गुजरात से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 28 जुलाई को सीआईडी के साइबर अपराध थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। सीआईडी ने कहा कि शिकायतकर्ता को ऑनलाइन विज्ञापन के माध्यम से शिकागो बोर्ड ऑफ ऑप्शंस एक्सचेंज के नाम पर एक मंच में निवेश करने का लालच दिया गया था, जिसके बाद उसे ठगी को अंजाम दिया गया।

आसाराम की जमानत बढ़ाने की याचिका रद्द

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने बुधवार को 2013 के बलात्कार मामले में अंतरिम जमानत बढ़ाने की कथावाचक आसाराम की याचिका खारिज कर दी और किसी भी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति की आशंका से इनकार किया। उसकी जमानत अवधि 29 अगस्त को समाप्त हो रही है, जिसके बाद उसे जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण करना होगा।

महाराष्ट्र में मुठभेड़ चार नक्सली ढेर

गढ़चिरोली। पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में बुधवार को एक मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों सहित चार नक्सली मारे गए। पुलिस बताया कि यह घटना गढ़चिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास हुई। पुलिस को 25 अगस्त को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गढ़चिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी इकाइयों के कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मुठभेड़ में तीन महिलाओं सहित चार नक्सली मारे गए। उनके पास से एक एसएलआर, दो इंसास और एक .303 राइफल बरामद की गई।

परिवारवादी राजनीति ने प्रदेश को बना दिया था लूट का अड्डा: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2,425 मुख्य सेविका व 13 फार्मासिस्टों को दिए नियुक्ति पत्र ईमानदार रहने की नसीहत
- कहा-पहले सरकारी नौकरियों में होती थी बंदरबांट, योग्य युवा होते थे भेदभाव के शिकार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष के पास मुद्दा नहीं, सिर्फ नकारात्मकता है। जर्जर भवनों को शिफ्ट करने और छात्र-शिक्षक अनुपात सुधारने का प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा है। फिर भी विपक्ष भ्रम फैलाता है। उन्होंने पारदर्शिता से हुई भर्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले नौकरियों में बंदरबांट होती थी, योग्य युवा भेदभाव के शिकार होते थे। दंगों और परिवारवादी राजनीति ने यूपी को लूट का अड्डा बना दिया था। आज युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर मिल रहे हैं।

चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री योगी बुधवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मुख्य सेविकाओं व फॉर्मासिस्टों से ईमानदारी और भेदभाव मुक्त सेवा करने की अपील की। योगी ने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में खाद्यान्न उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश में प्रदेश पिछड़ता गया। नौजवान यूपी से बाहर जाते तो पहचान का संकट झेलते थे। योगी ने कहा कि युवा प्रतिभाशाली और ऊर्जावान होता है, लेकिन जब वह भेदभाव और भ्रष्टाचार का शिकार होता है, तो यह राष्ट्रीय क्षति है।

2017 से पहले यूपी में नियुक्तियां नहीं होती थीं, होती भी तो बंदरबांट और भ्रष्टाचार के चलते योग्य युवा पीछे रह जाते थे। नतीजा, यूपी बीमारू राज्य बन गया। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि यूपी पुलिस में 2 महीने पहले 60,244 भर्ती में 12,045 बेटियां चयनित हुईं। 1947-2017 में सिर्फ 10 हजार महिला पुलिसकर्मी थीं, लेकिन 8 साल में 40 हजार से अधिक बेटियों को भर्ती किया। बेसिक शिक्षा परिषद में 1 लाख 56 हजार शिक्षकों में ज्यादातर बेटियां हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का उल्लेख किया, जिसमें 26 लाख से अधिक बेटियों को 25 हजार रुपये का पैकेज मिला। साथ ही, 4 लाख बेटियों की शादी सामूहिक विवाह योजना से हुई और मातृ वंदना योजना में 183 करोड़ रुपये वितरित किए गए।

बेईमान दलों से यूपी था बीमारू

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेईमान राजनीतिक दलों ने यूपी को बीमारू राज्य बना दिया था। भ्रष्टाचार और बंदरबांट की राजनीति ने इस समृद्ध प्रदेश को पहचान के संकट में धकेल दिया था। कहा कि 1947 के बाद 1960 तक यूपी देश का अग्रणी प्रदेश था, जिसका योगदान 14% से अधिक था। लेकिन 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई और 1990 के बाद और तेज हो गई। 2017 तक यूपी का योगदान 8% से कम हो गया।

स्वास्थ्य-कुपोषण में आया सुधार

योगी ने कहा कि एनएफएचएस सर्वे (2015-16) के बाद 2017 से महिलाओं में एनीमिया 5.1%, स्टंटिंग 6.6%, अल्पवजन 7.4%, और सूखापन 0.6% कम हुआ। शिशु मृत्यु दर 38 और मातृ मृत्यु दर 197 हो गई। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार और कुपोषण निवारण पर जोर देते हुए कहा कि हर आंगनबाड़ी केंद्र के अंदर समय पर पोषाहार और सभी प्रकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके इसके लिए मुख्य सेविकाओं को एक लीडर के रूप में आगे आना होगा।

वैष्णो देवी में 34 हुई मृतकों की संख्या यूपी के 10, मलबे में जिंदगी की तलाश

भूस्खलन घटना : मृतकों में बरेली की नीरा और लखनऊ की चांदनी भी

- मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी हालात की जानकारी

जम्मू, एजेंसी

वैष्णो देवी में भूस्खलन की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है जिसमें उत्तर प्रदेश के 10 लोग शामिल हैं जिनमें 6 महिलाएं और 4 पुरुष हैं। सभी वैष्णो देवी के दर्शन के लिए गए थे। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर मंगलवार को भूस्खलन हुआ था। लगातार और भारी बारिश के कारण पहाड़ की ढलान से पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें नीचे गिरने लगीं। इससे बेखबर लोग इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। मृतकों में से अब तक 24 की पहचान हो चुकी है। इनमें से 14 महिलाएं हैं। अज्ञात 10 शवों में से चार महिलाओं के हैं। मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर घर लौटने के लिए ट्रेनों का इंतजार करते यात्री।

में बचाव दल तलाश अभियान अभी जारी रखे हुए हैं।

उत्तर प्रदेश शासन की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, इस घटना में यूपी के 10 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में 6 महिलाएं हैं और 4 पुरुष हैं। अंजलि नाम की एक महिला की भी मौत की बात सामने आ रही है लेकिन अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जान गंवाने वालों में आगरा जिले की शेजल, भावना और सुनीता, मुजफ्फरनगर के दीपेश, अनंत और कार्तिक के अलावा बरेली की नीरा देवी, लखनऊ की चांदनी शामिल हैं। ममता देवी और रामवीर की भी मौत हुई है लेकिन इनके पते की जानकारी नहीं मिल सकी है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रदेश के निवासी समस्त मृतक परिजनों को 4 लाख की आर्थिक सहायता के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को मृतकों के शव उनके घर पहुंचाए जाने की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उनको जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न स्थिति से अवगत कराया।

बारिश के कारण जम्मू क्षेत्र में 58 ट्रेनें रद्द

जम्मू। उत्तर रेलवे ने जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से हुई तबाही के मद्देनजर बुधवार को जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया जबकि 64 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर बीच में ही रोक दिया गया। एक दिन के निलंबन के बाद रेल यातायात बुधवार सुबह कुछ समय के लिए बहाल हुआ और जम्मू से छह ट्रेन रवाना हुईं। अधिकारियों ने बताया कि चक्की नदी क्षेत्र में बाढ़ और मिट्टी के कटाव के कारण यातायात फिर से रुक गया है। उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल के पीआरओ ने बताया कि चक्की नदी में अचानक आई बाढ़ और मिट्टी के भारी कटाव के कारण, जम्मू मंडल में रेल यातायात अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। अगली सूचना तक ट्रेनें रद्द रहेंगी या उन्हें बीच में समाप्त कर दिया जाएगा।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने व्यक्त की गहरी संवेदना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सभी की सुरक्षा और उनके कुशल होने की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन के कारण लोगों की जान जाने की खबर दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

अहमदाबाद बनेगा 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का दावेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

- आदर्श मेजबान बताते हुए केंद्रीय कैबिनेट ने लगाई मुहर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की दावेदारी को मंजूरी दे दी और विश्व स्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाओं और खेल संस्कृति के कारण अहमदाबाद को आदर्श मेजबान बताया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र जमा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी के युवा कार्य और खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया कि कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी। दावेदारी के लिए बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त है। आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है।भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबान देश पर फैसला लेगी।

सरकार ने चार रेल प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम को लाभ पहुंचाने वाली तीन परियोजनाओं के मल्टी-ट्रैकिंग तथा गुजरात के कच्छ के दूर-दराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए एक नई रेल लाइन को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 12,328 करोड़ रुपये है।

यूपी औद्योगिक विकास व रोजगार में टॉप-5 राज्यों में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूरे देश में रोजगार के मामले में प्रदेश की भागीदारी 8 प्रतिशत
- कुल फैक्ट्रियों की संख्या में भी प्रदेश का हिस्सा 8.51 प्रतिशत, देश भर में चौथे स्थान पर

अमृत विचार। औद्योगिक विकास व रोजगार के मामले में उत्तर प्रदेश टॉप-5 राज्यों में शामिल हो गया है। पूरे देश में रोजगार के मामले में प्रदेश की भागीदारी 8 प्रतिशत व कुल फैक्ट्रियों की संख्या में हिस्सा 8.51 प्रतिशत रहा। वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण (एएसआई) 2023-24 की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। शासन के अधिकारियों के अनुसार एएसआई की यह रिपोर्ट इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू राज्य' की छवि से निकलकर देश के औद्योगिक मानचित्र पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

एएसआई रिपोर्ट के मुताबिक इस सेक्टर में 2023-24 में रोजगार में 5.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले दशक (2014-15 से 2023-24) में इस क्षेत्र ने 57 लाख से अधिक नौकरियां दीं। रोजगार के मामले में उत्तर प्रदेश तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के साथ टॉप-5 राज्यों में शामिल हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार कुल फैक्ट्रियों की संख्या में भी प्रदेश का हिस्सा 8.51 प्रतिशत है, जिससे यह देश भर में चौथे स्थान पर है। तमिलनाडु (15.43 प्रतिशत), गुजरात (12.81 प्रतिशत), महाराष्ट्र (10.20 प्रतिशत) के बाद उत्तर प्रदेश का स्थान औद्योगिक ढांचे की मजबूती को दर्शाता है। प्रदेश सरकार ने देश और विदेश में जिस तरह प्रदेश में निवेश का माहौल बनाया है उसके कारण बड़ी संख्या में यहां न सिर्फ निवेश हुआ, बल्कि फैक्ट्री भी लगी हैं।

उत्पादन और जीवीए में रिकॉर्ड वृद्धि

रिपोर्ट के अनुसार सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 2023-24 में 11.89 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। इसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी 7 प्रतिशत रही है। औद्योगिक उत्पादन में 5.80 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। शीर्ष 5 उद्योगों में बेसिक मेटल, मोटर वाहन, केमिकल व केमिकल प्रोडक्ट्स, फूड प्रोडक्ट्स और फ़ार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश की अहम भागीदारी रही है।

जंग जीतने के लिए जवान व हथियार ही काफी नहीं

महू (मप्र), एजेंसी

- रण संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-सशस्त्र बलों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि अप्रत्याशित भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए देश के सशस्त्र बलों को अल्पकालिक संघर्षों से लेकर पांच साल तक के युद्ध सहित सभी प्रकार की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

महू सैन्य छावनी के आर्मी वॉर कॉलेज में तीनों सेनाओं की संयुक्त संगोष्ठी रण संवाद 2025 के दूसरे और अंतिम दिन पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए सिंह ने यह बात कही। उन्होंने सैन्य संघर्षों में विजय प्राप्त करने के संदर्भ में यह भी कहा कि सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडारों का आकार अब पर्याप्त नहीं रह गया है क्योंकि साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन और उपग्रह-आधारित निगरानी प्रणाली भविष्य के युद्धों को परिभाषित कर रही है। सिंह ने कहा कि सटीकता से वार करने वाले हथियार, वास्तविक समय में मिलने वाली खुफिया जानकारी और डेटा से हासिल होने वाली सूचनाएं अब किसी भी सैन्य संघर्ष में सफलता की आधारशिला बन गई हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत किसी की जमीन नहीं चाहता, लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। सिंह ने कहा कि आज के दौर में युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित हो गए हैं कि यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि कोई युद्ध कब समाप्त होगा।

भारत पर 50% अमेरिकी टैरिफ प्रभावी

- इसमें रूसी तेल खरीद पर लगाया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क बुधवार से प्रभावी हो गया। भारत पर अमेरिका द्वारा लगाया गया कुल शुल्क अब 50 % हो गया है।

अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा था कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए लाया गया है। बशर्ते कि उन्हें देश में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई हो या 17 सितंबर, 2025 को 12:01 बजे (ईडीटी) से पहले उपभोग के लिए गोदाम से बाहर ले जाया गया हो और आयातक ने एक विशेष 'कोड' घोषित करके अमेरिकी सीमा शुल्क को यह प्रमाणित किया हो। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क की घोषणा की थी जो सात अगस्त से लागू हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सात अगस्त को ही रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा की जाने वाली खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

सितंबर में नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान

लखनऊ। योगी सरकार पूरे प्रदेश में 1 से 30 सितंबर तक नो हेलमेट, नो फ्यूल विशेष सड़क सुरक्षा अभियान संचालित करेगी। यह अभियान डीएम के नेतृत्व तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति के समन्वय से चलाया जाएगा।

इस अवधि में पुलिस, राजस्व, जिला प्रशासन व परिवहन विभाग के अधिकारी प्रवर्तन की मुख्य जिम्मेदारी निभाएंगे। सरकार ने आमजन से इन प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूर्ण सहयोग करने की अपील की है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 129 दोपहिया चालक तथा पिलियन के लिए हेलमेट को अनिवार्य करती है, जबकि धारा 194 डी उल्लंघन पर दंड का प्रावधान करती है। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा कि 'नो हेलमेट, नो फ्यूल का उद्देश्य दंडित करना नहीं है।

अहम टिप्पणी

भ्रष्टाचार के मामले में एक महिला को सुनाई गई सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-यह मानसिक कारावास

आपराधिक मामले को लंबा खींचना एक प्रकार की पीड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी आपराधिक मामले को अनुचित अवधि तक खींचना एक प्रकार की पीड़ा है, जो कार्यवाही का सामना कर रहे व्यक्ति के लिए मानसिक कारावास के समान है। न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया और एएस चंदुरकर ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उन्होंने एक महिला को भ्रष्टाचार के मामले में सुनाई सजा को घटाकर केवल पहले से जेल में बिताई जा चुकी अवधि तक सीमित कर दिया।

उसकी दोषसिद्धि की पुष्टि करते हुए पीठ ने कहा कि यह घटना 22 वर्ष पहले घटित हुई और महिला अब 75 वर्ष की है। अदालत ने उन पर लगाए जुर्माने को मूल जुर्माने से 25,000 रुपये अधिक कर दिया। पीठ ने 21 अगस्त को कहा कि किसी आपराधिक मामले को अनुचित अवधि तक खींचना अपने आप में एक प्रकार की पीड़ा है। ऐसी कार्यवाही का सामना करने वाले व्यक्ति के लिए यह मानसिक कारावास के समान है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिला द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के अगस्त 2010 के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर आया, जिसमें अधीनस्थ अदालत के आदेश की पुष्टि की गई थी। निचली अदालत ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक के रूप में कार्यरत महिला को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया और उसे एक वर्ष कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि सितंबर 2002 में उसने 300 रुपये की रिश्वत मांग की थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जो व्यक्ति दोषसिद्धि के खिलाफ अपील करता है और हर दिन मुकदमे के परिणाम का इंतजार करता है, वह अपना समय परेशानी में बिताता है। न्याय प्रशासन की वर्तमान प्रणाली में, जिसमें कार्यवाही अक्सर अनुचित रूप से लंबी और असहनीय हो जाती है, लंबा समय बीतने से व्यक्ति को मानसिक पीड़ा होती है।

सजा से ज्यादा जेल में रखने पर मध्य प्रदेश सरकार से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में सात साल की सजा काटने के बावजूद दोषी के आठ साल से अधिक समय तक जेल में रहने के मामले में मध्यप्रदेश सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य सरकार से दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत ने पाया कि दोषी पर मध्य प्रदेश के सागर जिले के खुरई स्थित सत्र न्यायालय में आईपीसी के तहत दुष्कर्म समेत अन्य अपराधों के लिए मुकदमा चलाया गया था। पीठ ने कहा कि हम जानना चाहेंगे कि इतनी गंभीर चूक कैसे हुई और याचिकाकर्ता सात साल की सजा काटने के बाद भी आठ साल से अधिक समय तक जेल में क्यों रहा। हम चाहते हैं कि राज्य इस संबंध में स्पष्टीकरण दे। अधीनस्थ अदालत ने दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी और 2,000 का जुर्माना लगाया था।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

अब सीएचसी की भी निगरानी होगी स्वास्थ्य भवन से

महानिदेशालय में स्थापित होगा पृथक हेल्थ ऑनलाइन पैरामीटर इवैल्यूएशन केंद्र होप-2

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अस्पतालों की होगी 24 घंटे निगरानी

अमृत विचार : मंडलीय व जिला अस्पतालों की तरह ग्रामीण क्षेत्र स्थित 972 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की भी निगरानी 24 घंटे लगातार स्वास्थ्य विभाग से होगी। इसके लिए इमरजेंसी से लेकर इंडोर तक 9 से 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जो स्वास्थ्य महानिदेशालय में हेल्थ ऑनलाइन पैरामीटर इवैल्यूएशन केंद्र (होप-2) से जुड़े होंगे। यहां पर तैनात टीम अस्पताल में मरीज को मिलने वाली हर सुविधा का ध्यान रखेगी, लापरवाही बरतने पर संबन्धित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति कर सकेगी। इस व्यवस्था को स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पांच करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह 'सुमन' ने बताया कि चतुर्थ तल पर होप स्थापित है। अभी तक इससे प्रदेश के 99 महिला व पुरुष जिला अस्पतालों को डिजिटल तरीके से जोड़ दिया गया है। इनके साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिए कंप्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य स्टाफ तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में बैठकर देखा जा सकेगा कि सीएचसी की इमरजेंसी या ओपीडी में डॉक्टर कक्ष में मौजूद हैं या नहीं। काउंटर के ऊपर लगा कैमरा बताएगा कि मरीजों को दवाएं मिल रहीं हैं या नहीं, हर समस्या की निगरानी की जाएगी। विभाग में रोजाना रिपोर्ट तैयार होगी। गड़बड़ी दिखने पर संबन्धित अस्पताल प्रशासन से तत्काल जवाब तलब किया जाएगा और शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए जाएंगे।

क्या है होप

हर जिला अस्पताल में 16-16 सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। ये कैमरे, रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर ओपीडी और इमरजेंसी समेत विभिन्न संवेदनशील स्थानों में लगे होंगे। पार्किंग और अस्पताल के मुख्य गेट और बाहर सड़क पर भी कैमरा लगाया जाएगा। हर उस स्थान पर कैमरा लगाया गया है, जहां-जहां मरीज के लिए दिक्कत आ सकती है, ताकि हर स्तर पर मॉनिटरिंग की जा सके। इन सभी कैमरों को होप टू सिस्टम से जोड़ दिया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य भवन में दर्जनों कम्प्यूटर युक्त होप दो सिस्टम तैयार किया गया है। एक बड़ी स्क्रीन पर अस्पतालों में लगे कैमरों द्वारा भेजी जा रही लाइव पोजिशन चलेगी।

> सीएचसी की दिक्कतें अभी तक जिला स्तर पर सुलझानी पड़ती हैं। अब इस इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम द्वारा लखनऊ से ही पूरे प्रदेश की सीएचसी की निगरानी हो सकेगी। हर शिकायत का तत्काल समाधान किया जा सकेगा। अगर कोई शिकायत मिलती है तो संबन्धित अस्पताल में संबन्धित पुरानी फुटेज देखकर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसके शुरू होने के बाद, मंडलीय व जिला अस्पतालों की तरह सीएचसी के मरीजों को व्यावहारिक सुविधाएं मिलने के साथ ही शिकायतों से छुटकारा मिलेगा।
>
> -डॉ. रतन पाल सिंह 'सुमन'
> स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

88 खिलाड़ियों पर होगी धन वर्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी खेल दिवस पर वितरित करेंगे 63.63 लाख रुपये की इनामी राशि

अमृत विचार : राष्ट्रीय खेल दिवस का मौका प्रदेश के खिलाड़ियों पर धन की बारिश लेकर आया है। सूबे का नाम रोशन करने वाले 88 खिलाड़ियों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 63.63 लाख रुपये की यह धनराशि वितरित करेंगे। गोमती नगर के विजयंत खंड के पद्मश्री मो. शाहिद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके बाद उनकी जयंती के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रदेश के पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी अर्जित उपलब्धियों के आधार पर पुरस्कृत करेंगे। इसके अलावा कई विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया जायेगा।

उप्र खेल निदेशालय के निदेशक डॉ. आरपी सिंह के मुताबिक, खेल दिवस के अवसर पर प्रदेश में प्रतियोगिताओं के आयोजन के निर्देश दिये गए हैं। अंडर-14 हॉकी के साथ ही जिले में अन्य दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। लखनऊ में अंडर- 14 वर्ष बालक हॉकी प्रतियोगिता के साथ ही टेबल टेनिस और जिम्नास्टिक की प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने बताया कि इस बार खेल दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन किये जा रहे हैं।

कार्यक्रम का ब्योरा

- **29 अगस्त** को सभी खेल संस्थानों में सुबह की प्रार्थना सभा में मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि दी जाएगी, फिट इंडिया शपथ ली जाएगी और 60 मिनट के टीम खेल के मुकाबले होंगे।
- **30 अगस्त** को स्कूल और कॉलेज स्तर पर खेल से संबंधित वाद-विवाद, फिटनेस वार्ताएं और स्वदेशी खेलों पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी।
- **31 अगस्त** को 'संडे ऑन साइकिल' की तैयारी।

न्यूज ब्रीफ

सेवा पखवाड़ा मनाएगी भाजपा, लगाएगी शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से सेवा पखवाड़ा मनाएगी। वे बुधवार को गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारियों की संगठनात्मक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नर सेवा-नारायण सेवा के संकल्प के साथ रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता कार्यक्रमों सहित विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम गांव, गली, मोहल्लों, शहरों, कस्बों, पगडंडियों तक पहुंचेगी।

डिस्कॉम को भुगतान के खिलाफ याचिका

अमृत विचार, लखनऊ : भारी घाटे में चल रहे उप्र. पावर कॉरपोरेशन व सहायक वितरण निगमों ने आल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन को एक करोड़ 30 लाख 80 हजार रुपये का भुगतान किया है। एसोसिएशन के सदस्य के तौर पर यह भुगतान किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इसके विरोध में राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल की और प्रकरण की जांच की मांग की। दूसरी ओर, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सख्त आपत्ति करते हुए मुख्यमंत्री से प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

लखनऊ कौशल महोत्सव अगले माह

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सहयोग से 17 व 18 सितंबर को लखनऊ कौशल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के संचालन और प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी के लिए कौशल विकास मिशन मुख्यालय में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह की अध्यक्षता में बुधवारको उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में गठित चार सदस्यीय टीम ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला में दिया जा रहा प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मिर्जापुर में बच्चों के लिए आयोजित कार्यशाला में 50 से अधिक स्कूली बच्चों, 15 से ज्यादा स्वयंसेवकों, शिक्षकों, धरोहर-प्रेमियों और वेलनेस विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों ने मिट्टी, ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) कालीन अपशिष्ट और चुनार संगमरमर पाउडर से गणेश प्रतिमाएं तैयार की हैं।

प्रभारी मंत्री तत्काल संभालें बाढ़ राहत कार्यों की कमान

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, कहा-पीड़ितों का रखा जा रहा ध्यान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- करीब ढाई लाख लोगों को दी गई सहायता, प्रदेश के 17 जिले बाढ़ की चपेट में
- 548 नाव और मोटरबोट्स की सहायता से पहुंचाई जा रही राहत सामग्री

अमृत विचार : लगातार मूसलाधार बारिश के कारण प्रदेश के 17 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में तत्काल राहत और बचाव कार्य की कमान संभालने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से भी बढ़-चढ़कर इस कार्य में भाग लेने और प्रभावित लोगों की हर जरूरत का ध्यान रखने को कहा।

योगी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति बाढ़ की समस्या से परेशान न हो, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए और मवेशियों के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किये जाएं।

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी के अनुसार, प्रदेश की 37 तहसीलों के 688 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं, जिनमें 2,45,980 लोग और 30,030 मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ से कुल 27061 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। राहत कार्य में 548 नाव और मोटरबोट्स की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। बुधवार को 1,904 खाद्यान्न पैकेट और 11,350 लंच पैकेट वितरित किये गए।

प्रदेश के ये जिले हैं बाढ़ प्रभावित : बलिया, बहराइच, बदायूं, चंदौली, कानपुर नगर, हरदोई, फर्रुखाबाद, गोंडा, कासगंज, लखीमपुर खीरी, मेरठ, मीरजापुर, मुजफ्फनगर, शाहजहांपुर, उन्नाव, प्रयागराज और वाराणसी।

996 बाढ़ चौकियों की स्थापना

कुल 284 बाढ़ शरणालय सक्रिय हैं, जहां 4,440 लोग अस्थायी रूप से निवास कर रहे हैं और 626 मेडिकल टीमों द्वारा उनका मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। सरकार ने जलजनित बीमारियों को रोकने के लिए 12,298 क्लोरीन टेबलेट और 4,422 ओआरएस पैकेट वितरित किए हैं। प्रभावित इलाकों में 996 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई है, जो लगातार स्थिति पर निगरानी रख रही हैं।

जहां योजनाएं नहीं पहुंचती थीं, आज वहां मिल रहे रोजगार

योगी ने थारू जनजाति की बेटियों के मुख्य सेविका के पद पर चयन को बताया निष्पक्षता का जीवंत उदाहरण

चयनित अभ्यर्थियों के साथ लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री सुरेश खन्ना व अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चयनित युवाओं ने साझा किए अनुभव, बोले- पारदर्शी प्रक्रिया से मिली नौकरी में रहेंगे ईमानदार

अमृत विचार : लखीमपुर खीरी से आई थारू समुदाय की नंदू राना की चयन मुख्य सेविका के पद पर हुआ है। ऐसे तमाम पिछड़े इलाकों से चयनित लोगों के अनुभव ईमानदार भर्ती प्रक्रिया के जीवंत उदाहरण बन गए। मुख्यमंत्री योगी ने इन बेटियों के चयन को पारदर्शी और निष्पक्षता से जोड़ते हुए कहा कि जहां पहले योजनाएं नहीं पहुंचती थीं, आज वहां रोजगार मिल रहे हैं।

सीमित संसाधनों में पढ़ाई की और आज मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से निष्पक्ष प्रक्रिया से मुख्य सेविका के पद पर चयन हुआ। इसके अलावा विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से आई अन्य लाभार्थियों ने भी योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें हक मिला है और हम ईमानदारी से कर्तव्य निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से थारू जनजाति और सुदूर क्षेत्रों की बेटियों का चयन इस निष्पक्ष प्रक्रिया का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री कहा कि आज नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान मैंने देखा कि आजमगढ़, अमरोहा, शामली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे जनपदों के युवाओं को अवसर मिला। वहीं लखीमपुर खीरी और दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से थारू जनजाति की बेटियों का चयन हुआ, जो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को दर्शाता है।

स्वच्छता की झूठी तस्वीर पेश कर रही यूपी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अजय राय।

अमृत विचार : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता के नाम पर झूठी तस्वीर पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार के नाम पर छला जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस ये आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि एक ओर अव्यवस्था से गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार झूठे आंकड़ों और चमकदार तस्वीरों से इनाम बटोरने में लगी है। उन्होंने कहा कि राजधानी में जानकीपुरम सेक्टर-7 निवासी राजेश कौशल की मौत डायरिया से हुई, जिसका कारण दूषित सीवरयुक्त पानी था। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजधानी लखनऊ को देशभर में स्वच्छता रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है और जो रक्षामंत्री का संसदीय क्षेत्र भी है। कांग्रेस नेता ने बेरोजगारी पर सरकार को घेरते हुए कहा कि युवा निराश हैं और सरकार तथाकथित 'कुंभ रोजगार' जैसे आयोजन कर छलावा कर रही है। वहां युवाओं के सीवी और डिग्रियां कूड़े में पड़ी मिल रही हैं।

दो दिनों में हुई 9,297 युवकों की भर्ती

लखनऊ में चल रहे रोजगार महाकुंभ के दौरान कतार में लगे युवा।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रोजगार महाकुंभ के दूसरे दिन टोकन प्रणाली से हुए साक्षात्कार

अमृत विचार : रोजगार महाकुंभ में दो दिनों के भीतर कुल 9,297 युवकों की भर्ती हुई। बुधवार को दूसरे दिन टोकन प्रणाली से कंपनियों ने साक्षात्कार लिए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को कुल 7,479 लोगों का चयन किया गया है। इनमें से 6,947 का चयन भारत में विभिन्न नौकरियों के लिए और 532 का चयन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित 22 कंपनियों में नौकरियों के लिए किया गया है। मंगलवार को 1,818 और बुधवार को 7,479 यानी कुल 9,297 युवकों की भर्ती हुई। उम्मीद है कि तीसरे और अंतिम दिन तक कुल भर्ती 15 हजार को पार कर जाएगी। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने बुधवार शाम 5 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर इंतजाम का जायजा लिया।

महिला हज यात्रियों के प्रेगनेंसी टेस्ट का विरोध

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पसमांदा मुस्लिम समाज ने की प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

अमृत विचार : हज यात्रा पर जाने वाली सभी महिलाओं जिनमें अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा भी शामिल हैं, उनको प्रेगनेंसी टेस्ट कराने के हज कमेटी ऑफ इंडिया ने निर्देश दिए हैं। पसमांदा मुस्लिम समाज के सपा के पूर्व मंत्री व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने इसे अपमानजनक बताते हुए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है।

अनीस मंसूरी ने कहा कि हैरानी की बात यह है कि इस अपमानजनक प्रकरण पर राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तर प्रदेश महिला आयोग भी चुप हैं, जबकि दोनों को स्वतः संज्ञान लेकर दोषियों को जेल भिजवाना चाहिए था। उन्होंने इस कार्रवाई को मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सम्मान के साथ खुला खिलवाड़, शर्मनाक, अपमान और घिनौना मजाक करार दिया है। मंसूरी ने कहा कि प्रदेश के कई अस्पतालों में महिलाओं को जबरन इस तरह की जांच से गुजरना पड़ा, जिससे उनमें गहरा आक्रोश और असंतोष है। उन्होंने मांग की कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए और इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की जाए।

शिकायतों के फर्जी निस्तारण पर बिजली कर्मियों पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार, लखनऊ : हेल्पलाइन 1912 पर दर्ज शिकायतों के फर्जी निस्तारण पर दोषी बिजली कर्मियों पर कार्रवाई होगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों को फर्जी निस्तारण में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री बुधवार को राजधानी स्थित संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की बिजली

- ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

आपूर्ति समेत अन्य शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने निगमों के सभी प्रबंध निदेशकों को निर्बाध बिजली आपूर्ति व शिकायतों के क्रॉस चेकिंग करते हुए दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिये। बैठक

एके शर्मा

में सभी वितरण निगम के प्रबंध निदेशक व केस्को के निदेशक ने क्षेत्रवार ऑनलाइन शिकायतों के निस्तारण की वस्तुस्थिति से अवगत कराया। ऊर्जा मंत्री ने विभागीय शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति पर गहरी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिना समस्याओं का सही समाधान किए हुए उन्हें निस्तारित दिखाना जनता के साथ अन्याय है। ऐसी लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रबंध निदेशक अपने स्तर से निस्तारित होने वाले शिकायतों के संबंध में शिकायतकर्ता से बात करते हुए क्रॉस चेक कराएं।

सही बिजली बिल न देने पर एजेंसियों को चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : सही बिजली बिल न देने पर बिलिंग एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उप्र. पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि हर हाल में बिजली उपभोक्ताओं को सही रीडिंग का बिल उपलब्ध कराएं।

अध्यक्ष बुधवार को शक्ति भवन में एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने बिलिंग एजेंसियों साईं कंप्यूटर, तेरा सॉफ्ट, वैभव इंफ्रा, फ्लूएंट ग्रिड व इन्वेंटिव सॉफ्टवेयर कंपनियों को नोटिस के माध्यम से कड़ी चेतावनी देने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि गलत और त्रुटि पूर्ण बिल की तमाम शिकायतें आ रही हैं, जो खत्म होनी चाहिए, इसकी पूरी जिम्मेदारी मीटर रीडर की है। उन्होंने कहा कि एजेंसियां अपने मीटर रीडर के कार्यों की समीक्षा करें, साथ ही तकनीक के जरिये सही बिलिंग की पड़ताल करते रहें।

अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर लग रहे हैं। इनके पूरी तरह लगने के बाद उपभोक्ताओं की गलत बिल मिलने की शिकायतें समाप्त हो जाएंगी।

नमामि गंगे अभियान को सराहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नदियों के संरक्षण को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञ।

अमृत विचार : स्टॉकहोम वर्ल्ड वॉटर वीक में नदी संरक्षण के लिए 'नमामि गंगे' अभियान को दुनिया ने सराहा। 40 हजार करोड़ से गंगा पुनर्जीवन की ऐतिहासिक पहल से भारत का मान बढ़ा। विशेषज्ञों ने की अपील की कि शहर अब केवल उपभोक्ता नहीं, नदी बेसिन के सक्रिय संरक्षक बनें।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल वॉटर इंस्टीट्यूट द्वारा वर्ष 1991 से आयोजित यह प्रतिष्ठित आयोजन अब वैश्विक नीति निर्धारकों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावशाली मंच बन चुका है। गंगा के विस्तृत प्रवाह वाले प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश नमामि गंगे कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र रहा है। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का केंद्र बिंदु बना "नदी शहरों की पुनर्कल्पना: जलवायु-संवेदी और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास" जिसमें राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान और जर्मन विकास सहयोग ने मिलकर नेतृत्व किया। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने कहा कि 'नमामि गंगे' कार्यक्रम को एक विशाल जन आंदोलन में बदला गया है।

- स्टॉकहोम वर्ल्ड वॉटर वीक में बढ़ा भारत का मान

पीईटी परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा प्रदेश के 48 जनपदों में 6 और 7 सितंबर को होनी है। आयोग की ओर से बुधवार को सिटी इंटीमेशन स्लिप जारी कर दी गई। स्लिप से अभ्यर्थियों को यह पता चलेगा कि उनकी परीक्षा किस शहर में है। इसके लिए आयोग के परीक्षा नियंत्रक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि सभी अभ्यर्थियों को उनके जिले का अलॉटमेंट शेड्यूल जारी किया गया है। हालांकि, आयोग की तरफ से प्रवेश पत्र को डाउनलोड करने के लिए सभी अभ्यर्थियों को ई-मेल से नोटिफिकेशन भेजने की बात कही गई है। करीब 25 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

तैयारी | **यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण में योगी सरकार का डबल फोकस**

पुरानी योजनाओं की उपलब्धियों संग नई होंगी लांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 में इस बार इस मेगा इवेंट का फोकस न सिर्फ पुरानी योजनाओं और उपलब्धियों पर रहेगा, बल्कि सरकार की ओर से कई नई योजनाओं और नीतियों को भी यहां पर लांच किया जा सकता है। ताकि निवेशकों को आकर्षित करने के साथ ही प्रदेश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में पेश किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान योगी सरकार के विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं और पिछले वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), उप्र. डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, गंगा एक्सप्रेस-वे, डिजिटल निवेश पोर्टल और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स की झलक निवेशकों और आगंतुकों को दिखाई जाएगी। वहीं, पूरी संभावना है कि इंटरनेशनल ट्रेड शो के मंच से सरकार नई उद्योग प्रोत्साहन योजनाएं, एमएसएमई वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम और निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष स्कीम्स को लांच कर सकती है। इसके साथ ही उद्यमियों के लिए इनोवेशन सपोर्ट, महिला उद्यमिता प्रोत्साहन और स्टार्टअप्स के लिए सब्सिडी जैसी योजनाओं के विषय में भी घोषणा हो सकती है।

कई केंद्रीय मंत्री बनेंगे कार्यक्रम का हिस्सा : सितंबर में प्रस्तावित आयोजन की महत्ता बढ़ाने के लिए कई केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रित किया जा रहा है, जिनमें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, एमएसएमई मंत्री जितन राम मांझी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हैं।

विदेशी निवेशकों तक पहुंचेगा संदेश

योगी सरकार ने भारतीय दूतावासों और विदेशी मिशनों से इस आयोजन को प्रमोट करने का अनुरोध किया है। इसके तहत होस्टेड बायर प्रोग्राम की जानकारी संबंधित देशों के प्रमुख खरीदारों, चैंबर्स और ट्रेड बॉडीज तक पहुंचाई जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश और देश के अंदर भी व्यापक प्रचार किया जा रहा है। मेट्रो, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और टीवी चैनलों के जरिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए यूपी की लोककला और धरोहर का रंगारंग प्रदर्शन भी किए जाने की तैयारी है।

भारी बारिश से तबाही के बाद अपने घरों को संभालने में लगे लोग।

बाढ़ग्रस्त इलाके में फंसे तमाम लोगों को वायुसेना ने हेलीकॉप्टर से निकाला।

जम्मू के बाढ़ग्रस्त इलाके में मलबे के बीच पड़ी एक क्षतिग्रस्त कार।

उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पुल के क्षतिग्रस्त अवशेष।

वैष्णो देवी : बचे हुए लोग अपनों की तलाश में बेचैन

अनिश्चितता के बीच आधार शिविर अस्पताल और कटरा सहायता केंद्र पर इकट्ठे हैं लापता लोगों के परिजन

कटरा, एजेंसी

माता वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद श्रद्धालुओं के जयकारों की जगह अपनों की तलाश में भटकते कदमों ने ले ली है। इस भूस्खलन में अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। आधार शिविर, अस्पताल और सहायता केंद्र कटरा में बढ़ती अनिश्चितता के केंद्र बन गए हैं, क्योंकि पीड़ित परिवार दर-दर भटक रहे हैं। उन्हें अब भी उम्मीद है कि उनके लापता परिजन जीवित बचे लोगों में शामिल होंगे।

यह आपदा व्यस्त अर्धकुंवारी मार्ग पर आई, जो तीर्थयात्रा मार्ग के बीचों-बीच स्थित है, जहां एक भीड़भाड़ वाला विश्राम स्थल चट्टानों और मलबे की चपेट में आकर नष्ट हो गया। शुभम साहू और उनकी टीम के लिए यह हादसा एक डरावना अनुभव रहा। लौटते समय अचानक जमीन धंस गई और उनकी 11 सदस्यीय टीम के तीन लोग अब तक नहीं मिले हैं। कटरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर उन्होंने रुंधे गले से कहा, कुछ लोग अब भी लापता हैं।

संकट के दृश्य पूरे शहर में दिखाई दे रहे हैं। पंजाब के सुभाष अपने समूह के चार सदस्यों की तलाश कर रहे हैं, जो भूस्खलन के बाद से अचानक गायब हो गए थे। उन्होंने कहा, हो सकता है कि उन्होंने कहीं शरण ली हो, लेकिन उन्हें अब तक लौट आना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इस भयावह संभावना को नकार नहीं पा रहे थे कि कुछ और भयावह हुआ है। भूस्खलन में अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 घायल हुए हैं। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचल बल (एसडीआरएफ), पुलिस और श्रीमाता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) टीम सहित बचाव दल मलबे को हटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं, जिससे ऊपरी लोहे का ढांचा और विश्राम शेड गिर गए।

अनंतनाग में भारी बारिश के कारण अरु-पहलगाम पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद जारी मरम्मत का काम। एजेंसी

मां वैष्णो देवी यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

फिलहाल माता वैष्णो देवी की यात्रा अब अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों से मौसम ठीक होने पर अपनी यात्रा की योजना फिर से बनाने का आग्रह किया है। हालांकि कई तीर्थयात्री तय नहीं कर पा रहे थे कि यात्रा के फिर शुरू होने का इंतजार करें या घर लौट जाएं। हरिद्वार से 24 अन्य लोगों के साथ आई दीपा ने कहा, मंगलवार शाम को हम कटरा पहुंचे तो मौसम बहुत खराब था। बिजली नहीं थी और यात्रा के लिए पंजीकरण काउंटर भी बंद था। उन्होंने कहा कि वे अंतिम निर्णय लेने से पहले कुछ दिन इंतजार करेंगी। दिल्ली निवासी नैना ने कहा कि उन्होंने मंदिर में दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर टिकट बुक कर लिए थे, लेकिन हादसे ने सब कुछ रोक दिया है। उन्होंने कहा, फिलहाल मंदिर जाना बहुत जोखिम भरा है। कटरा और जम्मू के बीच ट्रेन सेवा भी स्थगित है।

जिला जज नाव से पहुंचे कोर्ट

श्रीनगर। भारी बारिश से अनंतनाग जिला अदालत परिसर में जलभराव होने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश ताहिर खुर्शीद रैना नौका से कोर्ट पहुंचे और अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेजों की हिफाजत करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश रैना ने स्थिति का जायजा लेने के लिए नाव से अदालत जाने का फैसला किया। इमारत के भूतल में घुस आए बाढ़ के पानी से विचलित हुए बिना न्यायाधीश ने अदालत परिसर का दौरा किया।

वायुसेना ने हेलीकॉप्टरों से बाढ़ग्रस्त इलाकों से 90 लोगों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने बुधवार को जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों के लिए छह एमआई-17 और एक चिनूक हेलीकॉप्टर को सेवा में लगाया। शाम तक 90 लोगों को बचा लिया गया था, जिनमें से कुछ भारतीय सेना के जवान भी हैं। इससे पूर्व दिन में राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का एक सी-130 परिवहन विमान बुधवार को माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जम्मू पहुंचा। दोनों हेलीकॉप्टरों ने गाजियाबाद के हिंडन वायुसेना स्टेशन से 124 कर्मियों और 22 टन राहत सामग्री को हवाई मार्ग से पहुंचाया। इसके अलावा, चिनूक और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर और पठानकोट के आसपास के वायुसेना अड्डों पर बिल्कुल तैयार स्थिति में रखे गए हैं।

अस्पताल में शव लाए जाने के दौरान बिलखती महिला।

राहत कार्य में लगा वायुसेना का हेलीकॉप्टर।

श्रद्धालुओं की भीड़ से भरा रहता है अर्द्धकुंवारी

पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाले 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते में लगभग आधे रास्ते पर स्थित अर्धकुंवारी हमेशा श्रद्धालुओं से भरा रहता है, जो मंदिर जाते या आधार शिविर, कटरा लौटते समय इंद्रप्रस्थ भोजनालय में विश्राम करते या भोजन का आनंद लेते थे। मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं, मंगलवार सुबह यात्रा हिमकोटि ट्रेक मार्ग पर रोक दी गई थी, लेकिन दोपहर 1.30 बजे तक पुराने रास्ते से जारी रही, जब अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश को देखते हुए इसे स्थगित करने का फैसला किया।

खराब मौसम की चेतावनी के बाद भी श्राइन बोर्ड ने यात्रियों को नहीं रोका

- मुख्यमंत्री उमर ने उपराज्यपाल के नियंत्रण वाले श्राइन बोर्ड के फैसले पर खड़े किए सवाल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नियंत्रण वाले वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के उस फैसले पर सवाल उठाया, जिसमें भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद तीर्थयात्रा जारी रखने की अनुमति दी गई थी।

अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, मौसम की चेतावनी हमें कुछ दिन पहले ही मिल गई थी। उन्होंने सवाल किया, ये लोग यात्रा मार्ग पर क्यों थे, उन्हें क्यों नहीं रोका गया और सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं ले जाया गया। इस पर बाद में चर्चा होनी चाहिए। हमें लोगों की मौत होने का दुख है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की स्थापना 1986 में जम्मू और कश्मीर श्री माता वैष्णो देवी अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत प्रबंधन के लिए की गई थी। जब जम्मू-कश्मीर एक राज्य था, तब राज्यपाल बोर्ड के पदेन अध्यक्ष थे। वर्ष 2019 में राज्य के पुनर्गठन के बाद, उपराज्यपाल इसके अध्यक्ष हैं। कटरा से मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के बीच में एक स्थान पर भूस्खलन हुआ था। मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं। मंगलवार सुबह से ही हिमकोटि मार्ग पर यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अपराह्न 1.30 बजे तक यह पुराने मार्ग से जारी थी।

एक घायल का हाल लेते उपराज्यपाल।

पहले ही रोक दी थी यात्रा

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को वैष्णो देवी भूस्खलन में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और कहा कि यह बादल फटने का परिणाम था और जब यह घटना हुई तब तीर्थयात्रा पहले ही स्थगित कर दी गई थी। सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बात की और उन्हें बाढ़ के बाद की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

स्कूल में फंसे 381 छात्रों, 70 शिक्षकों को बचाया

गुरदासपुर। एनडीआरएफ और बीएसएफ की टीमों ने बुधवार को गुरदासपुर जिले के दबुरी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में फंसे 381 छात्रों और 70 शिक्षकों को बचाया। ये छात्र स्कूल परिसर और आसपास के इलाकों में बाढ़ के कारण फंसे हुए थे। स्कूल के अंदर 4-5 फुट पानी भर गया। अधिकारियों ने बताया कि छुट्टी की घोषणा के बावजूद बच्चों और कर्मचारियों को घर न भेजने पर प्रधानाध्यापक को नोटिस दिया गया है।

जम्मू के बाढ़ग्रस्त इलाकों से 5000 लोग बचाए गए

जम्मू। जम्मू क्षेत्र में विभिन्न बाढ़ग्रस्त नदियों के किनारों और जलमग्न निचले इलाकों से 5,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि बचाव एजेंसियां और प्रशासन बाढ़ प्रभावित जम्मू व सांबा जिलों में फंसे लोगों तक पहुंचने के प्रयास में जुटा है।

आयोग अनाम पार्टियों को सैकड़ों करोड़ के चंदे की जांच करेगा या हलफनामा मांगेगा : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में कुछ अनाम पार्टियों को कथित तौर पर सैकड़ों करोड़ रुपये का चंदा मिलने से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए बुधवार को निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या आयोग जांच करेगा या फिर हलफनामा मांगेगा।

राहुल गांधी ने एक हिंदी दैनिक में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन उन्हें 4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह सवाल भी किया, ये हजारों करोड़ आए कहां से, चला कौन रहा है इन्हें और पैसा गया कहां। राहुल गांधी ने कहा, क्या चुनाव आयोग इसकी

- गुजरात में कई पार्टियों को 43 सौ करोड़ के चंदे पर उठाए सवाल

जांच करेगा या फिर यहां भी पहले हलफनामा मांगेगा। या फिर कानून ही बदल देगा, ताकि ये डेटा भी छिपाया जा सके। उधर, बिहार में राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के 11वें दिन भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा निर्वाचन आयोग पर तीखे हमले जारी रखे और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा का 'गुजरात मॉडल' कोई 'आर्थिक मॉडल' नहीं, बल्कि वोट चोरी का मॉडल है जिसे 2014 में राष्ट्रीय स्तर पर लाया गया।

पटना: स्कूल टॉयलेट में जली हालत में मिली छात्रा ने दम तोड़ा

पटना। बिहार की राजधानी पटना के एक सरकारी स्कूल के शौचालय में बुधवार को गंभीर रूप से जली हुई अवस्था में पाई गई 12 साल की एक बच्ची ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि गर्दनी बाग पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत 'गर्ल्स मिडिल स्कूल' के शौचालय में पांचवीं कक्षा की छात्रा गंभीर रूप से जली हुई अवस्था में बेहोशी की हालत में पाई गई थी। पटना की पुलिस अधीक्षक (मध्य) दीक्षा ने बताया, पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और लड़की को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि लड़की गंभीर रूप से कैसे जल गई और वह शौचालय कैसे पहुंची। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि लड़की की मौत की खबर मिलने के बाद उसके परिवार के सदस्य स्कूल पहुंचे और कुछ पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की बात ही क्या की जाए

जमानत याचिका पर 43 बार सुनवाई स्थगित करने पर नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मामलों को स्थगित करने की उच्च न्यायालय की प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए उस आरोपी की जमानत याचिका मंजूर कर ली, जो सीबीआई के कई मामलों में साढ़े तीन साल से अधिक समय से हिरासत में है, तथा उसकी याचिका पर 43 बार स्थगन दिया गया था।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने 25 अगस्त को रामनाथ मिश्रा उर्फ रमानाथ मिश्रा की याचिका

- साढ़े तीन साल से जेल में बंद आरोपी की जमानत मंजूर की

स्वीकार कर ली और आदेश दिया कि यदि वह किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे रिहा कर दिया जाए। शीर्ष अदालत ने जमानत याचिकाओं से निपटने में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रवैये की विशेष रूप से आलोचना की और कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के बारे में क्या बात की जाए।

सीजेआई ने कहा, वर्तमान मामले में सुनवाई 43 बार टाली जा चुकी है। हम उच्च न्यायालय द्वारा नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित मामलों को इतनी बार स्थगित करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं मानते हैं। हमने बार-बार यह टिप्पणी की है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित मामलों पर न्यायालयों को अत्यंत शीघ्रता से विचार करना चाहिए। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता साढ़े तीन वर्ष से अधिक समय से जेल में है, पीठ ने उसे जमानत देने का निर्णय लिया।

याचिका का विरोध करते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस डी संजय ने दलील दी कि जब मामला उच्च न्यायालय में लंबित है तो जमानत देना गलत मिसाल कायम करेगा। शीर्ष अदालत ने आपत्ति खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के लंबे समय तक कारावास में रहने और बार-बार स्थगन के कारण उसके पास हस्तक्षेप के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

पत्रकार अभिसार की याचिका पर सुनवाई करेगी शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पत्रकार अभिसार शर्मा की एक याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने असम सरकार की नीतियों की आलोचना करने के लिए दर्ज की गई प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध किया है।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर सकती है। शर्मा ने याचिका में बीएनएस की धारा 152 की वैधता को चुनौती दी है जो भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित है। आलोक बरुआ नामक व्यक्ति ने गुवाहाटी अपराध शाखा थाने में शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

- आदिवासियों की जमीन सीमेंट कंपनी को देने पर बनाया था वीडियो

इसमें आरोप है कि आठ अगस्त को शर्मा के यूट्यूब चैनल पर अपलोड वीडियो से सांप्रदायिक तनाव और अधिकारियों के बीच अविश्वास पैदा हो सकता है। वीडियो में शर्मा ने गुवाहाटी हाईकोर्ट की उस टिप्पणी का हवाला दिया है जिसमें उसने सवाल किया था कि निजी कंपनी को सीमेंट कारखाना लगाने के लिए आदिवासी बहुल दीमा हसाओ जिले में 3,000 बीघा जमीन क्यों आवंटित की गई।

कॉलेजियम प्रक्रिया में असहमति पर गौर करने की जरूरत : ओका

नई दिल्ली। कॉलेजियम की सिफारिशों पर न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की कड़ी असहमति के बावजूद दो उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष कोर्ट में पदोन्नत किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ए एस ओका ने बुधवार को कहा कि कॉलेजियम में किसी भी असहमति पर गौर किए जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति ओका उड़ीसा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस मुरलीधर द्वारा संपादित पुस्तक "(इन) कम्प्लीट जस्टिस? द सुप्रीम कोर्ट एट 75" के विमोचन के अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह के एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। ओका ने कहा, यह सवाल बेहद चिंताजनक है, लेकिन मैं कहता रहा हूं कि हमें पारदर्शिता को परिभाषित करना होगा।

जनशताब्दी को असुरक्षित पटरी पर मोड़ने पर स्टेशन मास्टर, यातायात नियंत्रक निलंबित

नई दिल्ली। आगरा रेल मंडल ने दिल्ली जा रही जन शताब्दी एक्सप्रेस को उस पटरी पर मोड़ने को लेकर एक स्टेशन मास्टर और एक यातायात नियंत्रक को मंगलवार को निलंबित कर दिया जिसकी मरम्मत की जा रही थी। इस घटना के बाद सैकड़ों यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी।

सूत्रों के अनुसार, ट्रेन के सतर्क चालक दल ने पटरियों का प्रबंधन करने वाले कर्मचारियों द्वारा लगाए गए लाल झंडे को देखा और तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को उस हिस्से में पहुंचने से पहले ही रोक दिया, जहां मरम्मत की जा रही थी। मंडल की प्रभागीय परिचालन प्रबंधकऔर अधिकृत प्रवक्ता प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि दो कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा यह दो कर्मचारियों की खराब संचालन योजना का मामला है। अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत उन्हें जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है।

- आगरा के छाता स्टेशन के पास की घटना, खतरे में पड़ी सैकड़ों यात्रियों की जान

ऑपरेशन सिंदूर और महादेव ने आतंक के आकाओं को कड़ा संदेश दिया: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने पर उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से लोगों को जहां संतुष्टि मिली वहीं ऑपरेशन महादेव ने इस संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदला।

गृह मंत्री ने यह बात सेना के उन 12 जवानों को सम्मानित करते हुए कही, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया। इस अभियान में शामिल जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो-दो जवानों को भी सम्मानित

- जम्मू-कश्मीर और सीआरपीएफ के दो-दो जवान किए सम्मानित

किया गया। ये दोनों अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर हमले का सीधा जवाब थे, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

गृह मंत्री ने कहा, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर खुशी एवं उत्साह महसूस किया और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति यही विश्वास हर क्षेत्र में दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की भारत की आकांक्षा का आधार है। सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों एवं सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था।

पहलगाम नरसंहार के तुरंत बाद शुरू किये गए ऑपरेशन महादेव में 28 जुलाई को तब सफल मिली, जब सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ और उसके दो सहयोगियों जिबरान और हमजा अफगानी को मार गिराया। यह अभियान तब शुरू किया गया जब तकनीकी सिग्नल से पता चला कि अपराधियों ने सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल किया है।

संबोधन संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर आयोजित व्याख्यानमाला में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने की स्वदेशी की पैरवी

अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आत्मनिर्भरता की जोरदार पैरोकारी करते हुए बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं। आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा पर एक व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए सरसंघचालक ने कहा कि आत्मनिर्भरता सभी समस्याओं का समाधान है और इसके लिए स्वदेशी को प्राथमिकता देनी होगी।

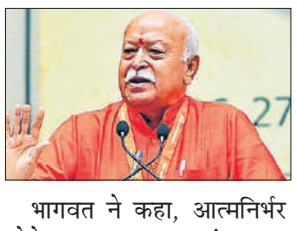

भागवत ने कहा, आत्मनिर्भर होने का मतलब आयात बंद करना नहीं है। दुनिया आगे बढ़ती है, क्योंकि यह एक-दूसरे पर निर्भर है। इसलिए आयात-निर्यात जारी रहेगा। हालांकि, इसमें कोई दबाव नहीं होना चाहिए। सरसंघचालक ने राजनयिकों, नौकरशाहों, पूर्व सैन्य कर्मियों, वैज्ञानिकों, विचारकों और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित अन्य को संबोधित करते हुए कहा, बाहर (विदेशों) से वस्तुएं आयात करने से स्थानीय विक्रेताओं को नुकसान होता है।

विश्व व्यवस्था में बढ़ गया है कट्टरपंथ

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि मौजूदा विश्व व्यवस्था में कट्टरपंथ बढ़ गया है क्योंकि लोग अपने विचारों के खिलाफ बोलने वालों को नकार देते हैं। भागवत ने कट्टरपंथ और अनियंत्रित उपभोक्तावाद के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा, समाधान धर्म में निहित है, धर्म विविधता का सम्मान करता है, जिसमें पर्यावरण का सम्मान भी शामिल है। धर्म संतुलन की बात करता है। भारत इस आधुनिक चुनौती का समाधान दे सकता है जिसका विश्व अभी सामना कर रहा है। भागवत ने कहा, दुनिया में परिवर्तन लाने से पहले हमें अपने घर से समाज में परिवर्तन की शुरुआत करनी होगी।

भागवत की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लागू हो गया है। उन्होंने कहा, जो कुछ भी आपके देश में बनता है, उसे बाहर से आयात करने की कोई जरूरत नहीं है। जो कुछ भी जीवन के लिए जरूरी है और आपके देश में नहीं बनता, उसे हम बाहर से आयात करेंगे। भागवत ने कहा, देश की नीति स्वेच्छा से बनाई जानी चाहिए, किसी के दबाव में नहीं आना चाहिए। यही स्वदेशी है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का प्रयास समाज के हर वर्ग तक पहुंचना होगा और आशा जताई कि अन्य देशों में भी संघ जैसे संगठन की भावना पनपेगी।

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को सुलाकर मां ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज के हुसैनाबाद पुलिस चौकी के पास स्थित मकान में दो बच्चों के साथ रहने वाली आलिमा फिरदौस (36) ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई अब्दुल ने बताया कि आलिमा कुछ दिनों से अवसाद में थी। उसका इलाज चल रहा था। मंगलवार की रात वह बेटे हंजला व बेटी जारा के साथ सो रही थी। बुधवार सुबह जब बच्चे सोकर उठे तो मां का शव कमरे में फंदे से लट रहा था। इसके बाद बच्चों ने पड़ोसियों को बताया। छानबीन में पता चला कि खुदकुशी से पहले आलिमा की किसी से वीडियो कॉल पर बात हुई थी। लेकिन कॉल करने वाला कौन था। यह जानकारी नहीं हो सकी। पुलिस ने मोबाइल को कब्जे में लिया है।

युवक का छीना मोबाइल

अमृत विचार, काकोरी : पारा इलाके में बदमाशों ने एक युवक का मोबाइल लूट लिया। उन्नाव निवासी बृजकिशोर अपनी बहन से मिलने बुद्धेश्वर आए थे। टैक्सी से उतरते ही चौराहे पर मौजूद दो बदमाश उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पुलिस आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

युवक ने फंदा लगा की खुदकुशी

अमृत विचार, हरदोई : संडीला कोतवाली क्षेत्र के लूमामऊ गांव गांव निवासी रोहित कश्यप ने ने फांसी लगाकर की आत्महत्या कर ली। उसका शव गांव के रामनाथ के घर के पास पेड़ से लटकता मिला शव। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विद्या सागर पाल ने फॉरेंसिक टीम के साथ निरीक्षण किया और शव को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

73 समितियों पर 30 सचिव, रोस्टर से बांट रहे खाद

जहां रोस्टर वहां लग रही कतार, बाकी से लौट रहे किसान, यूरिया की समस्या बरकरार, निजी विक्रेता कर रहे मनमानी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अधिकारी सहकारी समितियों पर यूरिया पर्याप्त मात्रा में होने का दावा कर रहे हैं लेकिन, सचिवों की कमी के कारण सभी समितियों में एक साथ बांट नहीं पा रहे हैं। वितरण के लिए समिति के दिन निर्धारित करके रोस्टर बनाए हैं, फिर भी समस्या बरकरार है। इससे समितियों पर वितरण प्रभावित है और किसान परेशान हैं।

समिति के बाहर यूरिया खाद लेने के लिए खड़े किसान।

जिले में कुल 73 समितियों पर मात्र 30 सचिव तैनात हैं। एक सचिव के पास तीन से चार समितियों का चार्ज है। ऐसी स्थिति में एक साथ खाद बांटना मुश्किल है। इस कारण समितियों के दिन निर्धारित करके रोस्टर के अनुसार खाद वितरित कराई जा रही है। जिस समिति पर रोस्टर होता है तो वहां किसानों की लंबी कतार लगती है और जहां रोस्टर नहीं वहां खाद नहीं बंटती है। समितियों पर एक साथ किसानों के जुटने से स्टॉक पलभर में खत्म हो जाता है। वहीं, निजी प्रतिष्ठानों पर खाद की इतनी किल्लत नहीं है लेकिन, फर्जीवाड़ा, ओवररेटिंग और कम खाद देकर अधिक खारिज करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जबकि विभाग द्वारा पकड़े जाने पर बराबर कार्रवाई की जा रही है।

मलिहाबाद संवाददाता के अनुसार, कृषक सेवा केंद्र में सोमवार को आई 400 बोरी यूरिया किसानों की अधिक भीड़ होने के कारण पलभर में बिक गई। गोदाम प्रभारी अनिल कुमार का कहना था की खाद खत्म होने पर निल की रिपोर्ट भेज दी है। वैकल्पिक रूप से नैनो यूरिया बेच रहे हैं।

माल संवाददाता के अनुसार, बुधवार को रोस्टर के अनुसार 10 समितियों में सात बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति, माल, देवरी भारत, अमलौली, पिपरी कुराखर, रुदान खेड़ा, जमुलिया, बहिर में पुलिस की निगरानी में वितरण कराया गया। किसानों की लंबी कतार रही। जिन तीन समितियों पर खाद नहीं बंटी वहां के किसान निजी दुकान व अन्य समितियों में कतार लगाए रहे।

सरोजनी नगर संवाददाता के अनुसार, बुधवार को बंथरा व माती सहकारी समिति में खाद न होने के कारण किसान लौट गए। तमाम किसानों ने धान में प्रयोग करने के लिए मजबूरी में निजी दुकानों पर अधिक दाम पर खाद खरीदी। बंथरा सहकारी समिति के प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि दो दिन से खाद खत्म हो गई है, जल्द आपूर्ति हो जाएगी। इसी तरह माती सहकारी समिति में 10 दिनों से खाद न होना बताया गया।

> जिले में खाद की कमी नहीं है। समितियों में रोस्टर बनाकर वितरण करा रहे हैं। जहां एक साथ किसानों के आने पर समस्या आती है। निजी दुकानदारों में गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई कर रहे हैं।
>
> **-तेग बहादुर सिंह,** जिला कृषि अधिकारी, लखनऊ

बिल्डर भाइयों पर एक और रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ: मोहनलालगंज के मऊ में कम कीमत पर प्लॉट के नाम पर करोड़ों की ठगी कर चुके एचके इंफ्राविजन के निदेशक भाइयों के खिलाफ एक और रिपोर्ट दर्ज की गयी है। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि एचके इन्फ्राविजन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विनोद उपाध्याय व प्रमोद उपाध्याय जेल में हैं। आरोपियों पर बलिया के राजागांव खरौनी निवासी योगेंद्र पांडेय ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि उनकी बहू रमा द्विवेदी ने 12 जून 2023 को दो हजार वर्ग फिट का प्लाट 13.30 लाख रुपये में खरीदा था। लेकिन अभी तक कब्जा नही दिया गया। कब्जा मांगने गए तो दोनों भाइयों ने गाली गलौज कर अभद्रता की। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

जाली आधार से खाता खुलवा फर्जी पीएस ठगता था रकम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ गिरोह में शामिल अन्य लोगों की खंगाल रही कुंडली
- फर्जीवाड़े के दौरान आरोपी एग्रीमेंट पर लगाता था धुंधली फोटो
- हाईकोर्ट ने ठगी की रकम वापस करने की शर्त पर दी थी जमानत

अमृत विचार: लखनऊ विकास प्राधिकरण और आवास विकास के प्लॉट बेचने के मामले में एसटीएफ द्वारा जेल भेजे गए फर्जी केंद्रीय सचिव अमित कुमार पूर्व में वर्ष 2023 में विभूतिखंड थाने व वर्ष 2024 में सरोजनीनगर थाने से धोखाधड़ी में जेल जा चुका है। जालसाज अमित को हाईकोर्ट ने इसी शर्त पर जमानत दी थी कि वह पीड़ित के ठगे गए 10 लाख रुपये वापस कर देगा। यही नहीं फर्जीवाड़े के दौरान आरोपी एग्रीमेंट के दस्तावेजों में अपनी धुंधली फोटो लगाता था। आरोपी अमित ने रायबरेली के व्यवसायी शिवकुमार से स्टैंप पेपर पर एग्रीमेंट कर धुंधली और काली लगाई थी।

एसटीएफ ने जांच का दायरा बढ़ाया तो पता चला कि आरोपी जाली दस्तावेज की मदद से एलडीए और आवास विकास के करीब 12 प्लॉट बेच चुका है।पीड़ितों में वृंदावन कॉलोनी निवासी व्यापारी प्रवीण, उनका भाई राजीव भी शामिल हैं। इसके साथ ही एसटीएफ अन्य पीड़ितों का ब्योरा जुटा रही है। यही नहीं फर्जी सचिव अमित ने प्लॉट मालिक हरदोई निवासी राजीव के नाम से आधार कार्ड व अन्य पेपर बनवाए थे। आरोपी पीड़ितों को जाल में फंसाने के लिए बड़ी गाड़ियों को किराए पर लेकर चलता था। आरोपी योजना में था कि पीड़ित के फंसते ही जाली आधार कार्ड से खाता खुलवाकर रुपये हड़प लेता।

बताते चलें कि एसटीएफ ने मंगलवार को अमित और उसके चालक साथी मुबीन अहमद को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से हूटर लगी इनोवा, वाकीटाकी व अन्य सामान मिला था। एसटीएफ गिरोह के अन्य लोगों की कुंडली खंगाल रही है।

रंजिश में छात्रा ने फेक आईडी बना पड़ोसी की बेटी को किया बदनाम

संवाददाता, निगोहां

- मजा आने पर गांव के एक दर्जन लड़कियों की बनी फर्जी आईडी लगी फोटो
- पीड़ित लड़कियों ने स्कूल जाना किया बंद, साइबर सेल की मदद से पुलिस ने छात्रा को दबोचा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में नाली विवाद ने 11वीं में पढ़ने वाली 17 साल की छात्रा ने ओछी हरकत कर दी। रंजिश के चलते छात्रा ने इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाकर पड़ोसी की बेटी की फोटो अपलोड कर अश्लील और धमकी भरे मैसेज किए। पड़ोसी की बेटी को परेशान करने पर हिम्मत ऐसी बढ़ी कि उसने गांव की करीब दर्जन भर लड़कियों की भी फर्जी आईडी बनाकर उन्हें बदनाम करना शुरू कर दिया। बदनामी के चलते पीड़ित छात्राओं ने स्कूल जाना बंद कर दिया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए निगोहां पुलिस ने साइबर सेल की मदद से नाबालिग छात्रा को मंगलवार रात पकड़ लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद कर लिया है।चार महीने पहले निगोहां में नाली को लेकर दुकानदार और उसके के बीच विवाद हुआ था। इसी रंजिश में पड़ोसी की बेटी ने अपनी बुआ के लड़के से एक पुराना मोबाइल लिया। जिसमें पहले से किसी और की ईमेल आईडी लगी हुई थी। इसी का इस्तेमाल कर छात्रा ने पहले पड़ोसी की बेटी की इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाई। फिर उसकी फोटो और वीडियो भेजकर अश्लील टिप्पणियां कर अपहरण की धमकी देनी शुरू कर दी।

शिकायत के दो माह बाद भी कोई कार्रवाई न होने से किशोरी का हौसला बढ़ता गया। उसने गांव की 12 से अधिक लड़कियों की फर्जी इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी बनाकर उनमें उनकी फोटो जोड़कर उन्हें अश्लील और धमकी भरे मैसेज भेजने शुरू कर दिए। पीड़ितों परिवार ने एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा और साइबर सेल से शिकायत की। सैकड़ों मोबाइल नंबर की जांच के दौरान मंगलवार रात पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ में छात्रा ने स्वीकार किया कि वह पड़ोसी से बदला लेने के लिए ऐसा कर रही थी और बाद में इसे आदत बना लिया। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि बरामद मोबाइल में 6 जाली आईडी मिली है।

शादी टूटने से परिवार परेशान

- पीड़ित ग्रामीणों ने बताया कि गांव की एक लड़की की शादी तय हो चुकी थी। आरोपी किशोरी द्वारा उसकी भी फर्जी आईडी बनाकर अश्लील कंटेंट पोस्ट करने से रिश्ता टूट गया। जिससे परिवार पर मानसिक आघात पड़ा।

मुस्लिम महिलाओं ने सम्मान कर जताया आभार

- काफी समय से बेटियों को परेशान करने वाली छात्रा की गिरफ्तारी के बाद निगोहां की मुस्लिम महिलाओं ने राहत की सांस ली। उन्होंने एसीपी रजनीश वर्मा और थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी को सम्मानित कर आभार जताया। महिलाओं का कहना था कि अगर समय रहते कार्रवाई न होती तो बेटियों की जिंदगी बर्बाद हो जाती।

लखनऊ की दोनों फार्मा कंपनी सील

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नकली दवा के व्यापार में एसटीएफ द्वारा आगरा में की गई कार्रवाई में लखनऊ की दो फार्मा का नाम आने के बाद उन्हें सील कर दिया गया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने की है। दोनों फर्मों के मालिकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआइआर भी दर्ज कराई गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त बृजेश कुमार ने बताया कि एसटीएफ के साथ मिलकर आगरा में नकली दवा कारोबार का पर्दाफाश किया है। लखनऊ के पार्वती ट्रेडर्स के मालिक सुभाष कुमार निवासी जयप्रकाश नगर आलमबाग लखनऊ व न्यू बाबा फार्मा के मालिक विक्की कुमार निवासी आशियाना सेक्टर एडीए कालोनी के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है।

नकली दवा के खेल में पहला आगरा के हिमांशु अग्रवाल के खिलाफ रिश्वत देने का दर्ज कराया गया था। इसके बाद लखनऊ के दो दवा कारोबारी व एमएस लाजिस्टिक के संचालक भाइयों सहित छह लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है।

उन्होंने बताया कि मौके से जब्त की गईं दवाओं की पुष्टि के लिए संबंधित कंपनी से संपर्क किया गया, जिसके बाद यह स्पष्ट हो गया जब्त की गईं सभी दवाएं नकली थीं। संयुक्त टीम की ओर से आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

इंस्पेक्टर के निलंबन की मांग भाकियू ने डीसीपी कार्यालय घेरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने बुधवार को भी डीसीपी साउथ के कार्यालय का घेराव किया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इंस्पेक्टर बिजनौर के निलंबन की मांग की।

किसान नेताओं ने मंडल अध्यक्ष केके सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर में इंस्पेक्टर पर एक पक्षीय कार्यवाही का आरोप लगाते हुए भाकियू ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। आरोप लगाया कि केके सिंह से पुलिस रुपयों की मांग कर रही थी। रुपयों की मांग पूरी न होने पर उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी। वहीं, इंस्पेक्टर बिजनौर शिवशंकर महादेवन ने किसानों के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है। उधर, प्रदर्शन बढ़ते देख पुलिस कर्मियों ने किसानों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद किसान एडीसीपी साउथ को ज्ञापन देकर चले गए।

CurePoint Homeopathic Clinic
क्योर पाइंट होम्योपैथिक क्लीनिक
डॉ. आकांक्षा पाण्डेय
BSc, B.H.M.S.
विशेषता :- स्त्री., बाल्य व चर्म रोग
प्रतिदिन
मो. 9044270667
डॉ. रूपेश कुमार पाण्डेय
B.H.M.S., MD(Hom.)
विशेषता :- जटिल, असाध्य रोग
रविवार अवकाश
मो.9580301000
पता : भारत पेट्रोलियम पम्प के सामने, SBI बुद्धेश्वर के पीछे, बुद्धेश्वर चौराहा, लखनऊ

लापता युवती का शव तालाब में मिला

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: सोमवार को शौच के लिए लापता युवती का शव गांव के पास तालाब में पड़ा मिला। एएसपी, सीओ सहित मौके पर पहुंचे और जांच की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए।

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के सरहा सकतपुर गांव के मजरा सरहा निवासी रामखेलावन की 19 वर्षीय बेटी सोनम सोमवार शाम घर से शौच के लिए निकली थी। देर तक वापस न लौटने पर परजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मंगलवार को अज्ञात पर युवती को बहला फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने मंगलवार रात में तलाश करने के साथ डॉग स्क्वायड को बुलाया। बुधवार सुबह लगभग सात बजे गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर गांव सरहा -बरधाई गांव के बीच स्थित तालाब में ग्रामीणों ने शव उतराता देखा। जानकारी पर परिजन पहुंचे, सूचना पर एसओ ज्ञानेंद्र कुमार फोर्स के साथ पहुंचे तालाब से शव तालाब से बाहर निकलवा कर जांच की। प्रारंभिक जांच में पुलिस युवती के शरीर पर जाहिरा चोट नहीं मिली। एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद, सीओ सोनम सिंह भी मौके पर पहुंचीं। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। वहीं स्वाट टीम भी पहुंची। सीओ सफीपुर सोनम सिंह ने बताया है कि तालाब में युवती का शव मिला था। घटना के सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

परिजन से पूछताछ करतीं सीओ सोमन सिंह व सोमन की फाइल फोटो (इनसेट में)।

डूबने से हुई मौत की पुष्टि, नहीं मिली चोट

सोनम की मौत को लेकर पहुंचे पुलिस अफसरों ने परिजनों को ढांढस बंधा पीएम रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस की मांग पर सीएमओ ने तीन डॉक्टरों का पैनल गठित कर पोस्टमार्टम के आदेश दिए। इसपर डॉ.उपेन्द्र कुमार, डॉ. शैलेंद्र शाक्य ने महिला चिकित्सक फरहा ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया। जिसमें डूबने से मौत की पुष्टि हुई। पानी में पड़ा होने से शव फूल गया था।

छत से गिरकर घायल महिला की मौत

- **अमृत विचार, हरदोई :** अमृत विचार। थाना क्षेत्र के पीलामहुआ में एक महिला की छत से गिरने से मौत हो गई। 26 अगस्त की सुबह करीब चार बजे लौंगश्री (52) पत्नी इंद्रपाल अपने बेटे और बेटी के साथ छत पर सो रही थी। इसी दौरान किसी काम से उठी और अचानक पैर फिसलने से नीचे गिर गई। काफी देर बाद पड़ोसियों ने देखा कि महिला घर के नीचे बकरी के ऊपर गिरी पड़ी थी और दर्द से कराह रही थी। घटना के बाद आनन-फानन में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन उसे बरेली के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

युवती से दुष्कर्म, सहेली ने बनाया वीडियो

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सआदतगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: सआदतगंज के चौपटिया के रहने वाले अली ने महिला मित्र की मदद से कैसरबाग की एक युवती को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर धमकाया और सहेली ने वीडियो बना लिया। इसके बाद यौन शोषण का दबाव बनाने लगा। इंकार पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने बुधवार रात सआदतगंज थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस महिला मित्र की तलाश कर रही है।

पीड़िता ने बताया कि जुलाई माह में अपनी सहेली से मिलने जंबूरखाना इलाके में गई थी। सहेली उसे बातों में फंसाकर अली के फ्लैट पर लेकर गई। वहां अली नहीं था। सहेली के साथ कुछ देर बैठी रही। इस बीच अली आ गया। अली छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने धमकाते हुए दुष्कर्म किया। सहेली ने वीडियो बना लिया।

इसके बाद अली शोषण करने की नियत से उसे फोन कर मिलने का दबाव बनाने लगा। विरोध पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

अमृत विचार
अवध बाज़ार
GSTIN:09CUOPT8181M1ZE
THE SOLAR POWER
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
SS-2 SEC D1 1679 B LDA OPP
LAW COLLEGE ROAD ASHIYANA LUCKNOW 226012
Loan available at just 7% interest
Ankur tiwari
CONTACT : +917705009011
PM MUFT BIJLI YOJNA
Hotel EKAS
Wedding | Engagement | Anniversary
Rooms | Conference | Restaurant | Kitty Party
Birthday Party Rooftop Opening Soon
Capacity of Banquet starting form 50 to 800 Pax
279/48, Behind Charbagh Bus Station
Mawaiya Scheme 81, Kanpur Road,
Pan Dariba Lucknow - 226005
0522-4115460, +91-9936024555,
शराब की लत से परेशान है?
स्मैक, गाँजा, चरस, DRUGS
वाईटनर, कैप्सूल, भांग, सिगरेट,
गुटखा, तम्बाकू से नशे के
उपचार के लिए मिलें।
दुबले-पतले
लड़के/लड़कियाँ/बच्चे
जो मोटे नहीं होते ज्यादा खाये
आयुर्वेदिक औषधि द्वारा खाया
पिया पचा कर 15 दिनों में फर्क
महसूस करें। सेहत व वजन बढ़ायें।
विबग्योर क्लीनिक
लेखराज मार्केट-1, इन्दिरा नगर,
लखनऊ- 9935056088
9415011172
GSTIN:09CFBPB7686B1ZJ
Dot Energy Enterprises
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
Add : 367/21, Fatuhabad, Sahadatganj,
Near Samrahi chowki Lucknow, Uttar Pradesh
Mob: 8948021107
PM MUFT BIJLI YOJNA
आमंत्रण
रत्नराशि ज्वैलर्स
Ratanrashi Jewellers
सोना, चाँदी व हीरे के जेवरात एवं राशि रत्न
नीलगिरि चौराहा, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर लखनऊ
फोन: 0522 2355399, + 91 9415142856, 7007633030
Residential/
Investment
Plots available
CIVILIAN GREEN
CIVILIAN'S DREAM
CIVILEA
GREEN CITY
Kanpur Road, Lucknow
Mob: 9616826300
OFFICE :- CIVILEA CONSTRUCTION
Near Kaiserbagh Kotwali Lucknow

नैय्यर लैंड फर्म ने प्लॉट के नाम पर हड़पे 5.50 लाख

अमृत विचार, सरोजनीनगर: रियल एस्टेट कंपनी नैय्यर लैंड ट्रेलब्लेजर्स के निदेशक समेत दो के खिलाफ पुलिस आयुक्त के निर्देश पर बिजनौर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। याहियागंज स्थित सिंघल वाली गली कुलविंदर सिंह ने बताया कि वर्ष 2017 में नैय्यर लैण्ड ट्रेलब्लेजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मन्नी नैय्यर व प्रतीक ने सरोजनीनगर के जैतीखेड़ा में प्लॉट दिलाने के नाम पर 5.50 लाख रुपये लिए थे। आरोपियों ने उसे तत्काल कब्जा दिलाने का आश्वासन दिया था। आरोप है कि बयाना लेने के बाद विपक्षियों ने जमीन पर कब्जा नहीं दिलाया। बाद में उसी भूखंड को किसी अन्य को बेच दिया, जिसने वहां बाउंड्री कर कब्जा कर लिया। थाने पर सुनवायी न होने पर पीड़ित ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। निर्देश पर बिजनौर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लापरवाही | दो करोड़ खर्च कर केजीएमयू में बनाया गया है 12 टेबल वाला अत्याधुनिक पोस्टमार्टम हाउस

दो वर्ष पहले बनकर तैयार पोस्टमार्टम हाउस में लटका ताला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) परिसर में दो वर्ष पहले बनकर तैयार नए पोस्टमार्टम हाउस में ताला लटका है। 12 टेबल वाला ये अत्याधुनिक पोस्टमार्टम हाउस अभी तक शुरू नहीं किया जा सका है, जबकि पहले से संचालित पोस्टमार्टम हाउस ओवर लोड है।

जिले में सिर्फ केजीएमयू में ही पोस्टमार्टम होता है। यहां छह टेबल पर पोस्टमार्टम किए जा रहे हैं। औसतन प्रतिदिन 15 से 20 शवों के पोस्टमार्टम होते हैं। गर्मियों में संख्या बढ़कर 40 से 50 पहुंच जाती है। तब मृतकों के परिजन को लंबा इंतजार करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में दूसरे जिले के लोगों को अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।

परिजन उसी दिन अंतिम संस्कार नहीं कर पातें हैं। इसे देखते हुए सरकार ने नया भवन बनाकर पोस्टमार्टम को विस्तारित कराया है। दो करोड़ खर्च कर 12 टेबल वाला विस्तारित नया पोस्टमार्टम हाउस बनकर तैयार है। वर्ष 20023 में इसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी इसे चालू नहीं किया गया है।

पोस्टमार्टम के नए भवन में लगा ताला।

बोले जिम्मेदार

- मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि यह नया भवन मेडिकल छात्रों की पढ़ाई के लिए इस्तेमाल हो रहा है। जल्द ही पोस्टमार्टम भी होंगे। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह का कहना है कि वहां न तो पढ़ाई होती है और न ही पोस्टमार्टम। उनका कहना है कि भवन केजीएमयू का है, लेकिन संचालन और उपयोग की जिम्मेदारी सीएमओ के पास है।

जो बना उसे संचलित नहीं करा पा रहे, नया खोलने की योजना

- राजधानी में एक और पोस्टमार्टम हाउस खोलने की तैयारी है। 26 जुलाई को जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में तीसरे पोस्टमार्टम हाउस का प्रस्ताव भेजने का निर्देश सीएमओ को दिया गया था। नया पोस्टमार्टम हाउस पीजीआई की तरफ खोलने पर विचार किया जा रहा है। जिससे गोसाईंगंज, मोहनलालगंज, पीजीआई आदि क्षेत्र में होने वाली घटनाओं के शवों का पोस्टमार्टम आसानी से हो सकेगा। मृतक के परिजनों को केजीएमयू तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

सुविचार

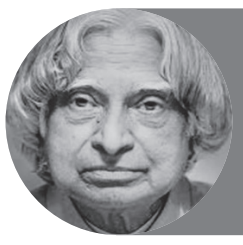

जो लोग मन से काम नहीं कर सकते, उन्हें जो सफलता मिलती है वो खोखली और आधी-अधूरी होती है जिससे आसपास कड़वाहट फैलती है। - एपीजे अब्दुल कलाम

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- सस्ती शराब को ब्रांडेड बना बेचने वाले गिरफ्तार II
- गणपति बप्पा विराजे III
- ऋतुराज के तूफान में उड़ी लखनऊ फाल्कंस VI

शहर में आज

- एसजीपीजीआई में 'हर गर्भ सुरक्षित हर जन्म सुरक्षित' विषय पर कार्यशाला- 10:00 बजे।
- लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. रविकांत चंदन के समर्थन में द्यभारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यकर्ता जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे- 11:00 बजे।
- लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक विश्वविद्यालय परिसर के सरस्वती वाटिका में धरना देंगे और राजभवन की तरफ कूच करेंगे- 11:00 बजे।
- संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में नाट्य संस्था विजय बेला एक कदम खुशियों की ओर द्वारा नाटक ऑरेंज जूस का मंचन- 7:00 बजे।

जानकीपुरम में डायरिया से किशोरी की मौत, दो मरीज कराए गए भर्ती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जानकीपुरम विस्तार में डायरिया का प्रकोप अभी थमा नहीं है। डायरिया से पीड़ित एक एक किशोरी की मौत हो गई है। तीन नए मरीज भी मिले हैं। इनमें से मरीजों को भर्ती कराया गया। इससे पहले एक पुरुष की मौत हो चुकी है।

अभी भी इलाके में कई और लोग डायरिया की चपेट में हैं। लगातार मौतों पर भी स्वास्थ्य महकमा हाथ पर हाथ धरे बैठा है। मुहैया कराई जा रही इलाज की सुविधाएं कठघरे में आ रही हैं। फजीहत के बाद सीएमओ ने बुधवार को जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर का जायजा लिया।

जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर-3, 7 एवं 8 में करीब 10 दिनों से डायरिया का प्रकोप है। अब तक 150 से अधिक लोग इसके चपेट में आ चुके हैं। स्थानीय निवासी 12 वर्षीय सरिता बीते गुरुवार से बीमार थी। मूल रूप से बलिया निवासी उमाशंकर सिंह सेक्टर-8 में परिवार के साथ झोपड़ी डालकर रहते हैं। तबीयत खराब होने पर परिवारीजन पहले स्थानीय डॉक्टर की सलाह ली। हालत गंभीर होने पर परिवारीजन ने किशोरी को जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। इलाज के बावजूद मरीज की तबीयत में सुधार नहीं हुआ।

नाजुक हाल में डायरिया पीड़ित को बलरामपुर अस्पताल में रेफर कर दिया गया। इमरजेंसी में डॉक्टरों ने मरीज को देखा। इलाज शुरू किया।

मृतक सरिता

- अब तक दो लोगों की जा चुकी है जान, स्वास्थ्य विभाग हाथ पर हाथ रखे बैठा

इलाके में दहशत

- डायरिया से इलाके में दहशत है। कई लोगों ने सप्लाई का पानी सीधे पीने से इनकार कर दिया है। लोग उबालने के बाद पानी को ठंडाकर प्यास बुझाने को मजबूर हैं। जानकीपुरम इलाके में अभी भी नए मरीज मिल रहे हैं। इसकी रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ रहा है।

इलाज में लापरवाही का आरोप

- मां सरोजनी का आरोप है कि जानकीपुरम ट्रॉमा के डॉक्टरों ने समय रहते मरीज को रेफर नहीं किया। कई बार डॉक्टरों से मरीज को रेफर करने की गुजारिश की, लेकिन डॉक्टरों ने एक न सुनी। हालत बिगड़ने पर सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां भर्ती करने से मना कर दिया गया। इसके बाद परिजन बलरामपुर अस्पताल पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद सरिता को भर्ती किया गया। सांस लेने में दिक्कत होने उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। देर रात करीब डेढ़ बजे सरिता की सांसें थम गईं। भाई अर्जुन सिंह (15) को भी डायरिया की शिकायत के बाद ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। इससे पहले शनिवार को बर्तन बेचने वाले राजेश कौशल (50) की मौत हो चुकी है।

बीमारी कैसे फैली, नहीं बता पा रहा स्वास्थ्य विभाग

- जानकीपुरम विस्तार में डायरिया कैसे फैला इसके रहस्य से स्वास्थ्य विभाग पर्दा नहीं उठा पा रहा है। शुरुआत में दूषित पानी पीने से बीमार पड़ने की आशंका जताई गई थी। लेकिन जांच में पानी शुद्ध होने का दावा किया गया। स्वास्थ्य विभाग क्षेत्र में सिर्फ शिविर लगाकर खानापूरी कर रहा है। बीमार होने पर मरीजों के साथ रेफर करने का खेल खेला जा रहा है।

फैजुल्लागंज में राहत

- सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि क्षेत्र के अन्तर्गत मामा कालोनी एवं शिव शक्तिनगर में टीमों ने बुधवार को क्षेत्र में 140 घरों का सर्वे करते हुए 62 मरीजों को देखा। डायरिया का कोई रोगी नही पाया गया। क्षेत्र में एमएमयू के माध्यम से मरीजों को उपचार प्रदान किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी की टीम द्वारा क्षेत्र में एण्टी लार्वा रसायन का छिडकाव भी किया गया।

किशोरी के डेथ ऑडिट में हाइपोवोलेमिक शॉक विथ सेप्टिसीमिया आया है। क्षेत्र में स्वास्थ्य टीम सक्रिय है। बुधवार को टीम ने 56 घरों का निरीक्षण किया। शिविर में 15 मरीजों को देखा गया है, जिसमें डायरिया के तीन नए रोगी मिले। जिसमें से दो रोगियों को भर्ती कराया गया है। क्षेत्र में ब्लीचिंग पाउडर एण्टी लार्वा रसायन का छिडकाव कराया जा रहा है। बचाव के लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

-डॉ. एनबी सिंह, सीएमओ

9 चार पहिया वाहन किए जब्त, 11 का चालान

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने बुधवार को अभियान चलाकर शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाया। जोन एक के बांसमंडी चौराहे से लाल कुआं पुल के नीचे, गुरु गोविंद सिंह मार्ग होते हुए राणा प्रताप चौराहे तक की गई कार्रवाई में 9 चार पहिया वाहन जब्त किए और 11 वाहनों से 16,500 रुपये चालान वसूला। प्रतिबंधित पॉलीथीन के प्रयोग पर 32 हजार रुपये और गंदगी फैलाने पर 5,000 रुपये का चालान किया। साथ ही एक ट्रक सामान जब्त किया। अभियान में जोनल अधिकारी ओपी सिंह, नगर अभियंता किशोरी लाल, जोनल सेनेटरी ऑफिसर कुलदीपक सिंह, कर अधीक्षक विनय मौर्या, राजस्व निरीक्षक संजय सिंह रहे।

सिटी ब्रीफ

मुख्यमंत्री से भेंट कर पुष्पगुच्छ देतीं महापौर।

महापौर ने योगी को सौंपी रिपोर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : महापौर सुषमा खर्कवाल ने बुधवार को लोकभवन में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। महापौर ने हाल ही में मलेशिया में सम्पन्न आशियान 2025 सम्मेलन में लखनऊ नगर निगम की सहभागिता से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी। सम्मेलन में शहरी विकास, स्वच्छता प्रबंधन और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा हुई थी। महापौर ने मुख्यमंत्री को नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। इनमें स्वच्छता व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत संरचना विकास से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने महापौर की पहल और नगर निगम के प्रयासों की सराहना की।

गृहकर बकाए पर 24 भवन किए सील

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने गृहकर के बड़े बकायेदारों के खिलाफ बुधवार को सभी जोनों में अभियान चलाया। बड़े बकायेदारों के खिलाफ कुर्की व सीलिंग की कार्रवाई करते हुए 24 भवन सील कर दिए। आंशिक भुगतान के रूप में 11.44 लाख रुपये जमा कराए। बकाया गृहकर जमा न करने पर जोन 1 के मदन मोहन मालवीय मार्ग स्थित गोल्ड ऑफसेट प्रिंटर्स और गोखले मार्ग स्थित एकेजी कन्सल्टेंट्स लिमिटेड नर्सिंग होम को सील कर दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि 31 अगस्त तक एकमुश्त यूजर चार्ज जमा करने पर गृहकर में 10 प्रतिशत और व्यावसायिक भवन स्वामियों को 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस अवसर का लाभ उठाकर समय से अपना गृहकर जमा करें।

एलडीए के बेड़े में पांच बुलडोजर शामिल

अमृत विचार, लखऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण अब सभी सात जोन में एक साथ अभियान चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त करेगा। प्राधिकरण ने 20 मीटर की ऊंचाई तक के निर्माण ध्वस्त करने में सक्षम नई तीन जेसीबी व एक पोकलैंड अपने बेड़े में शामिल की हैं। बुधवार को प्राधिकरण परिसर में उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार और सचिव विवेक श्रीवास्तव ने नई मशीनों का पूजन किया। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने अभियंताओं को मशीनों की चाभी सौंपकर अभियंत्रण व प्रवर्तन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सचिव ने बताया कि प्राधिकरण के पास कुल 8 जेसीबी व 2 पोकलैंड हो गए हैं।

चार प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

अमृत विचार, लखऊ : अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि बुधवार को प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने गोसाईंगंज में न्यू जेल रोड पर अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान प्रवर्तन जोन-3 के अंतर्गत काकोरी के ग्राम सकरा में दो अवैध प्लाटिंग और प्रवर्तन जोन-4 की टीम द्वारा सैरपुर के ग्राम पलहरी में दो अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की। गुरुवार से सभी जोन में एक साथ कार्रवाई करेंगे।

जख्म दे रहीं शहर की 'घायल' सड़कें

बारिश में जगह-जगह बजरी उखड़ी, बड़े-बड़े गड्ढे भी हो गए, जरा सी चूक पर होते हादसे

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : बारिश में कहीं सड़कें उखड़ गई हैं तो कहीं बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। ये सड़कें राहगीरों को जख्म और दर्द दे रही हैं। राहगीर किसी तरह गड्ढों को बचाकर निकलते ही, जरा सी भी चूक होने पर हादसे का शिकार हो जाते हैं। रकाबगंज चौराहे से नाका चौराहा जाने वाला मार्ग एक ओर सीवर लाइन के कार्य के चलते खराब है। इससे ट्रैफिक एक ही ओर चल रहा है, जिससे घंटों जाम लगता है। व्यापार चौपट है और राहगीर परेशान हैं। पांडेगंज में दुगावां चौकी के पास सड़क बारिश से खराब हो गई है। गड्ढों के बीच वाहन रेंगते हुए निकलते हैं। कुंडरी रकाबगंज स्थित सड़क भी बदहाल है।

सड़कें खस्ताहाल हो चुकी हैं वहीं नगर निगम अभी सदन की बैठक होने का इंतजार कर रहा है। सड़क बनानी तो दूर गड्ढों को भरने की जहमत तक नहीं उठा रहे हैं। नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश वर्मा का कहना है कि शहर की खराब सड़कों का सर्वे कराया जा रहा है। सदन की बैठक होने के बाद नगर निगम सड़क बनाने और पैचवर्क का टेंडर निकालना शुरू कर देगा। उन्होंने बताया कि दीवाली से पहले सभी खराब सड़कें सही करा दी जाएंगी।

नगर निगम क्षेत्र में लगभग 6000 किलोमीटर सड़कें हैं। पिछले वर्ष नगर निगम ने सर्वे कराया था तो लगभग 600 किलोमीटर सड़कें खराब थीं। इस बार अत्यधिक बारिश के कारण ज्यादा सड़कें खराब हुई हैं। गड्ढामुक्त और पैचवर्क के लिए नगर निगम ने 10 करोड़ रुपये का बजट रखा है, यह नाकाफी साबित होगा। कार्यकारिणी बैठक में पार्षदों की मांग पर इस बार सदन में सड़क का बजट बढ़ाया जा सकता है।

कुंडली रकाबगंज में बरसात में उखड़ी सड़क। अमृत विचार

दुगंवा चौकी स्थित पांडेगंज के पास सड़क पर बने गड्ढों में भरा बारिश का पानी।

नगर निगम सदन की बैठक 4 को

- अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम सदन की बैठक अब 4 सितंबर को होगी। महापौर सुषमा खर्कवाल ने 29 अगस्त को सदन की बैठक निर्धारित की थी। जानकारों का कहना है कि कार्यकारिणी और सदन की बैठक के बीच 10 दिनों के अंतराल का नियम आड़े आ गया। महापौर का कहना था कि नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह के समय कार्यकारिणी और सदन तीन दिनों के अंतराल पर भी आयोजित किया गया था। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि सदन की बैठक अब 4 सितंबर को होगी।

आउटसोर्सिंग कर्मियों को अब तीन तरीख को मिल जाएगा मानदेय

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नगर निगम के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को अब हर महीने की 3 तारीख तक नियमित कर्मचारियों के साथ मानदेय मिल जाएगा। कार्यदायी संस्थाओं से लगे सफाईकर्मियों सहित अन्य कर्मचारियों को अभी 8 से 10 तारीख तक मानदेय का भुगतान किया जाता है। पिछले महीने रक्षाबंधन पर भी सफाईकर्मियों को वेतन नहीं मिल पाया था। इससे नाराज नगर आयुक्त गौरव कुमार ने विभागाध्यक्षों को आदेश जारी करके सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी विभागाध्यक्ष कर्मचारियों की उपस्थिति से संबंधित फाइलें हर हाल में महीने की 30 तारीख तक लेखा विभाग को भेज दें। लेखा विभाग 2 तारीख से संस्थाओं के माध्यम से कर्मचारियों के खाते में भुगतान शुरू कर देगा। उन्होंने कहा है कि यदि कर्मचारियों के वेतन के भुगतान की फाइल समय से भेजने में जो अधिकारी लापरवाही करेगा उसके विरुद्ध नगर निकाय निदेशालय को पत्र भेजकर कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी पीके श्रीवास्तव ने बुधवार को मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी महामिलिंद लाल से उनके कार्यालय में मुलाकात की और सफाईकर्मियों के वेतन भुगतान के संबंध में चर्चा की।

नगर निगम कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द होगा समाधान

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों को लेकर अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को नगर निगम मुख्यालय के समिति कक्ष में तीन प्रमुख कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक हुई।

इसमें नगर निगम जलकल कर्मचारी संघ, नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ तथा उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में कर्मचारी संगठनों द्वारा पूर्व में नगर निगम प्रशासन को सौंपे गए मांग पत्रों चर्चा हुई। अपर नगर आयुक्त ने संगठनों की मांगों को सुना और समस्याओं का सकारात्मक समाधान निकालने का आश्वासन दिया। तीनों संगठनों के मांग पत्रों का परीक्षण कर जल्द ही ठोस कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ की ओर से शशि कुमार मिश्र, आरपी सिंह, आनन्द मिश्रा अध्यक्ष, कैसर रजा महामंत्री, नगर निगम कर्मचारी संघ से अध्यक्ष आनंद वर्मा और महामंत्री शमील एखलाक आदि उपस्थित रहे।

अधूरे आवास दिसंबर तक करने होंगे पूरे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रधानमंत्री आवास-शहरी योजना

- प्रोजेक्ट क्लोज करने की 31 दिसंबर है डेटलाइन
- लाइट हाउस प्रोजेक्ट की नहीं हो पाई फिनिशिंग

अमृत विचार : प्रधानमंत्री आवास-शहरी योजना के प्रथम चरण में आवंटित आवास अधूरे हैं जबकि केंद्र ने 31 दिसंबर तक क्लोजिंग की डेटलाइन घोषित कर रखी है। खामियों के बीच हजारों अधूरे आवास तैयार करना विभाग के लिए मुश्किल बना हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के प्रथम चरण की क्लोजिंग के डेटलाइन केंद्र ने 31 दिसंबर घोषित कर रखी है तो दूसरी तरफ प्रदेश में पीएमएवाई-यू के घटक व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) व भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) में हजारों आवास अपूर्ण हैं। बीएलसी में 50 हजार से अधिक आवास लंबित हैं। इसी तरह एएचपी में 15 हजार से अधिक आवास लंबित हैं। कहीं कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य अधूरा है तो कहीं किस्त लेने के बाद लाभार्थी ने निर्माण नहीं कराया है। तमाम लाभार्थी ऐसे हैं जिन्होंने रजिस्ट्री कराने के बाद दूसरों को आवास बेच दिए। कई ने आवंटन के बाद रजिस्ट्री नहीं कराई। इससे ज्यादा स्थित लखनऊ के अवध विहार योजना के सेक्टर-5 में बने माइल स्टोन बताए जाने वाले लाइट हाउस प्रोजेक्ट की खराब है। प्रोजेक्ट की फिनिशिंग व अन्य काम अधूरा है।

इस वजह से लाभार्थी शिफ्ट नहीं हुए हैं, जो परिवार के साथ रहने लगे तो उन्होंने सूडा में अधूरे निर्माण की शिकायतें कर रखी है। इन हालात में 31 दिसंबर तक प्रोजेक्ट तैयार करके क्लोज करना आसान नहीं है। इस उद्देश्य से हाल में केंद्र से दो उच्च अधिकारी प्रोजेक्ट का निरीक्षण व समीक्षा करने आए थे।

जम्मू में हुए हादसे के बाद जम्मूतवी स्टेशन से लखनऊ रेलवे स्टेशन पहुंचे बाराबंकी के यात्री। अमृत विचार

योजना | 24 एकड़ में विकसित करेगा लखनऊ विकास प्राधिकरण

कुकरैल नदी किनारे विकसित किया जाएगा उर्मिला वन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण कुकरैल नदी किनारे लगभग 24 एकड़ में प्राकृतिक रूप में 'उर्मिला वन' विकसित करेगा। बुधवार को अध्यक्ष/मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के साथ स्थल का निरीक्षण करके दिशा-निर्देश दिए।

उपाध्यक्ष ने बताया कि पेपर मिल कॉलोनी, भीखमपुर के पास कुकरैल नदी से सटी यह भूमि कब्जामुक्त कराई थी। जिस पर उर्मिला वन बनेगा। सुरक्षा के लिए फेंसिंग को छोड़कर शेष कच्चा कार्य कराकर जंगल की तरह विकसित करेंगे। पर्यावरण को ध्यान में रखकर मियावॉकी पद्धति से पौधरोपण करेंगे। इससे वायु शुद्धि, छाया एवं शीतलता, मिट्टी सुधार, कटाव नियंत्रण व जैव विविधता को समर्थन मिलेगा। कुकरैल नदी किनारे का बफर वनीकरण जल गुणवत्ता में सुधार, बाढ़ शमन, पर्यावास और जैव विविधता एवं जलवायु शुद्धिकरण में उपयोगी होंगे। निरीक्षण में सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा एवं सीपी त्रिपाठी, मुख्य नगर नियोजक केके आदि रहे।

भीखमपुर में मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब को उर्मिला वन की नक्शे से जानकारी देते सहायक उद्यान अधिकारी कर्ण सिंह।

- वन को दिया जाएगा प्राकृतिक रूप, विभिन्न प्रजाति के लगेंगे पौधे

अंडरग्राउंड पाइप से पौधों को मिलेगा पानी

- सहायक उद्यान अधिकारी कर्ण सिंह ने बताया वन में पेड़-पौधों की सिंचाई के लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन बिछाएंगे। निर्धारित दूरी पर पॉप-अप स्प्रिंकलर लगाकर पौधों को नियमित पानी देंगे। उर्मिला वन में बरगद, पीपल, पारस पीपल, पाकड़, पिलखन, आम, अमरूद, नीम, सैलिक्स, कैलामस, थ्रीविया नोडिफीलिया व गूलर आदि के पेड़ लगाये जाएंगे। इसके अलावा पानी की मात्रा को नियंत्रित रखने वाले पौधे अर्जुना, जामुन, बांस और नदी के किनारे कैना, लोटस, वॉटर लिली, कोलकेसिया, वॉटर ल्यूटस, सालविनिया व विटिवर लगाएंगे।

छोटा इमामबाड़ा के गेट 6 करोड़ से संवारे जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए में मंडलायुक्त के समक्ष दिया प्रेजेंटेशन
- नैमिष नगर व वरुण विहार में लगेंगे बैनामा के शिविर

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण लगभग 6 करोड़ की लागत से छोटा इमामबाड़ा के गेटों को संवारेगा। इसके अलावा रिफा-ए-आम क्लब में विकास एवं सौंदर्यीकरण कराकर विकसित किया जाएगा। बुधवार को प्राधिकरण में अध्यक्ष/मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब के समक्ष दोनों कार्ययोजनाओं का प्रेजेंटेशन किया गया।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि शहर के प्रमुख पर्यटक स्थलों में शामिल छोटा इमामबाड़ा के तीनों गेट काफी जर्जर हैं। इनका पुनरोद्धार स्मार्ट सिटी के बजट से कराएंगे। लगभग 6 करोड़ रुपये खर्च आएगा। करीब 5 करोड़ रुपये से रिफा-ए-आम क्लब के चारों ओर बाउन्ड्रीवॉल बनवाकर परिसर को सुरक्षित करेंगे। क्लब में सिविल, हॉर्टीकल्चर व लाइटिंग आदि कार्य कराएंगे। मंडलायुक्त ने गांधी भवन स्थित म्यूजियम को अपग्रेड करने के सम्बंध में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। इसके अलावा प्राधिकरण की नैमिष नगर एवं वरुण विहार योजना के लिए भूमि जुटाने के लिए स्थल पर ही कैंप लगाकर किसानों से जमीनों की रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए।

सस्ती शराब को ब्रांडेड बना बेचने वाले गिरफ्तार

बोतल में शराब भरकर लगाते थे ब्रांडेड लेबल, तीन आरोपी धरे गए, शराब, 63 क्यूआर कोड और अन्य सामग्री बरामद

संवाददाता, आलमबाग

अमृत विचार: पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने भोलाखेड़ा स्थित कन्हैया कुंज कांप्लेक्स में अपमिश्रित शराब बनाने वाले गैंग का खुलासा किया है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार भारी मात्रा में अपमिश्रित शराब, क्यूआर कोड, विदेशी ब्रांड की बोतलें, ढक्कन, तीन मोबाइल, करीब पांच हजार रुपये व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गई है। दो आरोपी फरार हैं।

एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने बताया कि भोलाखेड़ा स्थित कन्हैया कुंज कांप्लेक्स में अपमिश्रित शराब बनाने की सूचना मिली थी। इस पर आबकारी विभाग के साथ वहां छापा मारा गया। वहां से उन्नाव जिले के आसीवन थाना क्षेत्र के कादिपुर गांव निवासी प्रशांत जायसवाल, रायबरेली के तेलियाकोट घंटाघर निवासी विकास जायसवाल, रायबरेली के महाराजगंज निवासी विकास जायसवाल और मलिहाबाद के गंडी संजरखा निवासी शशांक निगम को पकड़ा गया। उन्नाव निवासी राहुल और उसका भाई अंकित जायसवाल फरार हैं।

इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह के मुताबिक आरोपियों ने बताया कि वह सस्ती शराब खरीदकर महंगी विदेशी ब्रांड की खाली बोतलों में भरते थे।

पुलिस की गिरफ्त में अपमिश्रित शराब बनाने के आरोपी और बरामद सामग्री।

इसके बाद नकली क्यूआर कोड और ढक्कन लगाकर उसे ऊंचे दाम पर बेचते थे। आरोपियों ने बताया कि रात में मॉडल शॉप बंद होने पर ग्राहकों की शराब कांप्लेक्स या स्कूटी से घर पर डिलेवरी करते थे। बरामद शराब और नकली सामग्री को सील कर नमूना जांच के लिए भेजा गया है। कृष्णानगर पुलिस ने धोखाधड़ी, आबकारी अधिनियम समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

छात्रा से सरेराह छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

- **अमृत विचार :** स्कूल आते-जाते नाबालिग छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को महानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मूल रूप से बाराबंकी निवासी गुफरान अलीगंज के मेंहदी टोला में रहता है। मंगलवार को किशोरी के परिजन ने महानगर कोतवाली में शिकायत की थी। आरोप था कि बेटी को स्कूल आते-जाते स्कूटी सवार युवक परेशान करता है। यही नहीं घरवालों ने आरोपी की स्कूटी का नंबर भी पुलिस को दिया था। इस जानकारी के बाद पुलिस छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की। फिर स्कूटी का नंबर ट्रेस कर आरोपी को विज्ञानपुरी के पास से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाश को भीड़ ने दबोचा

- **अमृत विचार, लखनऊ :** चौक स्थित फूलमंडी के पास बुधवार सुबह मोबाइल छीनकर भाग रहे बाइक सवार बदमाश को भीड़ ने घेर लिया। लुटेरे की धुनाई कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटे गए दो मोबाइल व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय ने बताया कि आरोपी गजेंद्र आदिवासी मूल रूप से भोपाल मध्य प्रदेश का रहने वाला है। यहां चारबाग स्टेशन पर मजदूरी करता है। हसनगंज के जोशी टोला निवासी कल्याण सिंह कश्यप ने चौक कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

कार ने दो बाइकों में मारी टक्कर, चार घायल

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : लखनऊ-सीतापुर हाइवे पर स्थित बीकेटी इलाके में बुधवार दोपहर बेकाबू कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। इसके बाद बेकाबू कार डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे बुलेट सवार दो लोगों को भी टक्कर मार दी। घटना में तीनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में सीतापुर के लहरपुर बहादुरपुर निवासी मधुकांत शुक्ला, भूपेंद्र त्रिवेदी, बुलेट सवार महेंद्र राठौर निवासी कमलापुर व मनोज गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जहां डाक्टरों ने मधुकांत शुक्ला, भूपेंद्र और महेंद्र राठौर को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

सिटी ब्रीफ

कमरे में सोता रहा परिवार हुई लाखों की चोरी

अमृत विचार, लखनऊ : सआदगंज के नौबस्ता स्थित ब्राहमण टोला में चोरों ने मकान में घुसकर नकदी व जेवर समेत लाखों का माल चोरी कर लिया। विभा वर्मा ने बताया कि 24 अगस्त की रात वह बच्चों संग पहले तल पर बने कमरे में सो रही थी, जबकि सास नीचे वाले कमरे में थी। देर रात नीचे वाले हिस्से में चोर घुसे। दूसरे कमरे में आलमारी का लॉक तोड़कर 70 हजार रुपये व जेवर पार कर दिए। सुबह घरवाले सोकर उठे तो अलमारी खुली देख चोरी की जानकारी हुई। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चोरों ने 35 हजार से भरा बैग उड़ाया

अमृत विचार, लखनऊ : आशियाना के रश्मिखंड में रहने वाले अरविंद कुमार उपाध्याय 25 अगस्त की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे बैंक पहुंचे। 35 हजार रुपये निकालने के बाद पीड़ित ने बैग में रखे। इसी दौरान चोर ने उनका बैग पार कर दिया। बैग में रुपये, एटीएम कार्ड, मोबाइल, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड था। आशियाना पुलिस ने छानबीन कर पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोबाइल चोर को पीड़ितों ने पकड़ा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में मंगलवार को झुग्गी के अंदर घुसकर मोबाइल चोरी करने वाले युवक को लोगों ने रंगे हाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मूल रूप से गोरखपुर निवासी धन्नजय कुंवर बिजनौर थाना क्षेत्र के स्वप्निल सिटी कल्प सिटी के पास झुग्गी बनाकर रहते हैं। 26 अगस्त की तड़के करीब 4 बजे झुग्गी में घुसकर चोर ने उनका, पड़ोसी संतोष बसुर और नसरीन सिद्दीकी का मोबाइल पार कर दिया। सुबह पीड़ितों ने खोजबीन की। शाम को पीड़ितों ने चोर को चोरी के मोबाइलों के साथ पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम बिजनौर सरवन नगर निवासी विनोद कुमार बताया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ब्यूटी पार्लर संचालिका को दुष्कर्म की धमकी

अमृत विचार, लखनऊ : राजाजीपुरम निवासी युवती मौलवीगंज में ब्यूटी पार्लर चलाती है। आरोप है कि मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे अमीर हमजा खान निवासी रकाबंज ढोल वाली गली पार्लर में घुस गया। दरवाजा बंद कर गाली-गलौज और तोड़फोड़ की। घर वालों को फोन करने पर मोबाइल तोड़ दिया। चीखपुकार सुनकर आस पड़ोस के लोगों ने बचाया। आरोपी ने रेप कर हत्या की धमकी देकर भाग गया।1090 पर शिकायत पर वजीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। घटना पार्लर के सामने दुकान में लगे सीसी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में की जा रही है।

दो पक्षों में हुए संघर्ष आधा दर्जन घायल

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर बुधवार को दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें एक मासूम आनवी समेत घनश्याम, नन्हा, भगवानदेई, अनूपा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां उनका इलाज किया जा रहा है। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि रुपये की लेनदेन को लेकर मारपीट हुई थी। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

लोन पर ली महिला की कार हड़पी

अमृत विचार, लखनऊ : चौधरी गढ़इया निवासी निदा बेगम ने वास्तु फाइनेंस से कार खरीदी थी। किस्तें भरने में परेशानी होने पर वह कार बेचना चाहती थी। वर्ष 2024 में अनिल चौधरी निवासी जगत नारायण रोड से 13 लाख में सौदा तय हुआ। अनिल ने पांच लाख देकर 8 लाख एक साल में देने की बात कही। एग्रीमेंट होने के बाद निदा ने कार सौंप दी। बाद में रुपये देने में टालमटोल की। इसी बीच वास्तु फाइनेंस कंपनी ने उस पर चेक बाउंस का वाद दायर कर दिया। वारंट जारी होने पर पीड़िता ने अनिल से रुपये मांगे तो उसने गाली-गलौज कर धमकाया। कार मांगने पर बोला कि बिहार भेज दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घर में संदिग्ध हालात में दो भाइयों की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं

अमृत विचार: सआदतगंज के चौपटिया इलाके में मंगलवार रात घर के अंदर संदिग्ध हालात में दो भाइयों की मौत हो गई। । तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

इंस्पेक्टर सआदतगंज संतोष कुमार आर्य ने बताया कि चौपटिया निवासी राजू बाबा उर्फ काके पाहवा (61) भाई भाई रवि पाहवा (58) के साथ रहते थे। दोनों कूड़ा बीनने का काम करते थे। मंगलवार को पड़ोसी विजय खैरियत लेने अंदर गया तो राजू का शव कूड़े के ढेर पर और रवि का कमरे में पड़ा था। दुर्गंध आने पर उसने राजू की बहन और कंट्रोल रूम पर सूचना दी।

कुछ देर में कृष्णानगर केसरीखेड़ा निवासी बहन बेबी पति प्रदीप और अन्य लोगों के साथ पहुंची। मौके पर पहुंचे पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट न होने के कारण जांच विसरा सुरक्षित किया गया है। बहन बेबी ने बताया कि कई दिनों से भाई को डायरिया की दिक्कत थी। उसे दस्त और बुखार भी आ रहा था। रविवार को वह दवाई लेकर आई थी। बेबी ने बताया कि पिता ओम प्रकाश की वर्ष 1998 में मौत हो चुकी है। मां प्रकाशवती का करीब तीन साल पूर्व निधन हुआ था। राजू की पत्नी 30 साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। उसके बाद से दोनों भाई अकेले रहते थे।

खर्च चलाने के लिए बेचा खून, बहन ने डांटा

- बेबी ने बताया कि खर्च चलाने के लिए कई बार दोनों भाइयों ने अपना खून भी बेचा था। जानकारी होने पर उसने दोनों भाइयों को जमकर डांटा था। कसम देती थी कि भाई अब खून न बेचना। यही नहीं बेबी जब भी घर आती थी तो दोनों को कुछ रुपये दे जाती थी। बेबी ने बताया कि भाइयों को कुत्तों से बेहद लगाव था। वे पालतू कुत्तों के साथ ही जीवन बीता रहे थे।

पिता-पुत्र ने व्यवसायी से ठगे 63 लाख रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : विराटखंड-3 निवासी विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि दोस्त मुकेश सिंह निवासी विजयंत खंड-3 से उसके मकान का सौदा 95 लाख में तय हुआ। उसने पिता के इलाज के कारण मकान बेचने की बात कही थी। विवेक ने नकद व खाते में 63 लाख रुपये दिए। शेष 32 लाख रुपये रजिस्ट्री के दौरान देने थे। रुपये मिलने के बाद मुकेश ने रजिस्ट्री के लिए टालमटोल शुरू कर दी। दबाव बनाने पर धमकाया। आरोप है कि धोखाधड़ी में मुकेश की मां भी शामिल थीं। थाने में सुनवाई न होने पर कोर्ट में गुहार लगाई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अपहृत बच्चे की कुकर्म के विरोध में मुंह दबाकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- चेहरे पर किए कई वार, करीबी पर शक

अमृत विचार: गुडंबा इलाके में अपहृत बच्चे की कुकर्म का विरोध करने पर मुंह दबाकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह बच्चे का शव गांव के बाहर तालाब में उतराता मिला। पुलिस ने शव बाहर निकाला गया। बच्चे का चेहरा खून से लथपथ था। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पड़ताल की। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए सर्विलांस समेत चार टीमें बनाई गई है। पुलिस को करीबी पर आशंका है।

थाना क्षेत्र में शटरिंग ठेकेदार का 8 साल का बेटा एक प्राथमिक विद्यालय में कक्षा-3 का छात्र था। मंगलवार शाम करीब 5 बजे वह शौच केलिए घर से निकला था। करीब 7 बजे तक बेटे के न लौटने पर घरवालों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। परेशान घरवाले रात में ही गुडंबा थाने पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुमशुदगी दर्ज कर ली। रात भर घरवाले अपहृत बेटे की तलाश करते रहे कहीं पता नहीं चला। बुधवार सुबह गांव के बाहर तालाब में बच्चे का शव देख ग्रामीण ने शोर मचाया। चीखपुकार सुनकर लोग दौड़े। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने डॉयल-112 पर सूचना दी।

जानकारी मिलते ही एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह, इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। एसीपी ने आसपास के थानों का पुलिस बल भी बुला लिया। पुलिस ने बच्चे का शव तालाब से निकलवाया। जांच में चेहरे व शरीर पर अन्य जगह चोट के निशान मिले। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ मिलकर घटनास्थल पर पड़ताल की। पोस्टमार्टम में बच्चे की मौत का कारण दम घुटना आया है। कुकर्म की आशंका के चलते डॉक्टरों ने स्लाइड बनाई है।

चेहरे से निकल रहा था खून

- ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे का शव जब निकाला गया तो उसके चेहरे पर कई चोटों के निशान थे। चेहरे से खून निकल रहा था। ऐसा लग रहा था कि जैसे पहले बच्चे के मुंह पर मुक्के मारे और उसके बाद मुंह व नाक दबा दिया। पुलिस गांव व उसके आसपास के संदिग्धों को ब्योरा खंगाल रही है। सादे कपड़ों में पुलिस गांव के अंदर व बाहर असमाजिक तत्वों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

चीख उठी मां

- तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला बच्चा छह भाइयों में सबसे छोटा था। इसी लिए वह सभी भाइयों व माता-पिता का चहेता था। पुलिस ने शव को तालाब से निकलवाने के बाद चादर से ढक दिया था। लेकिन जैसे ही मां ने बच्चे का हाल देखा तो वह चीख पड़ी। यह देख महिलाओं ने उसे संभाला। पिता सिर पकड़कर जमीन पर बैठ गया। ग्रामीणों ने उसे शांत कराया। माता-पिता ने पुलिस से बोला कि साहब मेरे बच्चे को जिसने मारा है, उसे जिंदा मत छोड़ना।

कार पर हमला कर एजीएम से लूट का प्रयास

अमृत विचार, सरोजनीनगर : गोमतीनगर विस्तार सेक्टर-4 स्थित गंगा अपार्टमेंट निवासी देवेंद्र सिंह राजपूत बिजनौर के शाहपुर मझिगवां गांव में एक सीड्स कंपनी में एजीएम हैं। मंगलवार रात करीब 8 बजे वह स्विफ्ट कार से घर लौट रहे थे। कुछ दूरी पर बदमाशों ने कार पर पत्थरों से हमला कर लूटने का प्रयास किया। हमले में कार का शीशा टूट गया।

पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद डॉयल-112 पर फोन किया लेकिन कॉल नहीं लगी। बाद में पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। इंस्पेक्टर शिव शंकर महादेवन ने कहा कि देवेंद्र से जानकारी कर आगे कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने बिजनौर थाने में तहरीर दी है। वहीं, पीड़ित ने अपनी शिकायत एक्स पर ट्वीट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सांसद कौशल किशोर, चीफ सेक्रेटरी यूपी सरकार, यूपी पुलिस और एडीजी जोन के अलावा आईजी रेंज लखनऊ को टैग किया है।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक का लूटा मोबाइल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ठाकुरगंज स्थित माली खां सराय चौराहे पर युवक का मोबाइल बाइक सवार लुटेरों ने छीन लिया। मुफ्तीगंज निवासी गाजी अब्बास 20 अगस्त की रात घर जा रहा था। रास्ते में माली खां सराय चौराहे के पास वह सड़क पार करने लगा। इसी बीच काली बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। पीड़ित ने शोर मचाया, लेकिन जब तक राहगीर कुछ समझ पाते बदमाश फर्राटा भरते हुए भाग निकला।

पीड़ित ने बताया कि मोबाइल के बैक कवर में एटीएम कार्ड व आधार कार्ड था। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि पीड़ित ने 25 अगस्त को तहरीर दी थी। रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कागज की गड्डी थमा ले उड़े महिला के जेवर

- **अमृत विचार, लखनऊ :** दुबग्गा स्थित चरक इंस्टीट्यूट के पास उचक्कों ने कागज की गड्डी थमा कर महिला के जेवर हड़प लिए। आरोपियों ने महिला को बातों में उलझाते हुए गड्डी में जेवर से दोगुनी कीमत के नोट होने का दावा किया था। बेगरिया निवासी सुनीता चौधरी 24 अगस्त की शाम को मछली लेने दुबग्गा बाजार गयी थी। करीब 4 बजे बाजार में दो युवकों ने उन्हें रोका। बात करते हुए उन्हें अपने साथ चरक इंस्टीट्यूट के पास लाए। कहा कि वह लोग दूसरे शहर के रहने वाले हैं। मुसीबत में फंसे है। उनके पास काफी रुपये हैं। जिन्हें लेकर सफर करना मुश्किल हो रहा है। इसलिए आप हमसे रुपयों की गड्डी लेकर गहने दे दें। पीड़िता आरोपियों की बातों में उलझ गई। सुनीता ने काना का झाला और चेन उतार कर उन्हें दी। वहीं, उचक्के उन्हें गड्डी थमा कर चले गए। घर पहुंच कर सुनीता ने गड्डी खोली तो उसमें कागज मिले। इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

युवक के खाते से परिचित ने उड़ाए 1.20 लाख

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मलिहाबाद में रहने वाले युवक के खाते से परिचित ने 1.20 लाख रुपये उड़ा लिए। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है। मिर्जागंज निवासी मसूद हसन का खाता एचडीएफसी बैंक में है। उनके घर में रह रहे अंकित वर्मा ने उनके मोबाइल का इस्तेमाल कर खाते से 1.20 लाख रुपये पार कर दिए। मैसेज देख पीड़ित ने पासबुक अपडेट कराई तो पता चला कि रुपये 1 अगस्त से 14 अगस्त के बीच रुपये कानपुर के एक खाते में ट्रांसफर हुए हैं। पड़ताल में सामने आया कि रुपये जिस खाते में गए हैं, वह अंकित की मंगेतर का है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मेफेयर सोसाइटी ने प्लॉट के नाम पर ठगे 8 लाख

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: रियल एस्टेट फर्म मेफेयर सोसाइटी के संचालक पर महिला ने प्लॉट के नाम पर 8 लाख ठगने का आरोप लगाया है। एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय के आदेश पर बिजनौर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मूल रूप से उन्नाव निवासी सीमा शुक्ला बिजनौर के सेक्टर-ओ स्थित मानसरोवर योजना में रहती हैं। उन्होंने बताया कि पति राकेश शुक्ला ने वर्ष 2018 में बिजनौर रोड स्थित मेफेयर सोसाइटी के संचालक मनोज भार्गव से संपर्क कर एक प्लॉट बुक कराकर 5.50 लाख रुपये दिए थे। तय जगह पर उक्त खसरा नंबर का प्लॉट नहीं मिलने पर पीड़ित दंपति ने रुपये वापस मांगे। आरोपी ने चेक दिए, जो बाउंस हो गए। इसी बीच पीड़िता के पति का निधन हो गया। आरोप है कि आरोपी ने चेक बाउंस का केस न करने की शर्त पर नया प्लॉट देने का आश्वासन दिया। साथ ही वकील के माध्यम से 2.50 लाख रुपये पीड़िता से और लिए। शिकायत पर आरोपी ने धमकाया।

सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर ऐंठे 1.29 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सात दिन वीडियो व व्हाट्सएप कॉल पर रखा
- मनी लांड्रिंग का आरोप मढ़कर व्हाट्सएप पर भेजा अरेस्ट वारंट
- पीड़ित ने सरोजनीनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: सीबीआई अधिकारी बनकर साइबर जालसाज ने मर्चेंट नेवी के रिटायर्ड अधिकारी और उनके पिता को 7 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। मनी लांड्रिंग का आरोप लगा व्हाट्सएप पर अरेस्ट वारंट भेजा फिर खाते से 1.29 करोड़ रुपये रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने साइबर हेल्प लाइन पर शिकायत करने के बाद सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मर्चेंट नेवी से सेवानिवृत्त अधिकारी सुरेंद्र पाल सिंह (70) सैनिक हाउसिंग सोसाइटी में 100 वर्षीय पिता हरदेव सिंह के साथ रहते हैं। 20 अगस्त को हरदेव के पास फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को सीबीआई अधिकारी आलोक सिंह से बता, मनी लांड्रिंग का आरोप लगाया। कहा, गिरफ्तार करने के लिए एक टीम रवाना हो गई है। आरोप नकारने पर व्हाट्सएप पर अरेस्ट वारंट भेज दिया। वीडियो कॉल कहा कि, आप सर्विलांस के रडार पर हो, निगरानी रखी जाएगी। कहा, आपके खातों में गलत लेनदेन हुआ है, इसकी की जाएगी। गड़बड़ी न मिलने पर क्लीन चिट मिल जाएगी। जालसाज ने डरा कर खाते व अन्य जानकारी ले ली। शाम को घर पहुंचने पर हरदेव ने बेटे सुरेंद्र पाल को जानकारी दी। अरेस्ट वारंट देख वह भी डर गए। इसके बाद पिता-पुत्र के संयुक्त खाते से 20 अगस्त से 26 अगस्त के बीच चार बार में 1.29 करोड़ रुपये जालसाजों को ट्रांसफर कर दिए। बाद में सुरेंद्र ने साइबर हेल्प लाइन के अलावा सरोजनीनगर थाने में शिकायत की।

इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि साइबर थाने की मदद से जांच की जा रही है।पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि रुपये गुजरात के भावनगर बैंक ऑफ बड़ौदा, गोवा के पोंडा और महाराष्ट्र के जलगांव स्थित आईसीआईसीआई बैंक खातों में भेजे गए थे। रुपये 21 अगस्त, 22 अगस्त, 25 और 26 अगस्त को ट्रांसफर हुए थे।

प्लॉट के नाम पर व्यवसायी से हड़पे 70 लाख

- **अमृत विचार, लखनऊ :** राजाजीपुरम निवासी विक्रांत सिंह ने वर्ष 2024 में जमीन खरीदने के लिए राजेंद्र नगर निवासी अभिनव अस्थाना से संपर्क किया। अभिनव ने सरोजनीनगर के बिजली पासी वार्ड स्थित ग्राम बेहसा में 2800 वर्गफीट जमीन दिखाई। सौदा 70 लाख रुपये में तय हुआ। 18 सितंबर को रजिस्टर्ड एग्रीमेंट होने पर विक्रांत ने 30 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद कई बार में 40 लाख रुपये दिए।बैनामे के लिए कहने पर अभिनव ने कीमत बढ़ने की बात कही। विरोध करने पर अभिनव, उसके पिता लवलेश, मां मंजू और भाई अभिषेक ने गाली-गलौज कर धमकाया। सरोजनीनगर पुलिस ने विक्रांत की तहरीर पर अभिनव अस्थाना, उसके पिता, मां व भाई के खिलाफ धोखाधड़ी, गाली-गलौज व धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

विरोध | अमीनाबाद बाजार में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने निकाली पदयात्रा

टैरिफ से नाराज व्यापारी सड़क पर उतरे, प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के विरोध में बुधवार को व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में व्यापारियों ने अमीनाबाद क्षेत्र में नारेबाजी की। उनके हाथों में बैनर और तख्तियां थीं जिन पर अमेरिकी टैरिफ को लेकर नाराजगी जताई गई थी।

आयोजित सभा में बंसल ने कहा कि इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारतीयों को अब अमेरिकी कंपनियों के बहिष्कार के लिए आगे आना होगा। व्यापारियों को स्वदेशी उत्पाद बेचने होंगे। साथ ही लोगों को अपनी दैनिक दिनचर्या में इस्तेमाल होने वाले स्वदेशी सामान का ही उपयोग करना होगा। आगामी 3 सितंबर को संगठन के स्थापना दिवस पर इन्हीं विषयों को केंद्र में रखकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन के महानगर अध्यक्ष एवं प्रवक्ता सुरेश छाबलानी ने बताया कि अगली पदयात्रा ट्रांस गोमती क्षेत्र में निकाली जाएगी।

आज की पदयात्रा नज़ीराबाद बाजार से प्रारंभ होकर प्रकाश कुल्फी चौराहा, झंडेवाला पार्क, अमीनाबाद, मौलवीगंज होते हुए इंदिरा मार्केट पर समाप्त हुई। पदयात्रा में आकाश गौतम, अनुज गौतम, दीपेश गुप्ता, अमरनाथ चौधरी, मुकेश कुमार नाग, रामकृष्ण मिश्रा,अनिल अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, पदम जैन, रमेश शुक्ला, प्रदेश महिला महामंत्री एकता अग्रवाल, नगर महामंत्री बीनू मिश्रा, मंत्री रूपा अग्रवाल, संजय निधि अग्रवाल, आशियाना अध्यक्ष कर्मेंद्र सिंह, वरिष्ठ महामंत्री मनीष अवस्थी, मोहम्मद सालेम, विपिन गुप्ता, सुनीत साहू, सुनील धमीजा, अनिल गुप्ता, दीपक कुमार, धीरज कुमार, जयप्रकाश पांडे सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

अमेरिका के टैरिफ के विरोध में प्रदर्शन करते व्यापारी। अमृत विचार

स्वदेशी अपना कर ट्रंप के टैरिफ का दें जवाब

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने व्यापारियों से आह्वान किया है कि विदेशी वस्तुओं को छोड़े और स्वदेशी अपनाएं। यही ट्रंप के टैरिफ का भारत का शानदार जवाब होगा। खुदरा बाजार में व्यापारी वर्ग जोर-शोर से विरोध करें। खरीदारों को अपने भारत का सामान दिखाएं और बेचें। संगठन के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री अनिल बजाज, स्वदेशी मार्केट के महामंत्री प्रभु जालान, श्याम कृष्णानी आदि ने ट्रंप सरकार की निंदा की है।

शीर्ष 5 औद्योगिक इकाइयों को किया जा रहा शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग पार्टनर बनाकर युवाओं को स्थानीय रोजगार से जोड़ने की कोशिश
- रोजगार महाकुंभ में "इंडस्ट्री नीड्स बनाम स्किल इकोसिस्टम- ब्रिजिंग द गैप सत्र का दूसरा दिन

अमृत विचार : गोमतीनगर स्थित आईजीपी में चल रहे रोजगार महाकुंभ-2025 के दूसरे दिन प्रदेश के कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि पहली बार प्रदेश के सभी जनपदों में उपलब्ध शीर्ष 5 औद्योगिक इकाइयों को इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग पार्टनर बनाया जा रहा है। इस कदम का उद्देश्य युवाओं को स्थानीय रोजगार की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें अपने ही जिले में रोजगार उपलब्ध कराना है। निदेशक बुधवार को "इंडस्ट्री नीड्स बनाम स्किल इकोसिस्टम–ब्रिजिंग द गैप" विषय पर आयोजित सत्र में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के माध्यम से न केवल परंपरागत उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है बल्कि भविष्य की तकनीकी मांगों को ध्यान में रखते हुए भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने इन्वेस्ट यूपी के साथ मिलकर भविष्य की औद्योगिक परियोजनाओं का विश्लेषण किया है। इन परियोजनाओं के अनुरूप फ्यूचरिस्टिक जॉब रोल्स की पहचान की गई है। उसी आधार पर कौशल प्रशिक्षण के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

सत्र में युवाओं को न्यू एज टेक्नोलॉजीज जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे अपने आपको आत्मनिर्भर बनने की ओर तैयार कर सकेंगे।

रोजगार महाकुंभ में युवक को सम्मानित करते आयोजक।

सिटी ब्रीफ

एसजीपीजीआई में राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

अमृत विचार, पीजीआई : संजय गांधी पीजीआई संस्थान में स्टिल बर्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसबीएसआई) का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन गुरुवार से शुरू हो रहा है। यह चार दिवसीय आयोजन 31 अगस्त तक चलेगा।सम्मेलन की शुरुआत एक विशेष कार्यशाला ' 'हर गर्भ सुरक्षित, हर जन्म सुरक्षित' ' से होगी। सम्मेलन की शुरुआत उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक करेंगे। कार्यशाला में 500 से अधिक आशा कार्यकर्ताओं को गर्भावस्था के दौरान खतरनाक संकेतों को पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर सीएमओ डॉ. एनबी सिंह और पीजीआई के निदेशक पद्मश्री प्रो. आरके धीमन भी उपस्थित रहेंगे। एसबीएसआई की उपाध्यक्ष और आयोजन समिति की अध्यक्ष प्रो मंदाकिनी प्रधान, एसबीएसआई संस्थापक सचिव प्रो. तमकीन खान तथा आयोजन सचिव डॉ. नैनी टंडन और डॉ. असना अशरफ ने बताया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ मृत जन्म की रोकथाम और शोक देखभाल पर चर्चा करेंगे।

प्रतापगढ़ी और गोंडवी को सृजन सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब और उत्तर प्रदेश साहित्य सभा की ओर से बुधवार को 160वां सृजन सम्मान दिया गया। महेश गुप्त महेश के संयोजन में प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, हसीब सिद्दीकी, सर्वेश अस्थाना व डॉ. सुभाष गुरुदेव ने सृजन हिंदी सम्मान से रविन्द्र प्रतापगढ़ी को व सृजन उर्दू सम्मान से अज्म गोंडवी को सम्मानित किया।निशा नवल की वाणी वंदना के साथ शुरू हुए काव्य समारोह में अज्म गोंडवी ने खूबसूरत ग़ज़ल पेश की। काव्य समारोह में सत्यदेव सिंह, डॉ. रुद्रमणि, बलवंत सिंह, रश्मि शरद, दुर्गेश अवस्थी दिल्ली, सुभाष रसिया, पूजा श्रीवास्तव, शीला वर्मा मीरा, सच्चिदानंद तिवारी शलभ, महेश अस्थाना, गोपाल ठहाका, कैलाश पुंज, चंद्रदेव दीक्षित, खुशीराम बाजपेयी, मुकेश मिश्र, श्रीश दीक्षित, डॉ. अवधी हरि, अखिल श्रीवास्तव, शकुंतला श्रीवास्तव, योगी योगेश शुक्ल, मनमोहन बारकोटी, भ्रमर बैसवारी, दिव्या शुक्ला, संतोष सिंह, अरविंद झा, पुष्पेंद्र प्रेमी, पं रवीश पांडेय, कुलदीप शुक्ल, अर्श लखनवी, अरविंद धवल, नेहा शिवम सक्सेना, डॉ. सुरभि सिंह, सुनील मेहरोत्रा, राकेश बाजपेयी, उमा लखनवी व नरेंद्र सिंह ने काव्य पाठ किया।

गणपति बप्पा विराजे

10 दिवसीय गणेशोत्सव शुरू, होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अहियागंज स्थित श्री बिहारी जी मंदिर नारायण दास गली में स्थापित गणेश जी की मूर्ति और गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका में विराजमान गणपति बप्पा। अमृत विचार

अमृत विचार: भाद्रपद शुक्लपक्ष की चतुर्थी को प्रथम पूज्य भगवान गणेश भक्तों की कामनाएं पूरी करने के लिए गाजे बाजे के साथ घरों और पंडालों में विराजमान हो गए। इसके साथ ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव का शुभारंभ हो गया। पंडाल गणपति बप्पा के जयकारों से गूंजते रहे।

राजधानी में गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका में 15 हजार वर्गफीट में अक्षरधाम मंदिर की तरह बने पंडाल में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की गई है। गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से आयोजित 20वें गणेश महोत्सव में आचार्य कमलेश पाण्डेय, आचार्य कमलेश तिवारी, हरिनारायण शुक्ला, कौशलेश पाण्डेय और आशुतोष मिश्रा ने मूर्ति स्थापना कराई। पूजन में कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता, अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, महामंत्री सतीश अग्रवाल, उपाध्यक्ष व पार्षद रंजीत सिंह, योगेश बंसल, शरद अग्रवाल, देशराज अग्रवाल, संजय सिंह गांधी, अतुल बंसल, रामशंकर वर्मा, गोपाल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, जयकरन, सुधांशु बाथम, नरेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अतुल (सोनू) और रोहित आदि मौजूद रहे। शाम को कोलकाता के संजय शर्मा के संचालन में सांस्कृतिक संध्या हुई। संजय ने सबसे पहले स्वागतम श्रीगणेश गीत प्रस्तुत किया। गणपति पधारे आंगन में बनते बधाई आंगन में..., देवो में सिरमौर गजानन प्रथम तुम्हें पूजे गणराज... जैसे भजनों को सुनकर लोग झूम उठे। इस मौके पर हुई नृत्य नाटिका में दिखाया गया कि गणेश जी की उत्पति कैसे हुई। मंच पर गणेश जी की पालकी यात्रा निकाली गई। 28 अगस्त को गजरे का कार्यक्रम रात 8 बजे से होगा।

अलीगंज के राजा के दरबार में बही कानपुर के मुकेश के भजनों की गंगा

- अलीगंज का राजा गणेश पूजा सेवा समिति की ओर से 13वां गणेश जन्मोत्सव बुधवार को मूर्ति स्थापना के साथ शुरू हुआ। गुलाब वाटिका अपार्टमेंट, नेहरू बाल वाटिका पार्क के पास शुरू हुए गणेशोत्सव में पहले दिन पंडित उमेश कुमार मिश्रा ने विधिविधान से मूर्ति स्थापना कराई। पूजन में समिति के संरक्षक राज कुमार सिंघल, महेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, मनोज मिश्रा, अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, महामंत्री शरद तिवारी, शुभम अग्रवाल आदि लोग थे। बप्पा के दरबार मे महापौर सुषमा खर्कवाल भी हाजिरी देने पहुंचीं। शाम को कानपुर के भजन गायक तरंग व मुकेश ने भजनों की गंगा प्रवाहित की। भजन संध्या की शुरुआत देवा हो देवा... से हुई। राधिका गोरी से..., जिसकी नैया श्याम भरोसे... भी पसंद किया गया। घर में पधारो गजानंद जी कीर्तन की हैं रात... को गणपति भक्तों ने मंत्रमुग्ध होकर सुना। मीडिया प्रभारी मनीष गुप्ता ने बताया कि 28 अगस्त को सुबह 9 बजे से श्रृंगार, पूजन, अभिषेक के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। संरक्षक संदीप अग्रवाल ने बताया कि बप्पा के दरबार में आने वाले सभी भक्तों को प्रतिदिन प्रसाद दिया जाएगा। विसर्जन शोभायात्रा 31 अगस्त को निकाली जाएगी। इस वर्ष शोभा यात्रा में गजानन का रथ भव्य रहने के साथ-साथ जमशेदपुर झारखंड से डंका पार्टी बैंड आ रहा है जो धूम मचायेगा। इसके अलावा झांकी ग्रुप विशाल कालिया हरियाणा से आ रहा है जो पूरे रास्ते में झांकी का मंचन करेंगे।

स्वदेशी अपनाने के संकल्प के साथ गणेशोत्सव शुरू

- शुभ संस्कार समिति की ओर से आयोजित संकटा देवी मंदिर रानी कटरा में दोपहर गणेश जी की पीतल की मूर्ति की विधि विधान से स्थापना की गई। शाम को 7 बजे से रात 10 बजे तक आचार्य पंडित गिरजा शंकर दीक्षित के सानिध्य में 10 भक्तों ने सपरिवार गणेश जी का अभिषेक एवं पूजन किया। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पांडे, रिद्धि किशोर गौड़, आशीष अग्रवाल, पार्षद मनीष रस्तोगी, राधे तिवारी, रामबाबू, राकेश कश्यप, राजेंद्र शर्मा, श्यामू मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

रानी कटरा स्थित बड़ा शिवाला मंदिर में गणेश जी की आरती करते भक्त। अमृत विचार

मंत्र उच्चारण के बीच एकदंत की मूर्ति स्थापित

- ऑस्कर योग साई कृपा सेवा संस्थान ने अपने श्री श्री गणेश उत्सव के 16वें वर्ष में प्रवेश करते हुए बुधवार को मंत्र उच्चारण के बीच गणपति महाराज की मूर्ति स्थापना की। शिवाजी मार्ग (हीवेट रोड) पर शुरू हुए श्री श्री गणेश उत्सव स्थल को भव्य ढंग से सजाया गया है। गणपति महाराज को क्षेत्र में स्थानीय लोग शिवाजी मार्ग का राजा के नाम से भी बुलाते हैं। आयोजक गणेश शंकर पवार ने बताया बप्पा की स्थापना सुमन पवार ने की। स्थापना के साथ ही शिवाजी मार्ग के राजा का श्रृंगार किया गया। शिवाजी मार्ग लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष गोपाल दीक्षित व मंत्री अतुल त्रिपाठी व कई व्यापारियों ने पूजा अर्चना की। व्यापारियों को रामचरितमानस पुस्तक व अंगवस्त्र भेंट किया गया।

लक्ष्मणपुर के राजा की सांसद डॉ.दिनेश शर्मा ने की पूजा

- बुधवार को लक्ष्मणपुर के राजा गणेश जी बिहारी जी मंदिर नारायण दास गली यहियागंज में विराजमान हुए। गणपति को बहुत धूमधाम से ढोल ताशे के साथ भक्त जन नाचते गाते हुए लाए। पहले दिन पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने अपनी पत्नी जयलक्ष्मी शर्मा जी के साथ पूजन अर्चन किया। वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न कराया गया यह कार्यक्रम गणेश युवा मण्डल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। श्री गणेश युवा मण्डल के महामंत्री आशुतोष शर्मा ने दैनिक कार्यक्रमों और पूजन की जानकारी दी।

यहियागंज में गणेश जी की पूजा करते राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा।

जयकारों के बीच पल्टन छावनी में पधारे गजानन, शाम को आरती के बाद हुए भजन

- गणेश चतुर्थी के मौके पर पल्टन छावनी सेक्टर ए सीतापुर रोड योजना कालोनी में 5वां सात दिवसीय श्रीगणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। बुधवार की सुबह पं. ज्ञानदेव बाजपेई ने मंत्रोच्चार, पूजन व गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के बीच प्रथम पूज्य की प्रतिमा स्थापित करवाई। बप्पा के दरबार में प्रतिदिन प्रात: 8 बजे व सांय 8 बजे आरती व भजन कीर्तन होगा। 31 अगस्त को भंडारा और 2 सितम्बर को विसर्जन होगा। यहां बप्पा का दरबार स्थानीय बच्चों व युवाओं ने सजाया है। इस मौके पर अजय कुशवाहा, मनीष पाल, संगीता, शिखा, राजकुमार, प्रांशु, शालू, कुलदीप, विजय, शम्भू शरण वर्मा, मुन्ना पाल, अभिषेक, राघव, रिया सहित काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

हुसैनाबाद ट्रस्ट से जुड़े मामले की चार वर्ष से हाईकोर्ट में तारीख ही नहीं पड़ी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शिया मुसलमानों को जल्द मिलेगा इंसाफ : अली जैदी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी के आदेश पर बोर्ड की तरफ से हुसैनाबाद एंड अलाइड ट्रस्ट के स्कीम ऑफ़ मैनेजमेंट बनाये जाने के मामले में यूपी शिया सेंट्रल वक़्फ़ बोर्ड पार्टी है। सर्वोच्च न्यायालय ने 31 जुलाई 2015 को उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच को मामले को जल्दी निस्तारित करने को कहा था। इसमें लिस्टिंग एप्लीकेशन दाखिल की गई। इस मुकदमे में 3 नवम्बर 2021 के बाद से डेट ही नहीं पड़ी, जिसके कारण इसमें फैसला नहीं आ पाया। इस मामले में प्रदेश सरकार को ट्रस्ट के मैनेजमेंट को लेकर यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के साथ मिलकर एक स्कीम ऑफ़ मैनेजमेंट बनानी है और ऐसा ना हो पाने के कारण बीते सालों में हुसैनाबाद ट्रस्ट के अधीन आने वाले शिया मुसलमानों के प्रमुख धार्मिक स्थलों में हो रही घटनाओं और उनके संरक्षण को लेकर से शिया मुसलमान काफ़ी आक्रोशित और दुखी है।

शिया उलेमा और ज़िम्मेदार लोगों ने इस मामले की गंभीरता को लेकर चेयरमैन अली ज़ैदी से कई बार बैठक और संवाद स्थापित किया। इस मामले में इमाम-ए-जुमा मौलाना कल्बे जवाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाक़ात की और इसी के बाद से ट्रस्ट की मैनेजमेट कमेटी बनाये जाने की क़वायद तेज़ हो गई। इस मामले की मॉनिटरिंग अब शिया वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन अली ज़ैदी खुद कर रहे हैं। चेयरमैन अली जैदी ने बताया कि शिया मुसलमानों को उच्च न्यायालय से इस मामले में जल्द इंसाफ मिलेगा।

अजादारी अल्लाह का वादा और फातिमा जहरा की दुआ है : जवाद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हसनपुरिया स्थित इमामबाड़ा अबुतालिब में अंजुमन गुंचा-ए- मजलुमिया की तरही शब्बेदारी में मौलाना कल्बे जवाद भी शिरकत करने पहुंचे। मौलाना ने यहां कहा कि यह अजादारी अल्लाह का वादा और शहजादी फातिमा जहरा की दुआ है। उन्होंने कहा कि मातमी अंजुमनें अजादारी की रौनक हैं। अंजुमन के साहबे बयाज आले रजा और सचिव इमरान अख्तर भोले ने इस मौके पर मौलाना कल्बे जवाद को सम्मानित किया।

अंजुमन कदीम मासूमे असगर की 35 साला शब्बेदारी का आयोजन हाता बुरहान साहब काज़मैन में किया गया। यहां मजलिस को मौलाना अब्बास नासिर ने खिताब किया। मजलिस के बाद अंजुमन फरोगे रजा-ए- इस्लाम, रजा-ए-हुसैन, कजमिया आबिदया, हुसैनिया कदीम, दस्ते ख़ातिबुल ईमान और नूरे हैदरी ने नौहे व सलाम पढ़े। अय्यामे अजा की आखिरी रातें शीर्षक से रौजा-ए- काजमैन में मौलाना गुलाम पंजतन ने मजलिस को खिताब किया। इमामबाड़ा डिप्टी मोहम्मद अजीम वजीरगंज में मौलाना वसी हसन खां ने मजलिस को खिताब किया।

मजलिसें कल से

- इमामबाड़ा शहंशाह बिल्डिंग नक्खास में 29 व 30 अगस्त को मजलिसों का आयोजन होगा। मजलिस के आयोजक शुमूम आरफी ने बताया कि पहली मजलिस को मौलाना सदफ जौनपुरी और दूसरी मजलिस को मौलाना यासूब अब्बास रात 8:30 बजे खिताब करेंगे।

सिटी डायरी

महानगर अध्यक्ष ने किया पश्चिम मंडल तीन के कार्यालयों का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : पश्चिम विधानसभा में मंडल-3 कार्यालय का उद्घाटन बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने नारियल फोड़कर किया। आनंद द्विवेदी ने कहा कि यह कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि कमल के सिपाहियों का संकल्प केंद्र है। जहां से हर कार्यकर्ता संकल्प ले रहा है कि आने वाले चुनाव में ऐतिहासिक मतों से पश्चिम विधानसभा के हर बूथ पर कमल खिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि, लोगों की समस्याएं सुनें और उनका निस्तारण कराने का पूरा प्रयास करें, जहां भी दिक्कत आए मुझे बताएं। इस अवसर पर उपविजेता अंजनी कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष सोमेंद्र पांडे, अरविंद मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नारियल तोड़ते भाजपा महानगर अध्यक्ष।

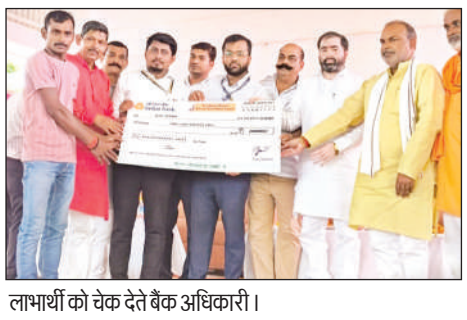

लाभार्थी को चेक देते बैंक अधिकारी।

दयानंद पांडेय को सम्मानित करते आयोजक।

दिवंगत बीमितों के परिजन को दिए चेक

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन बैंक, बराबंकी मुख्य शाखा के तत्वावधान में राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत दिवंगत बीमित व्यक्तियों के परिजनों को बीमा दावा राशि के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने कुल 4 लाभार्थियों को प्रत्येक को 2,00,000 (दो लाख रुपये) की राशि का चेक प्रदान किया। इंडियन बैंक के वित्तीय समावेशन हेड आर्चित कुमार, जिला समन्वयक एवं शाखा प्रबंधक बराबंकी मुख्य शाखा क्षितिज कुमार स्वामी, राजकमल, वरुण वर्मा और अविनाश कुमार मौजूद रहे।

दयानंद को मप्र में मिला सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के वरिष्ठ साहित्यकार दयानंद पांडेय को साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश ने एक लाख रुपए के वीर सिंह देव राष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत किया है। साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश ने भोपाल के रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में पांडेय को उनके उपन्यास विपश्यना में प्रेम के लिए वीर सिंह देव राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे और मशहूर कमेंटेटर सुशील दोषी ने दयानंद पांडेय को एक लाख रुपए का चेक, अंगवस्त्रम और श्रीफल दे कर सम्मानित किया। चर्चित उपन्यास विपश्यना में प्रेम उपन्यास वाणी प्रकाशन, दिल्ली ने प्रकाशित किया है।

पर्यटन विभाग | राज्य संग्रहालय के सभागार का संस्कृति मंत्री ने किया लोकार्पण

प्रतियोगिता के विजेताओं को मंत्री ने दिए प्रमाणपत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य संग्रहालय ने स्कूलों के बच्चों के लिए कई वर्गों में ब्लॉक स्तरीय रंगोली, चित्रकला, भाषण, गायन और फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता कराई थी। इसके विजेताओं को बुधवार को संस्कृति और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। इस दौरान उन्होंने 172.17 लाख रुपये की लागत से जीर्णोद्धार के बाद नवीनीकृत हुए सभागार के अलावा राज्य संग्रहालय और राजकीय संग्रहालय, मथुरा के 360 डिग्री वर्चुअल टूर एवं वेबसाइट का विमोचन भी किया।

प्रतियोगिता में आशी, हम्दिया अंसारी, रिद्धिमा सोनी ने प्रथम और कार्तिक, जोया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अश्विनी आश्वि रावत, मानवी रावत, रुख्साना, हमदिया अंसारी, अनुष्का गौतम, बीरा, काव्या गुप्ता, मानसी, आशी, वंशिका मौर्या, तमन्ना मौर्या, हिफजा, रिद्धिमा सोनी, सुकन्या, कार्तिक, माही शर्मा, आस्था, जोया, नैन्सी, श्रद्धा, आन्या, नित्या, आयुषी, दिवांशु, शहनूर, रैययान, अंश, जैनब, अबुतालिब, अंश, अहम, नितिन कुमार, खुशी वर्मा, आयुष राजपूत, अंशिका यादव, हर्षिता, अंविका यादव, मोहम्मद अवान, हसीन, अलीशा, नीतू, आयजा रईस अंसारी और अखिल तिवारी आदि को भी पुरस्कृत किया गया। संग्रहालय की निदेशक सृष्टि धवन, अभिलेखाकार के निदेशक अमित अग्निहोत्री, संग्रहालय के डॉ. विनय सिंह, अलशाज फात्मी, डॉ. मीनाक्षी खेमका, डॉ. कृष्ण ओम सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर अरविंद दूबे मौजूद रहे।

राज्य संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करतीं कलाकार।

राज्य संग्रहालय में दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह।

घर बैठे लखनऊ का संग्रहालय देख सकेंगे पर्यटक

- 360 डिग्री वर्चुअल टूर के माध्यम से देश एवं विदेश में बैठे पर्यटक राज्य संग्रहालय लखनऊ और मथुरा संग्रहालय की बहुमूल्य कलाकृतियों को घर बैठे देख सकेंगे और संग्रहालय भ्रमण की अपनी योजना बना सकेंगे। इस अवसर पर राज्य संग्रहालय में पाण्डुलिपियों के डिजिटाईजेशन का संज्ञान लेते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि डिजिटाईजेशन वर्क द्वारा शोधार्थियों को घर बैठे अपनी भारतीय संस्कृति के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि पाण्डुलिपियां हमारी बहुमूल्य धरोहर है। इनका डिजिटलीकरण भी कराया गया है। उन्होंने निदेशक संग्रहालय को निर्देश दिए कि आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग करके अपनी धरोहरों को संरक्षित रखते हुए भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि लखनऊ तथा अन्य स्कूलों के बच्चों का संग्रहालय में भ्रमण कराएं ताकि बच्चे संरक्षित धरोहरों के बारे में जान सकें। उन्होंने कहा कि मथुरा के संग्रहालय में संरक्षित की गई वस्तुओं का 360 डिग्री वर्चुअल टूर कर उनके बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

शांति समिति की बैठक में मौजूद लोग।

शांति समिति की बैठक

अमृत विचार, लखनऊ : गणेश चतुर्थी व बारावफात को लेकर आलमबाग कोतवाली में एक बैठक आयोजित हुई। इसमें आलमबाग कोतवाली प्रभारी सुभाष चन्द्र सरोज सहित सभी चौकी इंचार्जों की उपस्थित रही। बैठक में आलमबाग कोतवाली प्रभारी सुभाष चन्द्र सरोज, आलमबाग नटखेड़ा रोड युवा व्यापार अध्यक्ष मनीष अरोड़ा विनय मलिक पुजारी अतिमुद्दीन, लियस अनवर, पं. राजमणि मिश्रा, रवि कुमार, ताज मोहम्म उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

जूडो खिलाड़ियों का मेला 29 को

अमृत विचार, लखनऊ : खेल दिवस पर 29 अगस्त को सहारनपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में यूपी जूडो एसोसिएशन और खेल विभाग के सहयोग से जूनियर प्रदेशीय जूडो प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह जानकारी यूपी जूडो एसोसिएशन के महासचिव मुनव्वर अंजार अली सिद्दीकी ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रदेश के सभी मंडलों के बालक और बालिकाओं के साथ स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर और स्पोर्ट्स हॉस्टल, सहारनपुर की टीमें भी हिस्सा लेंगी।

29 से 31 तक होंगे विभिन्न खेल

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक अधिकारी कर्मचारी प्रतिभा करेंगे। कुलपति प्रो. जेपी पांडे के निर्देशन में आयोजित होने वाले खेलों में क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस खेल होंगे। आपसी सौहार्द एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयोजित खेल को लेकर विश्वविद्यालय में उत्साह का माहौल है। खेल आयोजित करने के लिए विभिन्न समितियां का गठन किया गया है। इसके अलावा कार्यक्रम का समापन साइकिल चलाने के साथ होगा।

एलएलबी काउंसलिंग का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत एलएलबी 5 वर्षीय पाठ्यक्रम की 5वीं ऑनलाइन काउंसलिंग का परिणाम 27 अगस्त को अपराह्न जारी कर दिया है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगिन कर आवंटित सीट की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

स्नातक छठवीं काउंसलिंग का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत बीएससी (एग्रीकल्चर) पाठ्यक्रम की 6वीं ऑनलाइन काउंसलिंग का परिणाम 27 अगस्त को अपराह्न 12 बजे के बाद घोषित कर दिया है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने अपना सीट आवंटन देख सकते हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, मेरिट के आधार पर सीट आवंटन किया गया है।

बीएफए की तीसरी एलॉटमेंट लिस्ट जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स और बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स पाठ्यक्रमों की तीसरी ऑनलाइन काउंसलिंग का परिणाम 27 अगस्त को अपराह्न 12 बजे के बाद जारी कर दिया है। जिन अभ्यर्थियों ने इन पाठ्यक्रमों में आवेदन किया था, वे विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगिन कर आवंटन की स्थिति देख सकते हैं।

लविवि में चला नशे के खिलाफ अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आर. एल. राजवंशी, राज्य मद्य निषेध अधिकारी, उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि जलत मिश्रा, पूर्व क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी व वर्तमान सलाहकार, स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट उपस्थित रहे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. दीपक गुप्ता एवं डॉ. खुशबू वर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ डॉ. खुशबू वर्मा ने दिलाई।

17 व 18 को होगा कौशल महोत्सव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सहयोग से आगामी 17 व 18 सितम्बर को लखनऊ कौशल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के सुगम संचालन और प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी के लिए कौशल विकास मिशन मुख्यालय में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में गठित चार सदस्यीय टीम ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की और महोत्सव को सफल बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की।

ऋतुराज के तूफान में उड़ी लखनऊ फॉल्कंस, मेरठ ने 93 रनों से हराया

इकाना स्टेडियम में टॉस जीतकर मेरठ मावरिक्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

शॉट लगातार लखनऊ फॉल्कंस का बल्लेबाज। अमृत विचार

बालिंग, करते मेरठ मावरिक्स के कप्तान रिंकू सिंह।

अमृत विचार: मेरठ मावरिक्स ने यूपी टी-20 लीग में लखनऊ फॉल्कंस को 93 रनों से हराया। जीत के हीरो रहे ऋतुराज शर्मा। इनकी शानदार पारी की बदौलत मेरठ ने 233 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में लखनऊ की टीम 140 रनों पर ही ढेर हो गई।

अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में टॉस जीतकर मेरठ मावरिक्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शुरुआती झटकों के बाद, सलामी बल्लेबाज स्वास्तिक चिकारा ने 31 गेंदों में 55 रन बनाए। इसके बाद, कप्तान रिंकू सिंह (27 गेंदों में 57 रन) और ऋतुराज शर्मा (37 गेंदों में नाबाद 74 रन) ने मिलकर तेजी से रन बटोरे। ऋतिक वत्स ने भी सिर्फ 8 गेंदों में 35 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम का स्कोर 233 रन तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, लखनऊ फॉल्कंस की शुरुआत खराब रही। उनके शीर्ष चार बल्लेबाज 48 रन पर ही आउट हो गए। सिर्फ समीर चौधरी ही 46 रन बना सके, जबकि बाकी बल्लेबाज कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए। पूरी टीम 18.2 ओवर में 140 रन पर सिमट गई। मेरठ की जीत में गेंदबाजों का ज्यादा योगदान रहा। यश गर्ग ने 25 रन देकर और जीशान अंसारी ने 23 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए।

धमाकेदार प्रदर्शन करने वाली लखनऊ की बालिका टीम। अमृत विचार

आगरा को पटकनी देकर लखनऊ की बेटियां पहुंची सेमीफाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: खेल निदेशालय की देखरेख में राज्य स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता मथुरा में हो रही है। इसमें लखनऊ की बेटियों ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहले लीग मैच में लखनऊ ने आगरा मंडल को 34-10 से हराया। दूसरे लीग में काटे की टक्कर हुई। लखनऊ बास्केटबॉल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियाज अहमद के अनुसार इस मुकाबले में

लखनऊ मंडल ने मेरठ मंडल को 29-24 से हराया। क्वार्टर फाइनल में लखनऊ मंडल की लड़कियों ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए झांसी मंडल को एकतरफा अंदाज में 39-09 के बड़े अंतर से हरा दिया। इस मुकाबले में जीत के साथ लखनऊ ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब तक खेले गए मुकाबलों में लखनऊ की रोली चौरसिया ने 12, अक्षरा ने आठ, आद्या ने पांच, रैना ने छह अंकों का योगदान कर टीम को जीत दिलाई। सेमीफाइनल वाराणसी और लखनऊ मंडल के बीच गुरुवार को खेला जाएगा।

छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराता है मूटकोर्ट : राज्यपाल

मंच पर मौजूद हिमाचल के राज्यपाल व विधि विवि के कुलपति समेत प्रो. तनेजा व अन्य।

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में डॉ. बीआर अम्बेडकर मेमोरियल मूट कोर्ट का उद्घाटन हिमाचल के राज्यपाल ने किया। मुख्य अतिथि राज्यपाल हिमाचल प्रदेश शिव प्रताप शुक्ला ने डॉ. डॉ बीआर अम्बेडकर मेमोरियल मूट कोर्ट का उद्घाटन किया। भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मूट कोर्ट की स्थापना को विधि विभाग के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। डॉ. राममनोहर लोहिया विधि विवि के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह ने बताया कि मूट कोर्ट में नियमित मूट प्रैक्टिस कराई जाएगी। छात्र-छात्राएं अधिवक्ता, याचिकाकर्ता, प्रतिवादी और न्यायाधीश की भूमिका निभाकर तर्क-वितर्क की कला का अभ्यास करेंगे। कार्यक्रम को विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी, विधि विभाग के अध्यक्ष डॉ. पीयूष त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज शुक्ल ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, संकाय सदस्य, अधिवक्ता, शोधार्थी व छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वार्ता विफल, लुआक्टा ने किया आंदोलन का शंखनाद

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध मंडल के सभी जिलों के महाविद्यालयों के शिक्षक लखनऊ विश्वविद्यालय में आज धरना देंगे। इसके बाद राजभवन की तरफ पैदल मार्च करेंगे। लुआक्टा से जुड़े शिक्षक पीएचडी के अधिकार से वंचित किए जाने से नाराज हैं। राजभवन के हस्तक्षेप के बाद लुआक्टा के पांच पदाधिकारियों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. मनुका खन्ना की बातचीत हुई। लेकिन तीसरे दौर की यह वार्ता विफल रही और लुआक्टा ने आंदोलन वापस लेने से इंकार कर दिया है। आंदोलन के दूसरे चरण में शिक्षक 4 सितंबर को काला फीता बांधकर कार्य करेंगे। 10 सितम्बर को प्रस्तवित दीक्षांत समारोह का बहिष्कार और काला फीता बांधकर कार्य करेंगे। संगठन द्वारा इस तिथि को राजभवन मार्च भी किया जा सकता है।

भाषा विवि में महिला समानता पर आयोजित हुई पोस्टर प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा महिला समानता दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, प्रेरणात्मक व्याख्यान एवं ट्रेजर हंट गतिविधि का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के बी.टेक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, जागरूकता और प्रेरणा को बढ़ावा देना रहा। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 24 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. शान-ए-फातिमा एवं डॉ. सायमा अलीम, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के स्वागत से हुई। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन डॉ. इफ़्फ़त अज़ीम, सहायक प्रोफेसर, बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की उपस्थिति रही, तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. ममता शुक्ला, विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया।

विजेता

- प्रथम स्थान : सना सिद्दीकी (बी.टेक बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान : वाली अहमद (बी.टेक कंप्यूटर साइंस – एआई एंड एमएल, प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान : पलक सिंह (बी.टेक बायोटेक्नोलॉजी, तृतीय वर्ष)

विजेता टीम के सदस्य

- दानिश वक़ार, विनय कुमार, गुलशन कुमार गौतम, योगेश नंद झा, अतुल सैनी, शुभम, सौरभ कुमार मेहता

कार्यक्रम का सह-समन्वयन डॉ. मनवेन्द्र सिंह, इंजी. धीरेंद्र सिंह, इंजी. शिवांशी त्रिपाठी, एवं इंजी. राशी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंत में डॉ. इफ्फत अज़ीम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। बी.टेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के इंडक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत एक प्रेरणात्मक व्याख्यान भी आयोजित किया गया, जिसे प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विनय कुमार सिंह मानेक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दान की धनराशि से संवरेगा गरीब छात्रों का भविष्य

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में अब पूर्व छात्रों के दान से गरीब छात्रों का भविष्य संवारा जाएगा। अभी तक पूर्व छात्र मेधावियों को मेडल देते थे। अब मेडल के बजाए छात्रवृत्ति रकम का सहयोग करेंगे। इस प्रस्ताव पर केजीएमयू कार्यपरिषद ने मुहर भी लगा दी है। केजीएमयू में एमबीबीएस की 250 और बीडीएस की 100 सीटे हैं। देश भर के छात्र केजीएमयू में मेडिकल की पढ़ाई के लिए आ रहे हैं। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि अभी तक पूर्व छात्र मेडल संचालित करने के लिए रकम देते थे। इसका हकदार मेधावी होता था। केजीएमयू में पर्याप्त मेडल हैं। जो दीक्षांत व स्थापना दिवस समारोह में मेधावियों को बांटे जाते हैं।

बीबीएयू में स्टार्टअप समिट का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नवाचार मॉडल का प्रदर्शन करते छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार: बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में संस्थान नवाचार परिषद द्वारा इनोवेशन शोकेस, बिज़नेस प्लान पिच एवं स्टार्टअप समिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के सफल मार्गदर्शन एवं संस्थान नवाचार परिषद, बीबीएयू के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा के सफल नेतृत्व में आयोजित किये गये। नवाचार परिषद के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का समय नवाचार और उद्यमिता का है।

इनोवेशन शोकेस के दौरान प्रो. शिशिर कुमार, प्रो. बी.एस. भदौरिया, प्रो. संगीता सक्सेना एवं डॉ. ईशान श्रीवास्तव उपस्थित रहे। छात्रों ने विभिन्न नवोन्मेषी मॉडल और प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए, जिनसे उनकी सृजनात्मकता एवं तकनीकी दक्षता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम विश्वविद्यालय की नवाचार नीति के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य छात्रों में उद्यमशीलता की भावना का विकास करना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। बिज़नेस प्लान पिच' कार्यक्रम के दौरान मुख्य तौर पर प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, डॉ. धीरेन्द्र पाण्डेय एवं डॉ. अंशुल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न छात्रों ने अपनी व्यावसायिक योजनाओं को प्रस्तुत किया। स्टार्टअप समिट के दौरान प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने स्टार्टअप संस्कृति को केवल एक अवसर नहीं बल्कि जिम्मेदारी बताया। इस दौरान मुख्य तौर पर डॉ. पदम जी. ओमार, डॉ. अर्जुन प्रसाद एवं डॉ.अभिषेक वर्मा उपस्थित रहे।

औषधीय पौधों से महकेंगे तकनीकी कॉलेजों के परिसर

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार की मुहीम को आगे बढ़ाते हुए और तकनीक के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरुक करने के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में औषधीय वाटिकाएं बनाई जाएंगी। एकेटीयू और इससे संबद्ध 750 से अधिक तकनीकी महाविद्यालयों में अलग-अलग प्रकार के आयुर्वेदिक और औषधीय भारतीय पौधों का रोपण किया जाएगा। प्रत्येक महाविद्यालय में 5000 पौधों की वाटिका बनाया जाएगा। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने अपने सभी महाविद्यालयों को पत्र जारी कर विस्तृत दिशा निर्देश जारी किया है। जारी पत्र में कहा गया है कि प्रदेश भर में 35 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य बनाया गया है। महाविद्यालयों से अपेक्षा की गई है कि वह अपने-अपने महाविद्यालय परिसर और आसपास के जगहों पर करीब 5 हजार पौधों का रोपण करेंगे।

सिटी डायरी

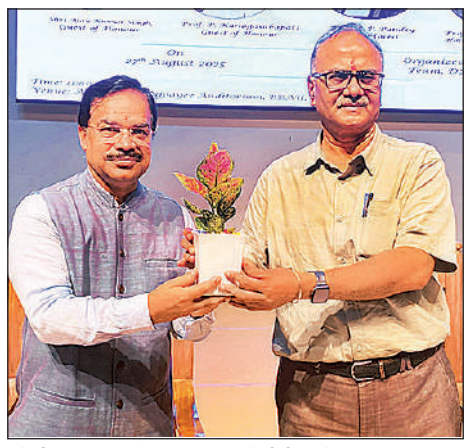

एकेटीयू कुलपति को सम्मानित करते बीबीएयू के कुलपति।

आवश्यकता से डेढ़ गुना अधिक हो रहा प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग

अमृत विचार, लखनऊ : बीबीएयू और एकेटीयू के कुलपतियों ने छात्रों से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण आधारित विकास को बढ़ावा देने का मंत्र दिया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विवि में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंटरेक्शन सह इंडक्शन प्रोग्राम 'दीक्षारम्भ 2025' का आयोजन किया गया। अध्यक्षता बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर एकेटीयू के कुलपति प्रो. जे.पी. पाण्डेय उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के ट्रस्टी प्रो. पी. कंगासाबापति, डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स, बीबीएयू प्रो. एस. विक्टर बाबू, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार एवं डिप्टी डीएसडब्ल्यू प्रो. तरूणा उपस्थित रहीं।

आरोग्य भवन का निरीक्षण करतीं कुलपति। अमृत विचार

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय।

कुलपति ने किया आरोग्य भवन का दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वी के शर्मा एवं निर्माण विभाग के अधीक्षक प्रो. डीके सिंह एवं उनकी टीम ने विश्वविद्यालय में संचालित आरोग्य भवन में भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। कुलपति के निरीक्षण में टीम ने आरोग्य भवन में स्थित ट्रेसिंग रूम, वार्ड रूम, डॉक्टरों के चैम्बर, मेडिसिन स्टोर जैसी सुविधाओं का निरीक्षण किया एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही आरोग्य भवन में एक छात्र को उचित इलाज न मिल पाने के कारण उसे दूसरे अस्पताल में भेजना पड़ा था।

कल वितरित होंगे टैबलेट

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 29 अगस्त को पिछले वर्ष के पासआउट विद्यार्थियों के लिए टैबलेट वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के सभागार में आयोजित किया जायेगा। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण उपस्थित रहेंगे। डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, तृतीय चरण में उन 158 विद्यार्थियों को टैबलेट बांटे जाएंगे जिनका डाटा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सत्यापित किया जा चुका है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं व प्राचार्य। अमृत विचार

विकसित भारत विषय पर कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : नवयुग कन्या महाविद्यालय की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा विकसित भारत विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कैडेट आस्था त्रिपाठी व कशिश गौतम ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विकसित भारत 2047 के प्रमुख उद्देश्य विकसित भारत के लिए सरकार की पहल तथा नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

दीक्षांत समारोह | 9 सितंबर को होगा आयोजन, राज्यपाल करेंगी छात्रों को सम्मानित

एकेटीयू सात श्रेणियों में देगा स्टूडेंट स्टार्टअप अवार्ड

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इनोवेशन और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उद्यमी छात्रों को मिलेगा अवार्ड

अमृत विचार: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में 9 सितम्बर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह में छात्रों को सात श्रेणियों में स्टूडेंट स्टार्टअप अवार्ड दिया जाएगा। राज्यपाल व सहकुलाधिपति आनंदीबेन पटेल उद्यमी छात्रों को अवार्ड देकर सम्मानित करेंगी। इसके लिए छात्रों को 2 सितंबर तक आवेदन करना होगा।

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय के निर्देशन में इस अवार्ड की परिकल्पना इनोवेशन हब ने की है। जिसके तहत सात विभिन्न श्रेणी में अवार्ड दिया जाएगा। इसमें एक अवार्ड विमेन लेड स्टार्टअप अवार्ड, दूसरा बेस्ट सोशल इम्पैक्ट स्टार्टअप अवार्ड और तीसरा बेस्ट टेक इनोवेशन स्टार्टअप अवार्ड, चौथा एसिसिबिलिटी अवार्ड, पांचवां एग्रीकल्चर स्टार्टअप अवार्ड, छठां सस्टेनेबिलिटी चैंपियन और सातवां हेल्थ इनोवेशन स्टार्टअप अवार्ड है।

बेस्ट विमेन लेड स्टार्टअप अवार्ड के लिए स्टार्टअप कंपनी में एक महिला डायरेक्टर का 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ होना जरूरी है। वहीं, बेस्ट सोशल इम्पैक्ट अवार्ड का चयन स्वास्थ्य, भारतीय भाषा, शिक्षा, जीवनशैली जैसे सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले स्टार्टअप कंपनी को दिया जाएगा। जबकि बेस्ट टेक इनोवेशन स्टार्टअप अवार्ड इनोवेटिव पेटेंट तकनीकी विकसित कर वस्तुओं और सर्विस के क्षेत्र और डिजिटल मंच पर कार्य करने वाली स्टार्टअप कंपनी को मिलेगा। इसी तरह दिव्यांगों की सुविधा प्रदान करने वाले स्टार्टअप को एक्सिसबिलिटी अवार्ड दिया जाएगा। कृषि के क्षेत्र में नवाचार, सहित अन्य नये स्टार्टअप को एग्रीकल्चर अवार्ड मिलेगा। जलवायु परिवर्तन, कूड़ा प्रबंधन, निन्योबल एनजी से जुड़े स्टार्टअप को सस्टेनेबिलिटी चैंपियन अवार्ड दिया जाएगा। जबकि स्वास्थ्य से जुड़े स्टार्टअप को हेल्थ इनोवेशन स्टार्टअप अवार्ड मंच से दिया जाएगा। यह अवार्ड विश्वविद्यालय के किसी छात्र या छात्रा की स्टार्टअप कंपनी को ही दिया जाएगा। संस्थान या छात्र अवार्ड के लिए 2 सितम्बर तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

यह है उद्देश्य

- विश्वविद्यालय की ओर से दिये जा रहे स्टार्टअप अवार्ड का मकसद विश्वविद्यालय के छात्रों में स्टार्टअप और इनोवेशन के प्रति रूझान पैदा करना है। इस पहल से अन्य छात्र भी स्टार्टअप के लिए प्रेरित होंगे।

न्यूज ब्रीफ

पिता के हत्यारे को आजीवन कारावास

अयोध्या, अमृत विचार : कोर्ट ने पिता की हत्या के आरोपी पुत्र को दोषी पाते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 10 हजार जुर्माना भी हुआ है। जुर्माने की रकम में से पांच हजार वादिनी संगीता को देने का आदेश हुआ है। यह आदेश अपर जिला जज प्रथम शिवानी जायसवाल की अदालत से बुधवार को हुआ। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडेय व रोहित पांडेय ने बताया कि घटना 17 अगस्त 2020 की रात की है। इसकी रिपोर्ट अज्ञात के खिलाफ मृतक की बेटी संगीता ने दर्ज कराई थी। विवेचना में पता चला कि संगीता का उसके पति से वैवाहिक विवाद चल रहा था। वह अपने पिता के घर ही रहती थी। उसका पिता जमीन का बैनामा उसके नाम करना चाहता था। इसी बात से नाराज होकर खेत पर पिता माताफेर की नकछेद ने डंडे से पीट कर हत्या कर दी। पुलिस को यह बात संगीता के पति से पता चली तब नकछेद को गिरफ्तार करके हत्या में प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोषी पाते हुए उसे सजा सुनाई।

मोबाइल वेटनरी यूनिट व कॉल सेंटर बढ़ेंगे

राज्य ब्यूरो,लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रदेश में मोबाइल वेटरिनरी यूनिटों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही काल सेंटर भी बढ़ाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने बुधवार को सभी जिलाधिकारियों और पशुपालन विभाग के निदेशक को पत्र भेजा है। पशुपालन विभाग के उप सचिव रवीन्द्र प्रताप सिंह ने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पांच करोड़ 20 लाख 37 हजार पशु हैं, प्रति एक लाख पशुओं पर एक यूनिट के आधार पर प्रदेश में 520 मोबाइल वेटरिनरी यूनिट संचालित हो रही हैं। इन यूनिटों को संचालित करने के लिए पांच काल सेंटर हैं, जिनमें एक साथ छह काल और एक समय में 30 कॉलें स्वीकार की जा रही हैं। ये काल सेंटर मेरठ, आगरा, लखनऊ, वाराणसी एवं प्रयागराज में स्थापित हैं।

अमेठी में पत्नी और बेटी ने अधेड़ को पीटकर मार डाला

गेहूं पिसाने का लेकर हुआ था विवाद, मां-बेटी गिरफ्तार

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार : गेहूं पिसाने को लेकर हुए मामूली विवाद में महिला ने बेटी के साथ मिलकर पति की पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की बड़ी बेटी की तहरीर पर आरोपी महिला व बेटी के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली क्षेत्र के लढ़ियापुर मजरे चन्दईपुर निवासी रामअंजोर चौहान (50) बुधवार की दोपहर में दरवाजे पर लेटा था। तभी उसकी पत्नी लखराजी ने उसे गेहूं पिसाने के लिए आटा चक्की पर जाने के लिए कहा। रामअंजोर ने बाद में गेहूं पिसवाने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद होने लगा। आक्रोशित लखराजी ने डंडा उठाकर चारपाई पर लेटे पति पर हमला बोल दिया। उसके साथ छोटी पुत्री अमिता भी पिता को डंडे से मारने लगी। मां-बेटी की पिटाई से रामअंजोर को हाथ, पैर व सिर में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचते लेकिन तब तक रामअंजोर की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्यारोपी पत्नी व बेटी को हिरासत में लिया। एसएचओ ने बताया कि मृतक की बड़ी बेटी ममता की तहरीर पर पत्नी लखराजी व बेटी अमिता के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया गया है। दोनों ने गेहूं पिसाने को लेकर हुए विवाद में मारपीट की बात कबूल की है।

राम मंदिर की बाउंड्री वॉल पर बनेंगे बुलेटप्रूफ 28 मोर्चे

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए 14 फीट ऊंची और लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल हाईटेक सुरक्षा से लैस होगी। इसके साथ ही बुलेट प्रूफ मोर्चा और गस्त करते हुए सुरक्षाकर्मी दिखाई देंगे।

बुधवार को गणेश चतुर्थी के शुभ मुहूर्त पर बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए नींव की पहली ईंट रखी गई। राम मंदिर के उत्तर दिशा से बाउंड्री वॉल निर्माण का कार्य विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ हो गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के अलावा सुरक्षा अधिकारियों में आईजी प्रवीण कुमार और एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे और बस सीआरपीएफ के कमांडेंट पूजन में मुख्य रूप से शामिल हुए। मंत्रोच्चारण के बीच नींव का पूजन कर ईंट लगाई गई। उन्होंने बताया कि इस बाउंड्री वॉल के ऊपर 28 स्थान पर मोर्चे बनाए जाएंगे, जो एक दूसरे के दृष्टि कक्ष में होंगे, जिसमें सुरक्षाकर्मी बैठकर पूरे मंदिर परिसर की निगरानी कर सकेंगे। यह मोर्चे पूरी तरह बुलेटप्रूफ शीशे से लैस होंगे। बाउंड्री वॉल से सटे एक सड़क मार्ग का भी निर्माण किया जा रहा है जहां सुरक्षा कर्मी गस्त करेंगे। साथ-साथ कुछ स्थानों पर केबिन भी होगा। जहां वह कुछ समय के लिए बैठ भी सकेंगे।

चार परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की लगभग 12,328 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में देशलपार - हाजीपीर - लूना और वायोर - लखपत नई लाइन, सिकंदराबाद (सनथनगर) - वाडी तीसरी और चौथी लाइन भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन फुर्केटिंग - न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण उपरोक्त परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों और वस्तुओं दोनों का निर्बाध और त्वरित परिवहन सुनिश्चित करना है। ये पहल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और यात्रा सुविधा में सुधार के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेंगी तथा तेल आयात पर निर्भरता कम करेंगी। इसके अतिरिक्त, ये परियोजनाएं कार्बनडाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में योगदान देंगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो0-9696715133

प्रतिबंधित दवाओं समेत व्यापारी को अपने साथ ले गई सीबीआई

संवाददाता, बाराबंकी

- प्रतिबंधित दवाओं की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता का आरोप

अमृत विचार : शहर के एक दवा व्यापारी को सीबीआई अपने साथ ले गई है। वजह प्रतिबंधित दवाओं की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता बताई जा रही है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही लेकिन मामला सीबीआई द्वारा लखनऊ में 10 लाख रिश्वत लेते धरे गए दो सीबीएन इंस्पेक्टरों से जोड़कर देखा जा रहा है। चर्चा कुर्सी क्षेत्र से एक अन्य व्यापारी को हिरासत में लेने की भी है। बताया जा रहा कि टीम ने व्यापारियों के यहां से कुछ प्रतिबंधित दवाएं भी जब्त की हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर कोई कुछ नहीं बता रहा।

गौरतलब है कि लखनऊ में सीबीआई ने जिन दो सीबीएन इंस्पेक्टरों को रिश्वत लेते पकड़ा था, दोनों इंस्पेक्टर बाराबंकी स्थित एक निजी नर्सिंग होम के मालिक को मुकदमा दर्ज होने से बचाने के लिए सुविधा शुल्क मांग रहे थे। बताया जा रहा है कि सीबीएन के हाथ एक तस्कर लगा जिसने नर्सिंग होम स्वामी समेत कई लोगों को प्रतिबंधित दवाएं बेचने की बात कही थी। इसी आधार पर सीबीएन इंस्पेक्टर नर्सिंग होम व अन्य के साथ संपर्क में आ गए।

मामला प्रतिबंधित दवाओं से जुड़ा था इसलिए सीबीआई ने इस पर काम करना शुरु कर दिया। कुर्सी में एक कारोबारी के ठिकाने पर छापेमारी के बाद टीम बाराबंकी मुख्यालय आई और दवा व्यापारी को अपने साथ ले गई। टीम कुछ दवाएं और व्यापारी का रिवाल्वर भी अपने साथ ले गई है।

राहुल देशद्रोही, गली-मोहल्ले में कूटे जायेंगे स्वामी प्रसाद मौर्य : राजू दास

गोंडा, अमृत विचार : अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी व पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर विवादित बयान दिया है। मंगलवार रात एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे महंत राजू दास ने राहुल गांधी को देशद्रोही बता दिया। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य पर भी हमला किया और कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य का जो हाल है वह किसी का हाल नहीं हो सकता। इसके लिए वह हर गली, हर मोहल्ले में कूटे जायेंगे। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा सनातन के खिलाफ लगातार दिए जा रहे बयान को लेकर पत्रकारों से बात करते हुए महंत राजू दास ने कहा कि जो स्वामी प्रसाद मौर्य का हाल है वह किसी का नहीं हो सकता है। उन्हें हर गली में, हर मोहल्ले में कूटा जाएगा, पीटा जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा खुद को ब्राह्मण बताए जाने को लेकर भी महंत राजू दास ने निशान साधा और कहा कि देखिए राहुल गांधी अयोध्या राम मंदिर कभी नहीं गए। राहुल गांधी को देखिए की त्रिपुंड लगा लेते हैं, भगवा पहन लेते हैं।

बलरामपुर: चाइनीज लोनिंग व क्रिप्टो गेमिंग फ्रॉड का पुलिस ने किया भंडाफोड़

बलरामपुर, अमृत विचार। साइबर अपराध पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बलरामपुर पुलिस ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो चाइनीज लोनिंग एप व अवैध ऑनलाइन गेमिंग/बेटिंग एप के जरिए करोड़ों रुपये की ठगी कर उसे क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेज रहा था। पुलिस ने गिरोह से जुड़े एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर 112 करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन का खुलासा किया है। गिरफ्तार अभियुक्त सौरभ कुमार पुत्र होतीलाल (निवासी फिरोजाबाद, हाल पता लखनऊ) ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथियों संग फर्जी गेमिंग/बेटिंग एप (सुपर पे, ब्रो पे, सरकार पे, एविएटर, टीनपत्ती आदि) के माध्यम से ठगी करता था।

सूचना

मैंने अपना नाम AZLA AMIR से बदलकर SHIREEN AMIR रख लिया है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। SHIREEN AMIR W/0- AMIR HASEEB, ADD- 105/307, PHOOLBAGH, LUCKNOW, 226001

ब्लॉक प्रमुख से गाली गलौज पर केस दर्ज

अतरौली, हरदोई। थाना क्षेत्र के ग्राम पुन्नापुर में जमीनी विवाद को लेकर ब्लाक प्रमुख से गाली गलौज किया और मारपीट पर आमादा हो गये। पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। दर्ज रिपोर्ट में विनोद सिंह तोमर निवासी ग्राम छतिहा मजरा मांझगांव ने बताया कि उसका एक खेत पीपरगांव में स्थित है। पैमाइश और डिग्री होने के बावजूद उसकी जमीन पर ग्राम पुन्नापुर निवासी लाल बहादुर, सुशील, शिव प्रसाद और विकास ने चारा मशीन और चारा लगाकर जबरिया कब्जा कर लिया है। मना करने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने पर आमादा हो गये।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बाराबंकी।

पता–निकट विकास भवन, बाराबंकी

ई–प्रोक्योरमेण्ट

पत्रांक :–800 / ग्रा0अ0वि0 / ई–निविदा आंम / 2025–26 दिनांक–14.08.2025

महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बाराबंकी द्वारा ऑनलाइन निविदा आंमत्रित की जाती है। प्रतिशत दर पर विभागीय अधिकृत पंजीकृत ठेकेदार / फर्म श्रेणी A,B,C एवं D श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार से दर्शाये गये कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक अथवा सभी कार्यो की निविदा डाली जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी0एस0टी0 छोड़कर (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6
	विधायक निधि योजनान्तर्गत				
1	विकास खण्ड देवा के ग्राम पंचायत सिपहिया के मजरे गुरगुज में विक्रम सिंह के घर से प्रमोद के घर होते हुए खुशीराम के घर तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य। ल0 227 मी0।	10.00	0.20	766	03 माह

2 वैब साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः– 01.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे।
3 बिड डाक्यूमेन्ट डाउन लोडिंग प्रारंभ करने की तिथि एवं समयः– 02.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे।
4 प्रि बिड मीटिंग की तिथि एवं समयः– 03.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे।
5 ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारंभ तिथि / समयः– 04.09.2025 को प्रातः 10:00 बजे से।
6 ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि / समयः– 10.09.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक।
7 ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 10.09.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे।
8 टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
9 निविदा आन–लाईन वैब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
10 निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भॉति पढ़ लें।

(इं0 ज्ञानेन्द्र कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–बाराबंकी।

UP – 237194 दिनांक: 26/08/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
30वॉ वृत्त (वि0/यॉ0) लो0 नि0 वि0ए
96 महात्मा गॉधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांक :–2138 / 36 सी0बी0–30 / 2025 दिनांक–20 / 08 / 2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, महोदय, उ0प्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदाएं अधोहस्ताक्षरी की ओर से दिनांक 06.09.2025 से 11.09.2025 तक की अपरान्ह 04:00 बजे तक बेची जायेगी। निविदा मूल्य जमा कर निविदा सम्बन्धित खण्ड द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

मुहरबंद निविदाएं दि0 12.09.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे उक्त कार्यालय में प्राप्त की जायेगी तथा दि0 12.09.2025 को अपरान्ह 03:30 बजे जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ के कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी यदि दि0 12.09.2025 को अवकाश होता है तो निविदाए अगले कार्यदिवस में निर्धारित समय पर खोली जायेगी। निविदा के साथ रु0 100 / –का जनरल स्टैम्प जिस पर रु0 1 / – का रेवेन्यू स्टैम्प ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षरित किया हुआ लगा हो जमा करना अनिवार्य होगा। निविदाओं को स्वीकृत तथा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

क्रम सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य कर सहित	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	विधान भवन स्थित बहुखण्डीय भवन सचिवालय में लगे फायर पैनल से सबद्ध यू0पी0एस0 एवं बैटरी के बदलाव का कार्य।	2.86 लाख	0.29 लाख	01 माह	767.00	विभाग में विद्युत कार्यो हेतु 'ए'एवं 'बी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जिन्हे इसी प्रकृति का अनुभव हो ही निविदा के पात्र होंगे।

शर्तें–
1. निविदा सम्बन्धी अन्य जानकारी दिनांक 11.09.2025 तक किसी भी कार्य दिवस में विद्युत अनुरक्षण खण्ड–2 लो0नि0वि0 लखनऊ के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्रों के साथ उक्त पात्रताओं का प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
3. निविदादाता का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है।
4. निविदा के साथ राष्ट्रीयकृतबैंक की एफ0डी0आर0 जो अधिशासी अभियन्ता विद्युत अनुरक्षण खण्ड–2 लो0नि0वि0 लखनऊ के पक्ष में बंधक हो लगाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

UP – 237195 दिनांक: 26/08/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत अनुरक्षण खण्ड–2
लो0 नि0 वि0, लखनऊ

अधीक्षण अभियन्ता
30वॉ वृत्त (वि0/यॉ0)
लो0 नि0 वि0, लखनऊ

नौकरी व रोजगार भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचारः सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के कारनामों और वोट चोरी की चर्चा आम जनता में है। भ्रष्टाचार, लूट बेइमानी चरम पर है। इस सरकार में जल-जीवन-मिशन से लेकर कई विभागों में भारी भ्रष्टाचार और घोटाले हुए हैं। बिजली संकट से प्रदेशवासी परेशान है। नौकरी, रोजगार भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं है। सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में जिलों से आये नेताओं, कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में नौकरी, रोजगार खत्म हो गया है। सरकार नौजवानों को विदेश में रोजगार का झांसा दे रही है। भाजपा सरकार के पास बेरोजगारी का समाधान नहीं है। नौजवान, किसान, व्यापारी संकट में है। प्रदेश में खाद के लिए किसान धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर है। किसानों को खाद के बजाय लाठियां मिल रही है। इस सरकार में किसान, नौजवान बेबस और लाचार है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हर मोर्चे पर फेल है। स्वास्थ्य सेवाएं बर्बाद हो चुकी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / आर.एस.पी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं। **क्रम सं.–1,** ई–प्रापण निविदा संख्याः NER-GKP-RSP-2025-10, **कार्य का नामः** चौका घाट – बुढ़वल रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 716 / 8–9 पर एल.सी.संख्या 303 / स्पेशल के स्थान पर एल.एच.एस. के साथ दो लेन वाले एंड–टू–एंड रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) का निर्माण, जिसमें आर.ई.वॉल / पी.एस.सी. गर्डर / कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और एन.ई. रेलवे के एल. जे. एन. डिवीजन के रेलवे हिस्से में आर. डी. एस. ओ. के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जाएगा। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 52,90,89,470.71 बयाना राशि (रू.): ₹ 27,95,500.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू) : 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 महीने।

बिड प्रारम्भ करने की तिथिः–दिनांक 05.09.2025, उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथिः– दिनांक 19.09.2025, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथिः– दिनांक 19.09.2025, 15.00 बजे। निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

अधिशासी अभियन्ता / निर्माण / आर.एस.पी
मुजाधि / डब्लू–221 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

पत्रांक–752/15वाँ वि0आ0अनटॉइड / ई–टेण्डरिंग/2025–26 दिनांक–27–08–2025

ई–टेण्डरिंग/निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बेनीगंज हरदोई के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 मे 15वाँ वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। जो कि ई–टेण्डरिंग की वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक–28–08–2025 को अपरान्हं 01:00 PM से 17–09–2025 को 09 AM बजे तक उपलब्ध है जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं। दिनोंक–17–09–2025 को निविदा अधिशासी अधिकारी एवं अध्यक्ष नगर पंचायत बेनीगंज के समक्ष निविदा दाता की उपस्थिति में खोली जायेगी। धरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज के नाम बन्धक होगी। टेक्निकल बिड की समस्त नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर देखी जा सकती हैं। निविदा की समस्त कार्यवाही–www.etender.up.nic.in पर की जायेगी।

क्र0	नगर पंचायत बेनीगंज	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि एवं समय
1	Tender Release	-	28-08-2025 01 PM	17-09-2025 09 PM
2	-	Tender Download	28-08-2025 01 PM	17-09-2025 09 PM
3	-	Bid Submission	28-08-2025 01 PM	
4	Close of Bid	-	17-09-2025 09 PM	
5	Technical Bid Opening	-	17-09-2025 09 PM	
6	Finance Bid Opening	-	After Approval of Technical Bid	

(दिनेश कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

(शिवप्यारी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

कार्यालय–नगर पालिका परिषद, रायबरेली

पत्रांक: 1253/ न0पा0प0 रायबरेली/ई.ओ. – E-Tendring/2025–26 दिनांक: 27–08–2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद् रायबरेली द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य करने हेतु सम्बन्धित संस्था/व्यक्ति/फर्म से दिनांक 28.08.2025 से दिनांक 10.09.2025 तक सायं 05:00 बजे तक डबल विड आधारित (तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। अपलोड की गयी निविदा दिनांक 11.09.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे खोली जायेगी, जिसे www.etender.up.nic.in पर देखा जा सकता है व इससे सम्बन्धित समस्त कार्यवाही www.etender.up.nic.in पर ही की जायेगी। यदि निविदा की तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी। उक्त ई–निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यालय दिवस में नगर पालिका परिषद्, रायबरेली के स्वास्थ्य अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्नवत् है :–

टेण्डर शेड्यूल (www.etender.up.nic.in पर)

क्र0 सं0	नगर पालिका परिषद्, रायबरेली	फर्म/ठेकेदार	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अंतिम दिनांक एवं समय
1–	Tender Release		27/08/2025, 05:00 PM	
2–		Tender Download	28/08/2025, 10:00 AM	10/9/2025, 05:00 PM
3–		Bid Submission	28/08/2025, 10:00 AM	10/9/2025, 05:00 PM
4–	Bid Opening		11/09/2025, 11:00 AM	

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
रायबरेली।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
रायबरेली।

NOTICE

I Radhika Wife of Harbali yadav R/o Baghura Enampur Phariha Azamgarh UP Inform that my name Radhika Devi Wrongly Recorded in my son,s Service Record. My Correct name is Radhika.

NOTICE

I Harbali yadav Son of Ramdhari yadav R/o Baghura Enampur Phariha Azamgarh UP Inform that my name Harballi yadav Wrongly Recorded in my son,s Service Record. My Correct name is Harbali yadav.

सूचना

मै अनूप कनौजिया, निवासी बंगाली टोला, तेलीबाग, दिलकुशा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226002 का निवासी हूं। मेरी पुत्री का नाम कुछ दस्तावेज़ों में जाग्रति गलत लिखा है। सही नाम जागृति कनौजिया है। भविष्य में उसे जागृति कनौजिया के नाम से ही जाना और पहचाना जाय।

सूचना

मैंने अपने पुत्र विजय व पुत्रवधु सोनी के कुकृत्यों के चलते उनसे संबंध विच्छेद कर उन्हें अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य अथवा लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता न होगा। **–मौजीलाल पुत्र सुखलाल, निवासी ग्राम– मटुकरी, थाना–बेहटा मुजावर, तहसील–बांगरमऊ, जिला उन्नाव।**

सूचना

मैं **गायत्री देवी पत्नी घनश्याम निवासी पूरे अलावल अमारी बस्ती अमारी बाजार उत्तर प्रदेश 272155** की निवासी हूँ मेरे पास दो बैनामा पेपर है, जिसमे मेरे दो बैनामे में दो नाम अंकित है एक बैनामा पेपर में. मेरा नाम गायत्री देवी है। और दूसरे बैनामे पेपर में मेरा नाम जावित्री देवी है। ये दोनो नाम गायत्री देवी और जावित्री देवी दोनो नाम मेरा ही है। इस बात की पुष्टी मै सब के साथ करना चाहती है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम HENA KAUSAR W/O TARIQ EHTASHAM था। जो कि दिनांक 20/07/2025 को मैने अपना नाम बदलकर HENA KAUSER W/O TARIQ EHTASHAM रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी भिनगा रोड दरगाह शरीफ थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच।

सूचना

सूचित हो कि मैं **रजनी मौर्या पत्नी स्व0 अवधेश कुमार मौर्या, निवासिनी–531 हिन्द नगर, कानपुर रोड, एल0डी0ए0 कालोनी, लखनऊ–226012**, मेरा पुत्र अखिलेश मौर्या पुत्र स्व0 अवधेश कुमार मौर्या को अनैतिक चाल–चलन की वजह से अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। आज से मेरी समस्त चल व अचल सम्पत्ति में मेरे पुत्र का वास्ता एवं सरोकार नहीं रहेगा और उसका कोई भी अधिकार मेरी समस्त चल व अचल सम्पत्ति में नहीं होगा।

NOTICE

I, Mayadevi W/o-Janki Prasad, R/o-Mohalla Allauddin Pur , Makranad nagar Kannauj UP 209726 UID (5122 1579 2345).This is to inform to the public at large that my Son Ram Jee S/o Janki Prasad UID- (7582 0682 6468) R/o- Mohalla Allauddin Pur, Makranad nagar Kannauj UP. has severed all his family relations from my son namely Ram Jee disowned and debarred him from my all moveable and immoveable properties due to his, disrespectful behavior.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा यूपी बोर्ड हाईस्कूल वर्ष–2022 अनुक्रमांक–1221634899 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया हैं। **नाम– प्रियांशू मिश्रा पुत्र प्रमोद आर मिश्रा ग्राम–कटसारी खेमी का पुरवा, जनपद–सुलतानपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र मनोज कुमार के गलत हरकतों से तंग आकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके द्वारा किए गए कृत्यों से मेरा और मेरे परिवार के किसी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **पार्वती पत्नी रामेश्वर निवासी ग्राम दरबानीहार मजरे सराय दिलावर परगना व तहसील डलमऊ, जिला रायबरेली**

NOTICE

I Kanaka Mondal Wife of Shyamal Mondal R/o Hossain pur Roshana West Bengal Inform that my name Konaka Mondal Wrongly Recorded in my son,s Service Record. My Correct name is Kanaka Mondal.

सूचना

मेरा बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड पालिसी नं. – 0140185457 में मेरा नाम पूनम गुप्ता दर्ज है। जबकि अन्य सभी अभिलेखों में लक्ष्मी देवी अंकित है। दोनों नाम मेरे ही हैं। अब मुझे लक्ष्मी देवी पत्नी महेंद्र कुमार गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाये। लक्ष्मी देवी पत्नी महेंद्र कुमार गुप्ता,निवासी – नैठी पचवा अदालहत मिर्जापुर (उ.प्र.) 231302

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र का नाम दीपांशु पाल है जबकि उसके आधार कार्ड संख्या 849596595980 में त्रुटिवश पुत्र का नाम दीपू अंकित हो गया जो कि गलत है। अतः उसे दीपांशु पाल के नाम से ही जाना व पहचाना जाए। **–प्रमोद पाल पुत्र मौजीराम निवासी ग्राम फतेहपुर पो. उमर्दा परगना व तहसील तिर्वा, जनपद –कन्नौज**

सूचना

मैं ने अपना नाम HAIDARUN NISHA से बदल कर HAIDARI BEGAM रख लिया है अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। W/O- JUBER AHAMAD R/O:- 222, MAHARAJGANG TARAI TULSIPUR BALRAMPUR - 271205

सूचना

सूचित हो कि मैं **बालेश्वर सिंह पुत्र स्व0 राम चन्द्र सिंह निवासी मंगलमूर्ति पुरम, हंसखेडा पारा जिला लखनऊ पिन कोड 226011 उ0प्र0**, मेरे पुत्र युवराज सिंह YUVRAJ SINGH ने हाई स्कूल की परीक्षा 2018 में उत्तीर्ण की थी जिसका ROLL NO 5130627 है। मेरे पुत्र का हाई स्कूल प्रमाण पत्र वास्तव में कही खो गया है काफी खोजने का प्रयास किया परन्तु नहीं मिल सका।

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम मो कलीम पुत्र नंहे निवासी सेमरा पो. मोहम्मदपुर थाना कटरा बाजार गोंडा है। मेरे पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम कलीम दर्ज है। दोनों नाम मेरे ही हैं। मेरे वास्तविक नाम मो कलीम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के पुत्र के सभी शैक्षणिक अभिलेखों, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य सभी आवश्यक दस्तावेजों में उसका नाम नागेश द्विवेदी अंकित है जबकि मेरे पुत्र को लोग रूद्र द्विवेदी के नाम से जानते पहचानते हैं, अतः भविष्य में मेरे पुत्र को रूद्र द्विवेदी के नाम से ही जाना व पहचाना जाय। **प्रार्थी – दिवाकर द्विवेदी, पुत्र श्री रामचंद्र द्विवेदी, पता– वार्ड नं0 9, हनुमानगढ़ी, मुसाफिरखाना, अमेठी, उत्तर प्रदेश–227813**

सूचना

मैं, **मायादेवी पत्नी–जानकी प्रसाद, निवासी मोहल्ला अलाउद्दीन पुर, मकरंद नगर कन्नौज यूपी 209726 यूआईडी (5122 1579 2345)।** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र राम जी पुत्र जानकी प्रसाद यूआईडी–(7582 0682 6468) निवासी मोहल्ला अलाउद्दीनपुर, मकरंद नगर कन्नौज यूपी ने मेरे पुत्र राम जी से अपने सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं और उसके अपमानजनक व्यवहार के कारण उसे मेरी सभी चल और अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया है।

सूचना

सूचित हो कि मैं **रईस अहमद पुत्र स्व0 कल्लू, निवासी 21/3/26, लोकमान्य तिलक मार्ग, डालीबाग, थाना–हजरतगंज, लखनऊ,** मैने अपने पुत्र रिजवान अहमद का चाल–चलन ठीक न होने तथा अपनी मर्जी से शादी करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरे पुत्र द्वारा किये गये किसी भी कार्य का वह स्वंय ज़िम्मेदार होगा। उससे मेरा व मेरे परिवार से रिजवान अहमद के किये गये किसी भी कार्य से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

सूचना

सूचित हो कि मै **महेन्द्र नाथ भार्गव पुत्र स्व0 के0एन0 भार्गव निवासी म0नं0 878 सत्यम बिहार कल्यानपुर, कानपुर नगर व वर्तमान निवासी फ्लैट नं0–703 डायमण्ड टावर एन0आर0आई0 सिटी मैनावती मार्ग कानपुर नगर। मो0नं0– 9839487708**, मेरा पुत्र अभय भार्गव व उसकी पत्नी श्रीमती गीत शिखा जो कि आये दिन मेरे व मेरे परिवार के साथ गाली गलौज करते है एवं परेशान करते है। जिसके चलते मैं अपने पुत्र एवं पुत्रवधू के कृत्यों व अमर्यादित व्यवहार के चलते हर प्रकार के सम्बंध विच्छेद कर चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूॅ। अब मेरा व मेरे परिवार का उक्त लोगों के कृत्यों से कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं है इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के जिम्मेदार उपरोक्त लोग स्वयं होगे, मैं व अन्य परिवार किसी भी तरह से जिम्मेदार न होगे।

अमृत विचार

गुरुवार, 28 अगस्त 2025

बहुत कम लोगों के स्वभाव में होता है कि वे बिना ईर्ष्या के किसी समृद्ध मित्र का सम्मान करें।

-एशिलस, यूनानी नाटककार

आपदा के पहाड़ का टूटना

वैष्णो देवी धाम की आपदा अत्यंत दर्दनाक है। मृतकों की संख्या 31 तक पहुंच चुकी है और इसके और बढ़ने की आशंका है। इस भीषण भूस्खलन से पूर्व जम्मू में 24 घंटे के भीतर उतनी वर्षा हुई, जो पिछले 99 वर्षों में सर्वाधिक दर्ज की गई। तराना, ऊझ, तवी और चिना नदियों में आई भयंकर बाढ़ से तबाही का आलम है। यह सर्वविदित है और हर बार दोहराई जाने वाली कहानी भी कि मानसून आते ही विशेषकर मध्य जुलाई से सितंबर तक जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, बादल फटना और पहाड़ी नदियों में फ्लैश फ्लड जैसी प्राकृतिक आपदाएं आम हो जाती हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन का निष्कर्ष है कि इन घटनाओं की आवृत्ति और उनकी विनाशक क्षमता हर वर्ष बढ़ रही है।

पिछले पखवाड़े भर में ही एक से एक भीषण दुर्घटनाएं घटी हैं, परंतु सामान्यतः केवल वे घटनाएं ही सुर्खियों में आती हैं, जिनमें जान-माल का अत्यधिक नुकसान हो, जैसे- धराली या जम्मू की हफ्ते भर पहले घटी विनाशकारी आपदाएं, अन्यथा इनकी सूचना प्रायः समाचार परिदृश्य से बाहर ही रह जाती है। प्रश्न यह उठता है कि क्या भूस्खलन, बादल फटना और फ्लैश फ्लड जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं है? क्या कुदरत के इस कहर के आगे सब बेबस हैं और इसलिए हम साल-दर-साल इन्हें केवल होते हुए देखते रहने और राहत बांटने तक ही सीमित रहते हैं और आगे भी इसी स्थिति में बने रहेंगे?

सच यह है कि विज्ञान और नवीनतम तकनीक के पास कुदरत के ऐसे कहर को पूरी तरह रोकने या उनका बहुत पहले ही अनुमान लगाने, घोषणा करने की शक्ति भले न हो, पर इस ओर संकेत कर इसके नुकसान को न्यून करने और भविष्य सुरक्षित करने के कारगर उपाय अवश्य हैं।

नमी, ताप और वर्षा के समीकरणों का परस्पर संबंध हम पहले ही पहचान चुके हैं। हमारे पास उन्नत मौसम विज्ञान, विज्ञानी, उपग्रह मौजूद हैं। ऐसे में पैटर्न और संवेदनशील इलाकों का विश्लेषण कर उन्हें पहले से चिह्नित करना कठिन नहीं है। यदि आशंकित स्थानों को पहचानकर वहां पहले से सतर्कता बरती जाए और लोगों को सचेत किया जाए, तो आपदा से पूर्व और पश्चात होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सकता है।

बारिश और उसके बाद भूस्खलन को पूरी तरह रोकना निःसंदेह कठिन है, परंतु रडार प्रणाली, सूचना-संचार प्रौद्योगिकी, उपग्रह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर, सेटेलाइट इमेजिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों से इन स्थितियों का आंशिक पूर्वानुमान लगाकर लोगों को सचेत तो कर ही सकते हैं और इसके अनुरूप व्यवस्था को भी चुस्त-दुरुस्त बनाया जा सकता है, जिससे तबाही कम की जा सके।

हालांकि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं होगी, जब तक सरकारें इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठातीं। क्रियान्वयन, चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करना, राहत तंत्र को प्रभावी बनाना और पहाड़ों पर अनियंत्रित निर्माण और पर्यावरण विनाश पर रोक लगाने की नीति अपनाना अनिवार्य है। यदि सरकारें इस सच्चाई को स्वीकार कर तकनीक को जमीन पर उतारें, तो निःसंदेह यह आपदा-निवारण में एक मजबूत ढाल साबित होगी।

क्या फूटने वाला है AI का बुलबुला!

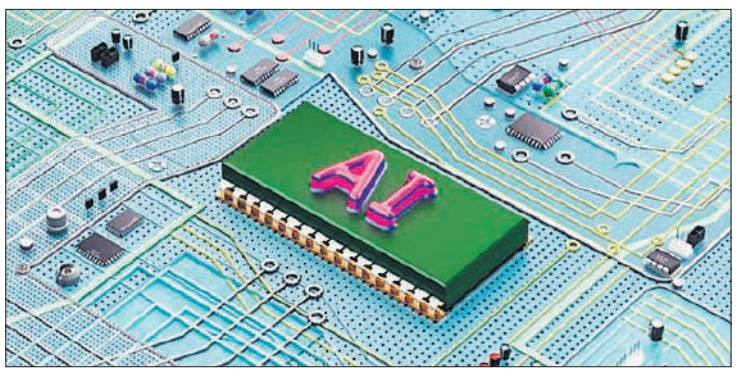

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जेनएआई आज हर तरफ चर्चा का विषय है। यह तकनीक जीवन और कामकाज के हर पहलू पर दस्तक दे रही है। दफ्तरों में, अखबारों में, स्कूल-कॉलेजों में इसकी बातें हो रही हैं। कोई इसे भविष्य का सबसे बड़ा वरदान मान रहा है तो कोई इसे नौकरी निगलने वाला राक्षस कह रहा है, लेकिन हाल ही में विश्वविख्यात संस्थान मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) की एक रिपोर्ट ने इस शोर-शराबे के पीछे छुपी एक सच्चाई को उजागर किया है। एमआईटी के हालिया विश्लेषण के सार के अनुसार तकनीक को अपनाने की गति तेज है, लेकिन उद्यम-स्तर पर मापन योग्य आर्थिक लाभ फिलहाल सीमित दिखाई देते हैं, कई पायलट प्रोजेक्ट उत्पादन-स्तर तक नहीं पहुंच रहे। लगभग पांच प्रतिशत ही ने वास्तविक राजस्व या ठोस लाभ दिया।

यह तस्वीर जितनी आश्चर्यजनक है, उतनी ही शिक्षाप्रद भी। यह केवल एक तकनीकी असफलता नहीं है, बल्कि नेतृत्व, रणनीति और सामाजिक तैयारी की असफलता का आईना है। कंपनियों ने एआई को एक साधन की तरह नहीं, बल्कि लक्ष्य की तरह देखा। बिना यह समझे कि कौन-सी समस्या हल करनी है, उन्होंने एआई का झंडा उठा लिया।

नतीजा यह हुआ कि पायलट प्रोजेक्ट आकर्षक डेमो तक सीमित रहे और जैसे ही उन्हें वास्तविक कामकाज में उतारा गया, वे बिखर गए। आज चैटजीपीटी, पर्प्लेक्सिटी, जेमिनी, डीपसीक जैसे तमाम साधन हर किसी की जेब तक पहुंच चुके हैं। लोग आवश्यकतानुसार इनका प्रयोग कर अपने छोटे-छोटे काम निपटा रहे हैं। ईमेल लिखना हो, किसी प्रस्ताव का प्रारूप बनाना हो, या भाषण की शुरुआत चाहिए हो, एआई मददगार साबित हो रहा है।

एमआईटी की हाल में आई रिपोर्ट ने AI पर बड़ा खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक AI के 95 फीसदी पायलट प्रोजेक्ट नाकाम साबित हुए हैं।

जब वही कंपनी औपचारिक तौर पर इसे अपनाती है, तब मुश्किलें सामने आ जाती हैं। एआई से जब किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को संभालने के लिए कहा जाता है तो अकसर यह अस्थिर हो जाता है। एआई की बुद्धिमत्ता उतनी ही है, जितना उसका प्रशिक्षण। अधूरा, पक्षपाती या गलत डेटा किसी भी मॉडल को गुमराह कर देता है। कई बार यह ऐसे तथ्य गढ़ देता है, जो अस्तित्व में ही नहीं होते। इसी कारण हम बार-बार 'एआई हैलुसिनेशन' जैसी स्थिति देखते हैं, एक ऐसी स्थिति जब चैटबॉट आत्मविश्वास से भरा हुआ उत्तर देता है, लेकिन तथ्य पूरी तरह गलत निकलते हैं।

उदाहरण के लिए किसी समाचार घटना को गढ़ देना। किसी रिसर्च के ऐसे रेफ्रंस बना देना, जो अस्तित्व में ही नहीं है। किसी रोग के इलाज के बारे में झूठ बोलना या वित्तीय आंकड़े तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना। ये सब उसी की उपज हैं। मशीन का लहजा इतना सधा हुआ और आत्मविश्वास से भरा होता है कि झूठ भी सच लगने लगता है। आम नागरिक इसे बिना परखे मान लेते हैं और ऐसे मामलों में यह जोखिम केवल हास्यास्पद नहीं बल्कि खतरनाक हो सकता है।

यही कारण है कि साधारण बातचीत या प्रारूप तैयार करने जैसे कामों में एआई उपयोगी है, मगर जटिल, संवेदनशील या दीर्घकालिक कार्यों में लोग अब भी इंसानों को प्राथमिकता देते हैं। रिपोर्ट में साफ दिखा कि जटिल प्रोजेक्ट्स के लिए उपयोगकर्ता अधिकांशतः इंसान को चुनते हैं। यह बताता है कि तकनीक पर भरोसा अभी अधूरा है। इस बीच एक और दिलचस्प प्रवृत्ति सामने आई है, जिसे रिपोर्ट ने 'शैडो एआई' कहा गया है। कर्मचारी निजी स्तर पर एआई का इस्तेमाल तो कर रहे हैं, लेकिन संस्थागत ढांचे में यह दर्ज ही नहीं है। इससे एक ओर तो उपयोगिता का संकेत मिलता है, दूसरी ओर सुरक्षा का संकट खड़ा होता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी गोपनीय अनुबंध की कॉपी चैटजीपीटी में डाल देता है और उससे सारांश बनाने को कहता है। तब यह जानकारी उस एआई कंपनी के सर्वर पर चली जाती है, जहां से उसका दुरुपयोग संभव है। संगठनों को इस 'शैडो' उपयोग को रोकने के बजाय औपचारिक ढांचे में लाना चाहिए, ताकि कर्मचारी सुरक्षित ढंग से और नियंत्रित टूल्स से अपने काम आसान बना सकें।

यहां पर एक और भ्रांति का अंत करना जरूरी है। कई लोग मानते हैं कि एआई को अपनाने में सबसे बड़ी बाधा डेटा की गुणवत्ता या कानूनी पेच है, जबकि सच्चाई यह है कि मौजूदा एआई टूल्स की आंतरिक संरचना ही सीखने और स्मृति की क्षमता से वंचित है। यही वजह है कि वे बार-बार एक ही गलती दोहराते हैं। जब तक एआई सिस्टम्स को इस तरह से विकसित नहीं किया जाएगा कि वे अनुभव से सीखें, तब तक वे मानव-स्तरीय भरोसेमंद सहायक नहीं बन पाएंगे, इसीलिए भविष्य का रास्ता 'एजेंटिक एआई' से होकर जाता है, जिसमें स्मृति हो, संदर्भ को पकड़ने की क्षमता हो और समय के साथ सुधरने की प्रवृत्ति हो।

भारत के लिए सवाल और भी बड़े हैं। सरकार ने एआई को शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में लागू करने की महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं, लेकिन हमारे यहां डेटा बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है। यदि इसे सुधारे बिना एआई का प्रयोग होगा तो यह उल्टा नुकसान करेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के सामने भी यही चुनौती है। वे केवल डेमो तक सीमित न रहें, बल्कि ग्राहकों को वास्तविक, टिकाऊ समाधान दें। अंततः यह साफ है कि एआई का शोर जितना बड़ा है, वास्तविक प्रभाव अभी उतना गहरा नहीं हुआ है।

सोशल फोरम

गरीब एस्किमो ने सिखाया चीजें किसी की नहीं होतीं

एक फ्रेंच यात्री ध्रुवीय इलाके में गया। वहां उसने देखा, बहुत गरीब हैं एस्किमो। गरीब से भी गरीब, लेकिन शायद उनसे संपन्न आदमी पाना भी बहुत मुश्किल है। उस फ्रेंच लेखक ने लिखा है कि मैंने उनसे ज्यादा समृद्ध लोग नहीं देखे। फ्रेंच को पता नहीं था कि यहां रिवाज क्या है, यहां का हिसाब क्या है? किसी एस्किमो से उसने कह दिया कि तुम्हारे जूते तो बहुत खूबसूरत है! उसने तत्काल जूते भेंट कर दिए। उसके पास दूसरी जोड़ी नहीं है।

अखिलेश तिवारी

वरिष्ठ पत्रकार

बर्फीली जगह है, नंगे पैर चलना जीवन को जोखम में डालना है, लेकिन यह सवाल नहीं है। दो-चार दिन बाद उसे बड़ी हैरानी हुई कि वह जिससे भी कुछ कह दे कि यह चीज बड़ी अच्छी है, वह तत्काल भेंट कर देता है। तब उसे पता चला कि एस्किमो मानते हैं कि जो चीज किसी को पसंद आ गई है, वह उसकी हो गई।

उसने पूछा कि इसको मानने का कारण क्या है? तो जिस वृद्ध से उसने पूछा, उस वृद्ध ने कहा, इसके दो कारण हैं, एक तो चीजें किसी की नहीं होतीं, वह बस चीजें हैं। दूसरा, यह मानने का कारण है कि जिसके पास है, उसके लिए तो अब व्यर्थ हो गई है। जिसके पास नहीं है, वह सम्मोहित हो रहा है। अगर उसे न मिले तो उसका सम्मोहन लंबा हो जाएगा, उसे तत्काल दे देना जरूरी है, ताकि उसका सम्मोहन टूट जाए। तीसरा कारण यह है कि जिस चीज के हम मालिक हैं, उसकी मालकियत का मौका ही तभी आता है, जब हम किसी को देते हैं। नहीं तो कोई मौका नहीं आता।

चीजों का होना, आपको गृहस्थ नहीं बनाता। चीजों का पकड़ना आपको गृहस्थ बनाता है। ये एस्किमो संन्यासी हैं। साधु हैं, जिसे हम साधु कहते हैं, अगर उसके भीतर हम झांकें तो वहां संग्रह मौजूद रहता है। बना रहता है, तो फिर वह गृहस्थ है। बाहर से आप क्या हैं? यह बहुत मूल्य का नहीं है। भीतर से आप क्या हैं, यही मूल्य का है। भीतर से आप क्या हैं? यह आपके अतिरिक्त कौन जानेगा? कैसे जानेगा?

सदा अपने भीतर पर एक आंख रखनी चाहिए। निरीक्षण की, कि मैं भीतर से क्या हूं! चीज को पकड़ता हूं? चीज मूल्यवान है बहुत? चीज न होगी तो मैं मर जाऊंगा। मिट जाऊंगा। मैं चीजों का एक जोड़ हूं, तो मैं गृहस्थ हूं। फिर भाग कर जंगल में जाने से कुछ भी न होगा। फिर इस गृहस्थ होने की भीतरी व्यवस्था को तोड़ना पड़ेगा। संन्यासी होना एक आंतरिक क्रांति है। यह भीतर घटित हो जाए, तो फिर बाहर वस्तुएं हों या न हों, गौण है।

प्रसंगवश

जलवायु परिवर्तन में असहाय खड़ा मानव

जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्या है, जिससे पूरी दुनिया प्रभावित है। भारत जैसे देश में इसका असर और भी ज्यादा दिखाई दे रहा है। सरल शब्दों में कहें तो पृथ्वी का मौसम बदल रहा है और मानव असहाय है। पहले मौसम की भविष्यवाणी आसान थी, अब यह अप्रत्याशित हो गई है। अचानक तेज बारिश से बाढ़ आ जाती है, तो कभी सूखा पड़ जाता है। यह सब इंसानी गतिविधियों की वजह से हो रहा है। प्रदूषण और जंगलों की कटाई ने ग्रीन हाउस गैसों को बढ़ा दिया है। इससे पृथ्वी गर्म हो रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्षों में वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह 2100 तक तीन डिग्री तक बढ़ सकता है।

सतेंद्र

लेखक

यह एक दम साफ है कि जलवायु परिवर्तन का कारण इंसान है। हम कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन जलाते हैं, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं। भारत में बिजली बनाने के लिए अभी भी 75 प्रतिशत कोयले पर निर्भरता है, जो प्रदूषण का बड़ा स्रोत है। जंगलों की कटाई भी एक बड़ा कारण है। जंगल कार्बन को सोखते हैं, लेकिन जब हम उन्हें काटते हैं तो ये गैसें और बढ़ जाती हैं। पिछले कुछ सालों में जंगली आग ने और नुकसान पहुंचाया है, जिससे कार्बन सोखने की क्षमता तकरीबन 25 प्रतिशत कम हो गई है। विश्व मौसम संगठन कहता है कि 2024 अब तक का सबसे गर्म साल था और 2025 में यह सिलसिला जारी है।

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव साफ दिख रहे हैं। भारत में बादल फटने और बाढ़ से सैकड़ों जानें इस साल जा चुकी हैं। यूरोप में गर्मी से हजारों लोगों की मौत हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि गर्मी से 3.6 अरब लोग प्रभावित हो सकते हैं। खाने की सुरक्षा भी खतरे में है, क्योंकि सूखा और बाढ़ फसलों को बर्बाद कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 में संघर्ष, आर्थिक समस्याएं और मौसम की मार से करोड़ों लोग भुखमरी की कगार पर हैं। जैव विविधता भी कम हो रही है। 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। आर्थिक नुकसान भी बढ़ा है। विश्व बैंक कहता है कि 2030 तक वैश्विक जीडीपी में 2.7 ट्रिलियन डॉलर की कमी आ सकती है।

भारत की जीडीपी का एक तिहाई हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है और साल 2100 तक 10 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। भारत में जलवायु परिवर्तन का असर सबसे ज्यादा है। 2025 में जनवरी सबसे गर्म महीना रहा। तापमान 1.5 डिग्री ऊपर पहुंचा। दिल्ली में जून में 43 डिग्री, कोलकाता में 39 डिग्री तापमान ने लोगों को परेशान किया। पानी की कमी बड़ी समस्या है। पश्चिम बंगाल में 40 प्रतिशत कुएं सूख गए। असम में 30 प्रतिशत, कोलकाता में भूजल 15 प्रतिशत नीचे गिरा। 54 प्रतिशत भारत जल संकट में है।

इन समस्याओं से निपटने के लिए दुनिया भर में प्रयास हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर 2025 में ब्राजील में सीओपी-30 सम्मेलन होने वाला है, जहां उत्सर्जन कम करने पर बात होगी। भारत ने 2030 तक 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है और 2070 तक नेट जीरो का वादा किया है। समाधान के रूप में, जंगलों की रक्षा करें, वर्षा जल संचयन बढ़ाएं, शहरों में हरे क्षेत्र बनाएं। किसानों के लिए गर्मी सहने वाली फसलें विकसित करें। शिक्षा में जलवायु परिवर्तन को शामिल करें। सरकार, लोग और कंपनियां मिलकर काम करें। जलवायु परिवर्तन हमारी जिम्मेदारी है। अगर हम अब नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी।

आमने सामने

लालू प्रसाद की धरती अपनी आंखों में आग लेकर मेरा स्वागत कर रही है, इसकी मिट्टी पर हर चुराए गए वोट का बोझ है। मैं उस 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुआ, जो लोगों के दर्द को ताकत में बदल देती है।

-एमके स्टालिन, मुख्यमंत्री, तमिलनाडु

मैं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चुनौती देता हूं। आपके रिश्तेदार और द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने कहा था कि बिहारी तमिलनाडु में टॉयलेट साफ करते हैं, क्या आप वहां यह बात कह सकते हैं?

-नारायण तिरुपति, तमिलनाडु के भाजपा प्रवक्ता

उड़ानों का शोर और सुरक्षा की खामोशी

जय प्रकाश पांडेय

मैनेजर, ओएनजीसी देहरादून

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि यह अपने भीतर गहरी विसंगतियों को भी सहजता से आत्मसात कर लेता है। एक ओर हम अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भागीदारी का दावा करते हैं और दूसरी ओर परिवहन, पर्यटन और संस्कृति की संसदीय स्थायी समिति यह बताती है कि हमारे पास अपने ही आकाश की निगरानी के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं। डीजीसीए में रिक्त पद और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों की कमी को समिति ने एक गंभीर जोखिम बताया है, लेकिन इस गंभीरता का प्रभाव हमारे सार्वजनिक जीवन पर वैसा ही रहा जैसा अन्य सैकड़ों चेतावनियों का होता है, कुछ सुर्ख़ियां, कुछ राजनीतिक बयान और फिर हर तरफ एक मौन।

यह मौन ही असली व्यंग्य है। देश उस खामोशी में उड़ रहा है, जहां विमानों से ज्यादा शोर है और उन्हें देखने वाले कम। हवाई यातायात की सुरक्षा कोई कविता नहीं है, यह गणित है। हर सेकंड, हर हजार फीट, हर डिग्री का सटीक हिसाब यहां जरूरी है। एक मामूली सी त्रुटि भी सैकड़ों जिंदगियों को संकट में डाल सकती है।

विकसित देशों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को उस अदृश्य संचालक में बदल दिया है, जो आकाश के अराजक शोर को भी अनुशासित संगीत में बदल देता है, लेकिन भारत में यह अनुशासन अपूर्ण और लचर नजर आता है, जहां पांच सौ लोगों की आवश्यकता है, वहां दो सौ ही उपलब्ध हैं। यह वैसा ही है जैसे विशाल मंच पर सैकड़ों वाद्ययंत्र एक साथ बज रहे हों और संचालक के पास केवल आधे संकेत हों। संगीत कब शोर में बदल जाएगा, कोई नहीं जानता।

संसद की समिति ने चेतावनी दी। रिपोर्ट रखी गई। गंभीर स्वर में बयान हुए और फिर सब सामान्य हो गया। यही हमारे लोकतंत्र की विडंबना है, यह अपनी ही चेतावनियों से चौंकता नहीं। रिपोर्टें यहां भविष्य की दुर्घटनाओं की प्रतीक्षा-पत्रिका बन जाती हैं, जब तक कोई हादसा न हो, तब तक किसी चेतावनी को गंभीरता से लेना हमारे स्वभाव में शामिल नहीं है। तकनीक की कमी नहीं है, राडार हैं, उपकरण हैं, नियम भी हैं, लेकिन अनुपस्थित है तो वो है प्रशिक्षित मानव संसाधन और प्राथमिकताएं।

नई एयरलाइंस को अनुमति मिल रही है, नए रूट खुल रहे हैं, टर्मिनल चमक रहे हैं, पर उन रूटों की सुरक्षा देखने वाले लोगों की भर्ती वर्षों से रुकी हुई है। यह वैसा ही है, जैसे किसी शहर में नई सड़कें तो लगातार बनती जाएं, लेकिन ट्रैफिक सिग्नल लगाने वाला विभाग गहरी नींद में सोता रहे। यह रिक्त कंट्रोल टॉवर केवल विमानन की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन का प्रतीक है।

चमकदार रनवे और भव्य टर्मिनल दिखाकर हमने आधुनिकता का भ्रम रचा है, लेकिन सबसे मूलभूत आवश्यकता अनुशासन और सुरक्षा को हाशिये पर रखा है। कभी-कभी भारत का विकास मॉडल दिखने में आधुनिक और भीतर से खोखला, ऐसे विरोधाभासों से भरा हुआ नजर आता है।

हमारी परंपरा रही है कि प्रत्येक संकट पहले समिति की रिपोर्ट के रूप में आता है और फिर दुर्घटना के रूप में। रिपोर्टें आंकड़ों का संकलन होती हैं, दुर्घटनाएं आंकड़ों का शोकगीत और दुखद यह है कि दोनों के बीच कोई ठोस कार्रवाई की परंपरा नहीं है।

विमानन सुरक्षा पर संसदीय समिति की चेतावनी को केवल तकनीकी मामला नहीं माना जाना चाहिए, यह देश की शासन-प्रणाली का आईना है। हम चमकते टर्मिनलों और विज्ञापनों से प्रभावित होते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि विमानन का वास्तविक आधार वे अदृश्य लोग हैं, जो कंट्रोल टॉवर में बैठकर हर सेकंड को गिनते हैं। आज उन टॉवरों में कमी है और यही हमारी असली चिंता होनी चाहिए, क्योंकि यदि आकाश में अनुशासन टूटता है तो वह केवल एक दुर्घटना नहीं होगी, बल्कि यह प्रमाण होगा कि हमने आधुनिकता के नाम पर केवल सजावट खरीदी, सुरक्षा नहीं।

जब डीजीसीए में स्वीकृत 1063 पदों में से केवल 553 पर ही लोग हों, जब गिने-चुने नियंत्रक अपनी सीमा से परे काम करने को बाध्य हों और जब समाधान महज 190 नई नियुक्तियों तक सीमित हो, तो संसद की समिति का 'अस्तित्वगत संकट' कहना किसी उपमा का नहीं, एक सख्त हकीकत का बयान है। चमकदार विज्ञापनों और नए रूटों से भले आभास बने, पर अनुशासन का सच उन रिक्त कुर्सियों में दर्ज है।

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति की संसदीय स्थायी समिति ने डीजीसीए में रिक्त पद और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों की कमी को गंभीर जोखिम बताया है।

सामयिकी

ग्रामीण उद्योगों की सांसें बचा सकते हैं लोक मेले

राजस्थान सरकार ने हाल ही में 'विकसित राजस्थान 2047' विजन डॉक्यूमेंट को मंजूरी दी है। इसमें राज्य को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य न केवल बड़े औद्योगिक निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर निर्भर करेगा, बल्कि ग्रामीण समाज की भागीदारी भी इसमें महत्वपूर्ण है।

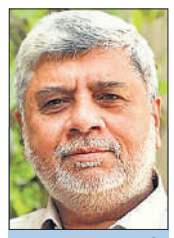

अमरपाल सिंह वर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

सरकार गांवों के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाने की इच्छुक है। यह सोच दूरदर्शी है। बड़ा सवाल है कि इसे जमीन पर उतारने का व्यावहारिक रास्ता क्या है? अगर सरकार की सोच धरातल पर उतरती है तो गांवों में रोजगार को खूब बढ़ावा मिल सकता है। गांवों की महिलाएं बुनाई, कताई और कढ़ाई में माहिर हैं।

हजारों परिवार पीढ़ियों से खादी, हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की कलाकृतियां या अन्य घरेलू उद्योग चला रहे हैं, उनकी बिक्री न के बराबर है। गांवों के कुटीर उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं थे, वे हमारी संस्कृति और आत्म निर्भरता की पहचान थे, लेकिन बाजार की अनुपलब्धता के कारण ग्रामीण कुटीर उद्योग कमजोर पड़ रहे हैं। बड़ी तादाद में लोग गांव छोड़कर शहरों का रुख कर रहे हैं।

प्रश्न उठता है कि इसका समाधान क्या है? इस प्रश्न का उत्तर कहीं न कहीं राजस्थान मेला आयोजक संघ के सचिव जगराम गुर्जर के सुझाव में छिपा है। गुर्जर तीन दशक से लोक मेले आयोजित कर रहे हैं। उनका कहना है कि विभिन्न धार्मिक, पर्यटन महत्व के स्थानों सहित अकेले राजस्थान में ही सौ से अधिक लोक मेले हर साल आयोजित होते हैं और देश भर में इनकी संख्या हजारों में है। इन मेलों में हजारों लोग खरीदारी के लिए आते हैं। ऐसे में अगर राज्य के ग्रामीण कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, खादी और ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों को मेलों में मंच दिया जाए तो कारीगरों को खरीदार और पहचान दोनों मिल सकते हैं। गुर्जर का यह सुझाव इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि ग्रामीण उत्पादों की सबसे बड़ी समस्या बाजार का अभाव है। अगर ग्रामीणों को इन लोक मेलों में जोड़ दिया जाए तो उन्हें उत्पाद बेचने के लिए बड़ा अवसर मिल सकता है। स्थानीय से वैश्विक तक का सफर इस जरिए से शुरू किया जा सकता है।

सरकार को गांवों के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए चरणबद्ध रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले जरूरी है कि किसी जिले के उत्पाद को उसी जिले में पहचान दिलाई जाए। उसके बाद बड़े मेलों के माध्यम से उसे अन्य जिलों तक पहुंचाया जाए। जब राज्य भर में ब्रांड वैल्यू बने तो उसे राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया जाए और अंततः उसी ब्रांड को वैश्विक बाजार में उतारा जाए। यानी वैश्विक पहचान का रास्ता स्थानीय पहचान से होकर ही जाता है।

इस काम में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। केवल विजन डॉक्यूमेंट में बड़े लक्ष्य लिख देने से कुछ नहीं होता। जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से गांवों के हस्त शिल्पियों, कारीगरों और बुनकरों का सर्वे कराना चाहिए। उनकी सूची बनाकर उन्हें मेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित और सहयोग करना चाहिए। राज्य में लगने वाले मेले महज उत्सव नहीं हैं, वे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को गति देने का सर्वसुलभ बाजार साबित हो सकते हैं। गांवों के उत्पादों को ग्लोबल बनाने का संकल्प सराहनीय है, लेकिन यह सपना तभी साकार होगा जब सरकार और समाज मिलकर ग्रामीण उद्योगों को स्थानीय से वैश्विक तक की यात्रा तय करने में सहयोग दें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

शोध, नवाचार और विकास की नई उड़ान से बनाई

ग्लोबल पहचान

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) देश के उन अग्रणी विश्वविद्यालयों में है, जो शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। विश्वविद्यालय छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बना रहा है, और इनोवेशन, रिसर्च तथा सामाजिक जिम्मेदारी का केंद्र बन चुका है। शिक्षा की गुणवत्ता, रिसर्च कार्य और नए कोर्सों ने इसे न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत में पहचान दिलाई है। हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे इसे भविष्य की ग्लोबल एजुकेशन की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर रही हैं।

यूजीसी के शोधगंगा पोर्टल पर देश में दूसरा स्थान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के शोधगंगा पोर्टल पर सीएसजेएमयू ने शानदार प्रदर्शन किया है। देश के 840 विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा अपलोड की गई लगभग 6.20 लाख थीसिस में से सीएसजेएमयू ने 10,279 शोध कार्य अपलोड करके देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि सीएसजेएमयू की रिसर्च कैपेसिटी और क्वालिटी का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय में संचालित स्कूल

- अटल बिहारी बाजपेई स्कल ऑफ लीगल स्टडी
- स्कूल्स ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नलाजी
- स्कूल ऑफ बेसिक साइंस
- स्कूल ऑफ आर्टस, ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइंस
- स्कूल ऑफ क्रिएटिव एंड परफार्मिंग आर्टस
- स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट
- स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस
- स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट
- स्कूल ऑफ लैंग्वेज
- स्कूल आफ लाइफ साइंस बायोटेक्नॉलोजी
- स्कूल आफ फार्मास्युटिकल साइंस
- स्कूल ऑफ टीचर एजुकेशन

इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक पहल

सीएसजेएमयू न केवल शिक्षा और शोध बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर भी जोर दे रहा है। परिसर में आधुनिक स्टेडियम, नया हॉस्टल, जिम और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ तैयार की गई हैं। विश्वविद्यालय ने 17,500 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है।

इनोवेशन, तकनीक, स्वास्थ्य और भाषा के क्षेत्र में करियर बेस्ड कोर्स

- सीएसजेएमयू ने 2025-26 शैक्षिक सत्र में कई नए और उन्नत पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है। इन पाठ्यक्रमों से छात्रों को अपनी रुचि और करियर के अनुसार नई दिशा मिलेगी। बेसिक विज्ञान विभाग में कुछ नए एमएससी कोर्स जैसे गणित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान में स्थिरता और शासन, रसायन विज्ञान में सुगंध और स्वाद विज्ञान, और भूगोल में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग छात्रों को उन्नत तकनीक और अनुसंधान से जोड़ेंगे। इसके साथ ही, वैदिक गणित जैसे प्रमाणपत्र कोर्स भी उपलब्ध हैं।
- स्वास्थ्य विज्ञान विभाग में ऑपरेशन थिएटर तकनीक, ऑप्टोमेट्री, और चिकित्सा रेडियोलॉजी और इमेजिंग तकनीक जैसे पाठ्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा देंगे। बीएससी और एमए क्लिनिकल मनोविज्ञान भी यहां उपलब्ध है, जो मानसिक स्वास्थ्य में करियर बनाने का मौका देते हैं। भाषा और शिक्षा विभाग में स्पेनिश, मंदारिन, जैन दर्शन, प्राकृत और शिक्षक शिक्षा में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और डिजिगोगी जैसे पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- विधि विभाग में एलएलएम (1 वर्ष) का पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इसके अलावा, आईआईटी कानपुर के सहयोग से साइबर सुरक्षा व्यावसायिक कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध कराया गया है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को तकनीकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, और भाषा के क्षेत्र में नए और बेहतर करियर अवसर प्रदान करेंगे।

44 कोर्स हैं संचालित

7653 सीटों पर प्रवेश

पेटेंट और स्टार्टअप इकोसिस्टम

- सीएसजेएमयू ने अब तक 300 से अधिक पेटेंट दर्ज कराए हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और शिक्षकों के नवाचार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। कैंपस में तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप इकोसिस्टम छात्रों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित कर रहा है। आने वाले समय में यह इकोसिस्टम कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार और विकास का नया केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

एल्युमनी हैं उत्कृष्टता की धरोहर

- सीएसजेएमयू देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई प्रमुख व्यक्तित्व का शिल्पकार है। इनमें से एक हैं राम नाथ कोविंद, जो भारत के 14वें राष्ट्रपति बने। उनका सरल जीवन और संघर्षपूर्ण यात्रा विश्वविद्यालय की नीतियों और नेतृत्व के मार्गदर्शन को दर्शाता है। पूर्व प्रधानमंत्री, अटल बिहारी वाजपेयी भी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। ये विभूतियां न केवल प्रेरणा स्रोत हैं, बल्कि सीएसजेएमयू की गुणवत्ता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक भी हैं।

उद्योग और रक्षा क्षेत्र से सहयोग

- विश्वविद्यालय ने शोध और तकनीक के क्षेत्र में कई उद्योगों और रक्षा संबंधी संस्थानों के साथ हाथ मिलाया है। हाल ही में त्रिपाठी एयरोटेक के साथ ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक पर काम करने के लिए एमओयू साइन किया गया। इसके अलावा आईआईटी कानपुर के साथ साइबर सुरक्षा कोर्स की शुरुआत विश्वविद्यालय की बड़ी पहल है। यह कदम छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ स्टार्टअप और इनोवेशन की दिशा में प्रेरित करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और पहचान

- विश्वविद्यालय लगातार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित ग्लोबल बिज़नेस समिट और अमेरिका की लुइसविल यूनिवर्सिटी के व्याख्यानों ने छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण दिया। विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ रही है और अनेक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू के जरिए शोध व अध्ययन के साथ विश्वविद्यालय रोजगार के नए अवसर बना रहा है।

लेखक
डॉ.विशाल शर्मा
*असिस्टेंट प्रोफेसर
हेड डिपार्टमेंट ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन
सीएसजेएमयू कानपुर*

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक में अधिकारी बनने का मौका

- कुल पद 750
- आयु सीमा 20 से 30 वर्ष
- अंतिम तिथि 4 सितंबर

योग्यता – मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
आवेदन वेबसाइट punjabandsindbank.co.in

राजस्थान लोक सेवा आयोग में सीनियर टीचर ग्रेड-2

- कुल पद 6500
- अंतिम तिथि 17 सितंबर

योग्यता – हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू, पंजाबी, सिंधी और गुजराती विषय में स्नातक तथा बीएड डिग्री
वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in

बीएसएफ में बनें हेड कांस्टेबल

- कुल पद 1121
- अंतिम तिथि 23 सितंबर

वेबसाइट rectt.bsf.gov.in
योग्यता – हेड कांस्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) –12वीं कक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री और गणित विषय में 60% अंक। रेडियो मैकेनिक के लिए 10वीं उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट

रेलवे में अप्रेंटिस के लिए करें आवेदन

- कुल पद 2865

योग्यता – 10वीं परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट।
आयु सीमा- 15 से 24 वर्ष
अंतिम तिथि – 29 सितंबर
आवेदन – wcr.indianrailways.gov.in

नेवल डॉकयार्ड में अप्रेंटिस का मौका

आवेदन शुरू- एक सितंबर से
अंतिम तिथि – 21 सितंबर
योग्यता – किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में आईटीआई (एनसीवीटी/एससीवीटी) के साथ 8वीं, 10वीं पास
आयु सीमा – न्यूनतम आयु 14 वर्ष
आवेदन : पोर्टल www.joinindiannavy.gov.in पर

काम की बात

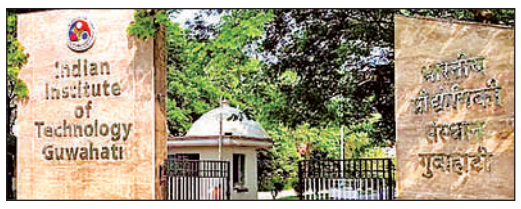

गेट के लिए रजिस्ट्रेशन 28 सितंबर तक परीक्षा अगले वर्ष फरवरी में

- आईआईटी गुवाहाटी ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2026 के लिए पंजीकरण तिथि बदल दी है। गेट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन अब 28 अगस्त से शुरू होकर 28 सितंबर तक चलेंगे। विलंब शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर रहेगी। उम्मीदवारों को पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा, जिसमें व्यक्तिगत और शैक्षणिक विवरण भरना, दस्तावेज अपलोड करना और आवेदन शुल्क भुगतान शामिल है। परीक्षा 7, 8, 14 और 15 फरवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी। सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 2000 रुपये और महिला/एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 1000 रुपये है। गेट-2026 परीक्षा 30 टेस्ट पेपरों वाली कंप्यूटरआधारित परीक्षा होगी।

एकेटीयू ने बीटेक अंतिम वर्ष छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, इंडस्ट्री में काम और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए ऑनलाइन क्लास की सुविधा शुरू की है। बीटेक पाठ्यक्रम के सातवें सेमेस्टर का 50 फीसदी और आठवें सेमेस्टर की पूरी तरह से ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जाएंगी। विश्वविद्यालय के इस आदेश के बाद सम्बद्ध 750 इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज में लगभग 2 लाख से अधिक छात्रों को फायदा होगा। नई व्यवस्था में मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के जरिये छात्र अपनी सुविधानुसार कक्षाएं कर सकेंगे। अधिकतम 40 प्रतिशत क्रेडिट के कोर्स मूक्स के जरिये संचालित किए जाएंगे। मूक्स पर ज्यादातर इंडस्ट्री ओरिएंटेड और रोजगार परक कोर्स उपलब्ध हैं। इनके जरिये कोर्स करने पर छात्रों को स्किल्ड बनाने में सहायता होगी।

जेएनयू से विदेशी भाषाओं में करें बीए आनर्स, बनाएं करियर

- जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), नई दिल्ली से कई विदेशी भाषाओं में बीए आनर्स की पढ़ाई करके करियर के रास्ते खोले जा सकते हैं। जेएनयू से रशियन, फ्रेंच, जर्मन, मैंदरिन (चीन), जापानी, कोरियन और स्पैनिश भाषा में बीए आनर्स की पढ़ाई करके अनुवादक, कार्पोरेट सेक्टर, टूरिज्म इंडस्ट्री, हॉस्पिटैलिटी, डिप्लोमेसी, मीडिया और इंटरनेशनल रिलेशंस के क्षेत्र में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है। जेएनयू में दाखिला CUET के स्कोर से होता है।

एसबीआई फेलोशिप: युवाओं के लिए बदलाव का हिस्सा बनने का मौका

एसबीआई फाउंडेशन ने अपने 13 माह के फ्लैगशिप प्रोग्राम एसबीआई यूथ फार इंडिया फेलोशिप-2025 के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरुआत अक्टूबर 2025 से होगी। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 सितंबर है। एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप युवाओं को ग्राउंड लेवल पर काम करने का मौका देती है। यह पूरी तरह से फंडेड प्रोग्राम है, जिसमें चुने गए फेलोज रूरल कम्युनिटी के साथ मिलकर 13 प्रतिष्ठित एनजीओ के सहयोग से स्थायी समाधान तैयार करते हैं। इस फेलोशिप का उद्देश्य युवाओं को गांवों के विकास से जोड़ना और उन्हें हेल्थ, एजुकेशन, एनवायरनमेंट और वुमन एंपावरमेंट जैसे क्षेत्रों में वास्तविक अनुभव देना है। यह प्रोग्राम युवाओं को न सिर्फ सामाजिक समस्याओं को समझने का अवसर देता है, बल्कि उन्हें समाधान का हिस्सा भी बनाता है। आवेदक की आयु सीमा 21 से 32 साल के बीच होनी चाहिए। चयनित फेलोज को 4 अक्टूबर को राजस्थान के किशनगढ़, तिलोनिया में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए रिपोर्ट करना होगा।

इस तरह करें यूपी पीईटी की तैयारी, मिलेगी सफलता

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की पीईटी का आयोजन 6 एवं 7 सितंबर को दो पालियों सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तथा अपराह्न 3 से शाम 5 बजे तक प्रदेश में तय केंद्रों पर होगा।

परीक्षा का यह होगा सिलेबस

परीक्षा में भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन, भूगोल, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन, सामान्य विज्ञान, प्रारंभिक अंकगणित, सामान्य हिंदी, सामान्य अंग्रेजी, तर्क एवं तर्कशक्ति विषयों से 5-5 नंबर के प्रश्न आएंगे। इसके अलावा सामयिकी, सामान्य जागरूकता, अपठित हिंदी गद्यांश, ग्राफ की व्याख्या एवं विश्लेषण और तालिका की व्याख्या एवं विश्लेषण विषयों से 10-10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

- **यह रहेगा परीक्षा का पैटर्न :** यूपी पीईटी में बहुविकल्पीय प्रकार के कुल 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए अभ्यर्थियों को एक अंक प्रदान किया जाएगा। लेकिन परीक्षा में माइनस मार्किंग भी होगी। प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 1/4 अंक की कटौती की जाएगी। प्रश्न पत्र हल करने के लिए कुल 2 घंटे का समय प्रदान किया जाएगा।
- **तीन वर्ष के लिए अनुमन्य रहेगा स्कोरकार्ड :** इस वर्ष से उत्तर प्रदेश सरकार ने पीईटी स्कोर कार्ड की वैधता बदल दी है। पहले स्कोरकार्ड की वैधता केवल एक वर्ष के लिए रहती थी लेकिन अब इसे तीन वर्ष कर दिया गया है। अब एक बार परीक्षा देने के बाद अभ्यर्थी स्कोरकार्ड के जरिये तीन वर्ष तक भर्ती में भाग ले पाएंगे।

ग्रुप 'सी' की इन भर्तियों के लिए पीईटी है जरूरी

अभ्यर्थी परीक्षा एक बार पास करने के बाद ग्रुप 'सी' की सभी भर्तियों के लिए आवेदन कर सकेगा। इनमें यूपी एएनएम मंडी परिषद संयुक्त संवर्ग, राजस्व लेखपाल पद, सहायक बोरिंग टेक्नीशियन, आईटीआई अनुदेशक, सम्मिलित तकनीकी सेवा, वन रक्षक व वन्य जीव रक्षक, ग्राम पंचायत अधिकारी, एक्सरे टेक्नीशियन, एग्रीकल्चर असिस्टेंट, राजस्व विभाग में जूनियर असिस्टेंट, अकाउंटेंट एवं ऑडिटर, गन्ना विभाग में सर्वेयर आदि पदों पर भर्ती के लिए पीईटी अनिवार्य है।

किस विषय के लिए कितने अंक निर्धारित

- भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन, भूगोल, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन, सामान्य विज्ञान, प्रारंभिक अंकगणित, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, लॉजिक एंड रीजनिंग

(सभी से 5-5 अंकों के प्रश्न)

- करेंट अफेयर्स- 10 अंक
- जनरल अवेयरनेस- 10 अंक
- अपठित हिन्दी गद्यांश - 10 अंक
- ग्राफ की व्याख्या- 10 अंक
- तालिका की व्याख्या- 10 अंक

पांच महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी की गई रद्द

नई दिल्ली। सरकार ने खराब प्रतिक्रिया पर पांचवें दौर की नीलामी में कर्नाटक में दुर्लभ मृदा तत्व ब्लॉक सहित पांच महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द कर दी है। खान मंत्रालय ने कहा कि तीन ब्लॉक गुजरात और छत्तीसगढ़ में दो ग्लौकोनाइट खदानें और कर्नाटक में एक निकेल एवं पीजीई (प्लेटिनम ग्रुप एलिमेंट) ब्लॉक के लिए बोली नहीं मिली। उनकी नीलामी रद्द कर दी गई। वहीं, दो अन्य ब्लॉक महाराष्ट्र और कर्नाटक की बिक्री योग्य बोलीदाताओं की कमी के कारण रद्द कर दी गई।

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 28 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

इंडिगो में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे राकेश

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने कंपनी में अपनी 3.1% हिस्सेदारी 7,027.7 करोड़ में बेचने की योजना बनाई है। यह हिस्सेदारी बिक्री सौदा गुरुवार को एनएसई और बीएसई के माध्यम से किया जाएगा। इस बिक्री से मिलने वाली पूरी राशि विक्रेताओं के पास जाएगी। प्रस्तावित बिक्री के तहत 1.21 करोड़ शेयरों की बिक्री 5,808 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम भाव पर की जाएगी, जो मंगलवार के बंद भाव (6,050 रुपये) से 4% कम है।

आकाश त्रिपाठी बने सेकी के प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली। सरकार ने आकाश त्रिपाठी को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। सेकी ने बुधवार को कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1998 बैच के अधिकारी त्रिपाठी को अतिरिक्त सचिव के रैंक एवं वेतन पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आईएएस आकाश त्रिपाठी को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि संतोष सारंगी चेयरमैन बने रहेंगे। सारंगी ने कहा कि त्रिपाठी की नियुक्ति से बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, संस्थागत समन्वय और हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण व हरित ऊर्जा परियोजनाओं जैसी प्राथमिकताओं के लिए अलग से नेतृत्व मिलेगा।

पीएफसी और बिजली मंत्रालय में समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पीएफसी ने बिजली मंत्रालय के साथ एक प्रदर्शन मूल्यांकन समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एक वार्षिक लक्ष्य रूपरेखा निर्धारित की जाएगी जिसके आधार पर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उसकी उपलब्धियों का आकलन किया जाएगा। सभी सीपीएसई (होल्डिंग एवं अनुषंगी दोनों) को समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना है। कंपनी ने कहा कि समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मापदंडों पर सीपीएसई के प्रबंधन के प्रदर्शन को मापना है।

2023-24 में उद्योगों में रोजगार 5.92% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योगों में रोजगार वित्त वर्ष 2023-24 में 5.92% बढ़कर 1.95 करोड़ हो गया, जो 2022-23 में 1.84 करोड़ था। बुधवार को उद्योगों के जारी नवीनतम वार्षिक सर्वेक्षण (एएसआई) में यह जानकारी दी गई। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने कहा कि संदर्भ अवधि... अप्रैल 2023 से मार्च 2024 (वित्त वर्ष 2023-24) के लिए वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) के परिणाम जारी किए हैं। एएसआई 2023-24 के लिए सर्वेक्षण हेतु कार्य अक्टूबर 2024 से जून 2025 तक किया गया। विउद्योगों में निवेशित पूंजी वित्त वर्ष 2023-24 में 68,01,329 करोड़ रुपये हो गई।

104 करोड़ की कर चोरी का पर्दाफाश

नई दिल्ली। जीएसटी अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 104.38 करोड़ की कर चोरी से जुड़े सिगरेट एवं पान मसाला समेत अवैध तंबाकू उत्पादों के 61 मामलों का पता लगाया है। माल एवं सेवा कर आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) और अन्य प्राधिकारियों ने पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून की अवधि के दौरान इन मामलों का पता लगाया है। सीमा शुल्क क्षेत्रीय कार्यालयों और राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने चालू वित्त वर्ष में जून, 2025 तक लगभग 3.93 करोड़ सिगरेट जब्त की हैं। सोना, तंबाकू और शराब जैसी उच्च-मुनाफे वाली वस्तुओं पर भारी कर लगाया जाता है जिससे कई बार उनकी तस्करी व कर चोरी बढ़ जाती है।

टेक्नोपार्क ने 14,575 करोड़ का किया निर्यात

तिरुवनंतपुरम। देश के प्रमुख आईटी केंद्रों में से एक टेक्नोपार्क ने 2024-25 में 14,575 करोड़ का सॉफ्टवेयर निर्यात राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 2023-24 में यह आंकड़ा 13,255 करोड़ रुपये था। टेक्नोपार्क में वर्तमान में लगभग 500 आईटी/आईटीईएस कंपनियां कार्यरत हैं, जो 80,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और दो लाख से अधिक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर रही हैं।

नजारा ने ब्रिटेन की इकाई को दिया ऋण

नई दिल्ली। नजारा टेक्नोलॉजीज की तीन पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों ने कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और विस्तार योजनाओं को पूरा करने के लिए अपनी ब्रिटेन स्थित इकाई नजारा टेक्नोलॉजीज यूके लिमिटेड को कुल मिलाकर 17.73 करोड़ का ऋण दिया है। कंपनी के अनुसार नज़ारा की तीन कंपनियों ने 26 अगस्त, 2025 को ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर किया।

अमेरिका से व्यापार वार्ता में 'सीमाओं' से समझौता नहीं करेगा भारत

भारत-अमेरिका में शुल्क पर तनाव गहराने से बीटीए पर जारी वार्ता पर ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत एवं अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर तनाव गहराने के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर जारी वार्ता इस पर निर्भर करेगी कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं और 'सीमाओं' का किस तरह ध्यान रखते हैं। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि आखिरकार कुछ सीमाएं हैं जिनसे हम समझौता नहीं कर सकते हैं। समझौता इस पर निर्भर करेगा कि दोनों पक्ष इन सीमाओं से किस तरह निपटते हैं। हमारे लिए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि किसानों, मछुआरों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते को लेकर मार्च 2025 से ही बातचीत का दौर चल रहा है और अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है।

छठा दौर 25 अगस्त से ही शुरू होने वाला था लेकिन अमेरिकी पक्ष ने इसके लिए भारत की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारतीय उत्पादों के आयात पर 50% शुल्क लगाने की घोषणा से दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। पहले उन्होंने 25% शुल्क लगाया था लेकिन रूस से तेल की खरीद जारी रखने के जुर्माने के रूप में 25% अतिरिक्त शुल्क लगाया है। बुधवार से भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में शुल्क बढ़कर 50% होने से वस्त्र, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा जैसे क्षेत्रों से अरबों डॉलर का निर्यात प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

सूत्रों ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संवाद जारी रहने और दोनों देशों के दीर्घकालिक संबंधों को देखते हुए यह समस्या समय के साथ सुलझ जाने की उम्मीद जताई। निर्यातकों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय निर्यात की विविधता बढ़े हुए शुल्क के प्रभाव को कम कर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कह चुके हैं कि वह किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए दीवार बनकर खड़े रहेंगे और भारत इनके हितों के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा।

● भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर अब तक हो चुकी है पांच दौर की बातचीत

भारत ने कृषि एवं डेयरी उत्पादों में नहीं दी है शुल्क रियायत

प्रस्तावित बीटीए के तहत अमेरिका भारत से मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और एथेनॉल पर आयात शुल्क कम करने के साथ डेयरी उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है। भारत अमेरिका की इन मांगों का विरोध कर रहा है क्योंकि ये देश के लघु एवं सीमांत किसानों की आजीविका को प्रभावित कर सकती हैं। भारत ने अब तक किसी भी व्यापारिक साझेदार को कृषि एवं डेयरी उत्पादों में शुल्क रियायत नहीं दी है, जिनसे घरेलू कृषि क्षेत्र प्रभावित हो सकता है। समझौते का उद्देश्य दोनों देशों में द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है, जो वर्तमान में लगभग 191 अरब डॉलर है। भारत-अमेरिका ने अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की योजना की घोषणा की हुई है।

शुल्क मुद्दे के समाधान के लिए बातचीत के रास्ते खुले

भारत और अमेरिका के बीच बातचीत का रास्ता खुला है और दोनों देशों के दीर्घकालिक संबंधों को देखते हुए यह समस्या समय के साथ सुलझ जाएगी। सरकारी सूत्रों ने यह कहा। भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क लागू होने के साथ इससे अरबों डॉलर का भारतीय निर्यात खतरे में आने के बीच यह बात कही गयी है। सूत्रों ने कहा, निर्यातकों को इससे घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय निर्यात की विविधता इस बढ़े हुए शुल्क के प्रभाव को कम कर सकती है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में अमेरिका को भारत का निर्यात 21.64 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33.53 अरब डॉलर रहा है। यदि यह रुझान आगे भी कायम रहता है, तो पिछले वित्त वर्ष के 86.5 अरब डॉलर की वार्षिक निर्यात राशि को भी पार किया जा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत-अमेरिका संबंध को बेहद जटिल बताने के साथ ही उम्मीद जताई कि आखिरकार दोनों देश एक साथ आएंगे। बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच व्यक्तिगत स्तर पर अच्छे संबंध हैं और यह केवल रूसी तेल का मामला नहीं है। इस बीच, सरकार ने निर्यातकों को सुरक्षा कवच देने के लिए कई कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय इस सप्ताह रसायन, रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठकें आयोजित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, बजट 2025-26 में घोषित 'निर्यात संवर्धन मिशन' पर तेजी से काम हो रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि दो-तीन दिनों में वाणिज्य मंत्रालय विविध क्षेत्रों में निर्यात को बढ़ावा देने की योजनाओं पर संबंधित पक्षों से मुलाकात करेगा। दूसरी तरफ, सरकार ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे 40 देशों में वस्त्र निर्यात को बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान चलाने जा रही है।

यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त अगले महीने आ सकते भारत, एफटीए पर गोयल से होगी चर्चा

नई दिल्ली। यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक अगले महीने भारत आ सकते हैं और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता की प्रगति का जायजा ले सकते हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह यात्रा आठ सितंबर से यहां होने वाली 13वें दौर की बातचीत के अंत में होने की उम्मीद है। चूंकि इस साल के अंत तक बातचीत समाप्त करने की समय सीमा है, इसलिए यह दौर की बातचीत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शेष मुद्दों को हल करने के लिए मंत्रियों से मार्गदर्शन लिया जाएगा, क्योंकि उनमें राजनीतिक निर्णय लेने की आवश्यकता हो सकती है। बारहवें दौर की बातचीत ब्रसेल्स में समाप्त हुई थी।

भारत-अमेरिका शुल्क विवाद पर वित्त मंत्री ने कहा- हम अंत में साथ आएंगे

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत जटिल बताते हुए उम्मीद जताई कि अंत में हम साथ आएंगे। बेसेंट ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था। मुझे लगता है कि अंत में हम एक साथ आएंगे। उन्हें लगा था कि भारत के साथ व्यापार समझौता वाशिंगटन द्वारा हस्ताक्षरित सबसे पहले समझौतों में से एक होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भारत ने मुक्ति दिवस के तुरंत बाद शुल्क पर बातचीत शुरू कर दी थी और अब तक कोई समझौता नहीं हुआ है। बेसेंट ने कहा कि उन्हें लगा था कि मई और जून में भारत के साथ हम कोई समझौता कर लेंगे। भारत उन शुरुआती समझौतों में से एक हो सकता है।

अमेरिकी शुल्क से निर्यात पर पड़ सकता है प्रभाव

कोलकाता, एजेंसी

अमेरिका का भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क प. बंगाल की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। हितधारकों का कहना है कि राज्य के श्रम आधारित चमड़ा, इंजीनियरिंग और समुद्री क्षेत्रों को आगामी त्योहारों से पहले काफी नुकसान होने की आशंका है। रूसी तेल की खरीद के लिए भारतीय उत्पादों पर बढ़ा हुआ शुल्क बुधवार से लागू हो गया, जिससे भारत पर अब कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है।

निर्यातकों ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न भू-राजनीतिक प्रतिकूल परिस्थितियों से निर्यात और यहां तक कि उत्पादन भी फिलहाल रोक दिया गया है। व्यापार अनुमानों के अनुसार, इस कदम से कम से कम 45,000 करोड़ के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा और बंगाल सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के क्षेत्रीय चेयरमैन (पूर्व) और समुद्री सामान के प्रमुख निर्यातक योगेश गुप्ता ने कहा, श्रम-प्रधान उद्योग भारी दबाव में हैं। समुद्री निर्यात की बात करें तो बंगाल के वार्षिक निर्यात के अधिकतम हिस्से पर इसका असर पड़ सकता है। भारत के समुद्री खाद्य सामान के निर्यात में राज्य का योगदान 12% है, जिसमें उत्तर और दक्षिण 24-परगना तथा पूर्व मेदिनीपुर जिले से झींगा किस्मों का प्रभुत्व है। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (पूर्व) के चेयरमैन राजर्षि बनर्जी ने कहा कि बंगाल से अमेरिका को होने वाले वर्तमान 8,000 करोड़ के निर्यात में से, राज्य से 5,000-6,000 करोड़ के समुद्री निर्यात पर असर पड़ रहा है। गुप्ता ने आगाह किया कि प्रसंस्करण इकाइयों में करीब 7,000-10,000 नौकरियां और कृषि स्तर पर इससे भी अधिक खतरे में हैं।

● श्रम आधारित चमड़ा, इंजीनियरिंग और समुद्री क्षेत्रों को त्योहारों से पहले काफी नुकसान होने की आशंका

भारतीय उत्पादों की आवाजाही होगी बाधित

नई दिल्ली। अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सामान पर 50% के भारी शुल्क से झींगा, कपड़ा, चमड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात और रोजगार सृजन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। निर्यातकों ने कहा कि 25% शुल्क के अलावा भारत पर 25% का जुर्माना लगाने से उसके सबसे बड़े निर्यात बाजार में भारतीय उत्पादों की आवाजाही बाधित होगी। बीते वित्त वर्ष भारत के 437.42 अरब डॉलर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का 20% हिस्सा था। अमेरिका 2021-22 से भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2024-25 में, वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इनमें 86.5 अरब डॉलर निर्यात और 45.3 अरब डॉलर आयात था। चमड़ा क्षेत्र के निर्यातक ने कहा कि 50% शुल्क एक आर्थिक प्रतिबंध की तरह है। इससे इकाइयां बंद होंगी और नौकरियां कम होंगी। कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि 10.3 अरब डॉलर के निर्यात के साथ कपड़ा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है।

शुल्क वृद्धि बेहतर दक्षता, साहसिक सुधारों का अवसर

नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि भारत को अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क को एक चेतावनी के रूप में देखना चाहिए और इसका उपयोग साहसिक व एक पीढ़ी में एक बार होने वाले सुधारों को लागू करने और दीर्घकालिक विकास के लिए अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने के अवसर के रूप में करना चाहिए। आईआरएस (सीएंडआईटी) एसोसिएशन द्वारा आयोजित बीएन मेमोरियल व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए, कांत ने कहा, "यह भारत का युग है, चाहे ट्रंप कोई भी शुल्क लगाएं, मैं दृढ़ता से मानता हूं कि ट्रंप ने हमें सुधारों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर दिया है।" अमेरिका द्वारा रूसी तेल आयात को शुल्क वृद्धि का कारण बताए जाने पर, कांत ने कहा, "यह रूसी तेल के बारे में नहीं है। अगर यही मुद्दा होता, तो चीन, रूस से कहीं ज्यादा तेल खरीदता है और तुर्की भी उतना ही तेल खरीदता है।" उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "ट्रंप के शुल्क भारत के लिए एक चेतावनी की घंटी होने चाहिए।

अमेरिकी शुल्क भारत के लिए जुझारू व्यापारिक साझेदार बनने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

● प्रमुख उद्योग संगठनों ने कहा- भारत के निर्यात क्षेत्रों के समक्ष चुनौती

भारतीय वस्तुओं पर लगाए अमेरिकी शुल्क को लेकर देश के प्रमुख उद्योग संगठनों ने बुधवार को कहा कि इससे भारत के निर्यात क्षेत्रों के समक्ष चुनौती पेश करने के साथ जुझारू एवं भविष्य के लिए तैयार व्यापार साझेदार के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने का अवसर है।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच भी अपनी मजबूती और जुझारूपन दर्शा रही है। इसका आधार व्यापक और सशक्त उपभोक्ता आधार, मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचा, निरंतर आर्थिक सुधार और उद्यमशीलता से परिपूर्ण उद्योग जगत है।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा कि भले ही वैश्विक व्यापार तनाव चुनौतियां उत्पन्न कर रहे हों, लेकिन भारतीय निर्यातक अब परंपरागत साझेदारों पर निर्भरता कम कर रहे हैं और आसियान, यूरोपीय संघ (ईयू) एवं अफ्रीकी बाजारों में अपने पांव जमा रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान और मुक्त व्यापार समझौतों को बढ़ाने के साथ भारत वैश्विक चुनौतियों को सुधार, नवाचार व विस्तार के अवसरों में बदल रहा है। एसोचैम के महासचिव मनीष सिंघल ने भी अमेरिकी शुल्क व्यवस्था को चुनौती नहीं, बल्कि भारत के लिए एक भरोसेमंद और टिकाऊ व्यापार भागीदार के रूप में स्थापित करने का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी को बढ़ाकर, बाजारों में विविधता लाकर और साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाकर हम एक प्रतिस्पर्धी एवं विश्वसनीय आर्थिक पारिस्थितिकी का निर्माण कर रहे हैं।

आयातित उत्पादों का बहिष्कार शुल्क वृद्धि से निपटने का रास्ता

नई दिल्ली। अर्थशास्त्री उत्सा पटनायक ने बुधवार को कहा कि उच्च अमेरिकी शुल्क से भारत के कृषि, कपड़ा और दवा क्षेत्रों के प्रभावित होने की आशंका के बीच ऐतिहासिक 'स्वदेशी आंदोलन' की तरह विदेशी उत्पादों का बहिष्कार इस दबाव से निपटने का एक तरीका हो सकता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर डॉ पटनायक ने पी सुंदरैया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में विदेशी बस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान किया।

भारतीय कंपनियों का राजस्व 5-6% बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पांच से छह प्रतिशत रहने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान लगाया है। इससे पिछले तीन माह में भारतीय कंपनियों का राजस्व 5.5 प्रतिशत बढ़ा था।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बयान में कहा कि कच्चे तेल और कोयले जैसी ज़रूरी चीज़ों की लागत कम होने के साथ, इसका नतीजा यह होगा कि सालाना आधार पर परिचालन लाभ मार्जिन (ओपीएम) 18 से 18.2 प्रतिशत के बीच स्थिर बना रहेगा। बयान में कहा गया कि परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारतीय कंपनियों की वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने की क्षमता काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है, जिसमें ब्याज कवरेज अनुपात 4.9-5.1 गुना रहेगा, जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 4.9 गुना था। इक्रा लिमिटेड की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) किंजल शाह ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क मांग की धारणा को प्रभावित कर रहे हैं, विशेष रूप से निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों जैसे कृषि-रसायन, वस्त्र, वाहन और वाहन कलपुर्जे, समुद्री खाद्य, कटे और पॉलिश किए गए हीरे और आईटी सेवाओं के लिए। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू ग्रामीण मांग मजबूत बनी हुई है, जबकि शहरी मांग में अब भी उल्लेखनीय सुधार होना बाकी है।

● दूसरी तिमाही में वृद्धि होने का रेटिंग एजेंसी इक्रा का अनुमान

7332 करोड़ में होगा पीएम स्वनिधि योजना का विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए पुनर्गठन को दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 7,332 करोड़ रुपये का व्यय के साथ रेहड़ी-पटरी वालों के लिए पीएम स्वनिधि योजना के पुनर्गठन और विस्तार को 31 मार्च, 2030 तक के लिए मंजूरी दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

बैठक में कहा गया है कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत पहली किस्त की ऋण सीमा 10,000 से बढ़ाकर 15,000 रुपये और दूसरी किस्त 20,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है। जबकि तीसरी किस्त 50,000 रुपये बनी रहेगी। समय पर दूसरा कर्ज चुकाने वाले रेहड़ी-पटरी वाले आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) से जुड़े रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होंगे। साथ ही, खुदरा और थोक लेनदेन के लिए डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनने वाले विक्रेताओं को 1,600 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह योजना 31 दिसंबर, 2024 तक वैध थी।

पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए रेहड़ी-पटरी वालों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभ पहुंचाना है। इसका कार्यान्वयन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग की संयुक्त जिम्मेदारी होगी। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय इसका संचालन करेगा, जबकि वित्तीय सेवा विभाग बैंकों और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कर्ज और क्रेडिट कार्ड तक पहुंच को सुगम बनाएगा। योजना में बढ़ी हुई ऋण राशि, यूपीआई-से जुड़ा रुपे क्रेडिट कार्ड, डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और व्यापक भौगोलिक कवरेज शामिल है। यह उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल कौशल और विपणन पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेहड़ी-पटरी वालों की क्षमता निर्माण पर भी केंद्रित है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ साझेदारी में, रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मानक स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

चांदी 1.20 लाख रुपये प्रति किग्रा के नए शिखर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● सफेद धातु की कीमत में आया 2000 रुपये का उछाल, सोना में भी हुई 500 की बढ़ोतरी

सर्राफा बाजार में बुधवार को चांदी की कीमत 2,000 रुपये उछलकर 1,20,000 रुपये प्रति किग्रा के नए शिखर पर पहुंच गईं। भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क के लागू होने के बाद सुरक्षित निवेश विकल्पों से चांदी के दाम चढ़े हैं।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, मंगलवार को चांदी 3,000 रुपये बढ़कर 1,18,000 रुपये प्रति किग्रा थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना बुधवार को 500 रुपये बढ़कर 1,01,270 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले बाजार बंद के समय यह 1,00,770 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। मंगलवार को यह 1,00,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त करने के बाद बढ़ी राजनीतिक अनिश्चितता के बीच सोने और चांदी में तेजी जारी है। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में हाजिर सोना 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,375.08 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

बाजार की चाल

दवा, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं है

वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा क्षेत्र के शेयरों पर होगा दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी सीमा शुल्क से वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों पर दबाव बढ़ने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में इन क्षेत्रों के निवेशकों में थोड़ी घबराहट देखने को मिल सकती है। भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत अमेरिकी सीमा शुल्क बुधवार से प्रभावी हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद जारी रखने को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके पहले भी 25% शुल्क लगा हुआ था। विश्लेषकों के अनुसार वस्त्र एवं परिधान, रत्न एवं आभूषण, झींगा, चमड़ा एवं जूते, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी जैसे क्षेत्रों को इस शुल्क वृद्धि का सबसे अधिक नुकसान हो सकता है। हालांकि, दवा, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं है। बढ़ा हुआ शुल्क बुधवार से लागू हो गया है लेकिन घरेलू शेयर बाजारों के गणेश चतुर्थी की वजह से बंद होने से इसका असर देखने को नहीं मिला है। ऐसे में गुरुवार का कारोबारी सत्र काफी अहम होने वाला है।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत संभव है, लेकिन घबराहट की संभावना कम है क्योंकि 50 प्रतिशत शुल्क लगने की अपेक्षा पहले से ही थी। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बिकवाली जारी रख सकते हैं, लेकिन नकदी से लैस घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) निचले स्तरों पर तगड़ी खरीदारी करेंगे। विजयकुमार ने कहा कि इस शुल्क का असर मुख्य रूप से वस्त्र, कुछ मशीनरी और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र पर पड़ेगा, लेकिन कुल मिलाकर कंपनी आय पर इसका असर नगण्य रहेगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 6,516.49 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 7,060.37 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

2024-25 के भारत के निर्यात में थी 20 प्रतिशत अमेरिका की हिस्सेदारी

मास्टर ट्रस्ट ग्रुप के निदेशक पुनीत सिंघानिया ने कहा कि अमेरिका के 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने से बाजार पहले ही प्रभावित हो चुका है। मंगलवार को निफ्टी 255.70 अंक गिरकर 24,712 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स में 849.37 अंकों की गिरावट रही। वस्त्र, रसायन, कृषि उत्पाद और रत्न-आभूषण जैसे निर्यात-आधारित क्षेत्र अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता खो सकते हैं। साथ ही सिंघानिया ने कहा कि निर्यात-आधारित कंपनियों के आय अनुमान में कमी आ सकती है जबकि घरेलू मांग पर आधारित क्षेत्र और दवा एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे रक्षात्मक क्षेत्र निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं। ऑनलाइन ब्रोकरेज फर्म ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी त्रिवेश डी ने कहा कि अमेरिका में 27 अगस्त से अतिरिक्त शुल्क लागू होने के बाद बाजार की पहली प्रतिक्रिया धारणा पर आधारित हो सकती है। उच्च शुल्क से वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्रों के लिए चुनौती बढ़ेगी। हालांकि समग्र रूप से बाजार एक सीमित दायरे में बना रह सकता है और क्षेत्रों के बीच रोटेशन देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत के कुल 437.42 अरब डॉलर के निर्यात में से लगभग 20 प्रतिशत अमेरिका की हिस्सेदारी रही थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने गाजा में पत्रकारों की हत्या की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान गाजा पट्टी पर हमले में पत्रकारों की मौत की निंदा करते हुए इसे अफसोसनाक करार दिया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गाजा पट्टी के खान यूनिस में हमलों में पत्रकारों की मौत के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के जवाब में कहा कि भारत ने संघर्षों के दौरान आम नागरिकों के मारे जाने की हमेशा निंदा की है। उन्होंने कहा , पत्रकारों की हत्या स्तब्धकारी और अत्यंत खेदजनक है। हम समझते हैं कि इजराइली अधिकारियों ने पहले ही जांच शुरू कर दी है। सोमवार को गाजा पट्टी पर इजराइली हमले में पांच पत्रकारों की मौत हुई है।

नेपाल में हिंदू समुदाय ने गणेश चतुर्थी मनाई

काठमांडू। नेपाल में हिंदुओं ने बुधवार को भगवान गणेश के मंदिरों में पूजा-अर्चना करके गणेश चतुर्थी मनाई। भगवान गणेश विघ्नहर्ता और बुद्धि एवं समृद्धि के देवता हैं। चंद्र कैलेंडर के अनुसार भाद्र शुक्ल चतुर्थी को मनाए जाने वाले इस त्योहार के अवसर पर काठमांडू के कमलादि गणेश, अशोक बिनायक और सूर्य बिनायक सहित प्रमुख मंदिरों के अलावा अन्य शहरों के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान विघ्न विनाशन गणेश को फूल, फल और मिठाइयाँ अर्पित कीं तथा सौभाग्य, ज्ञान और समृद्धि की कामना की।

जिम्बाब्वे के छात्र की मौत पर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पंजाब के बठिंडा में जिम्बाब्वे के छात्र पर हुए हमले के बाद उसकी मौत से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने यहां जारी एक बयान में कहा कि गुरु काशी विश्वविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्र पर हुए हमले के बाद 21 अगस्त को बठिंडा के एम्स में उसकी मृत्यु हो गयी थी। रिपोर्टों के अनुसार 13 अगस्त को एक सुरक्षा गार्ड के साथ उसका किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि गार्ड ने इसके बाद अपने साथियों के साथ मिलकर छात्र पर हमला किया। घटना के संबंध में एक प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी।

इजराइली हमलों में मारे गए छह सीरियाई सैनिक

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी उपनगर पर इजराइली ड्रोन हमलों में छह सैनिक मारे गए और अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया और एक युद्ध पर निगरानी रखने वाली संस्था ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'अल-इखबरिया' ने बताया कि नवीनतम ड्रोन हमले मंगलवार को दक्षिणी दमिश्क के उपनगर किस्वा में हुए, जिसमें छह सैनिक मारे गए। हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई। इजराइली सेना ने इन हमलों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बेटे की हत्या के बाद चुनाव में उतरे पिता

बोगोटा, एजेंसी

- कोलंबिया में अगले साल होना है राष्ट्रपति पद का चुनाव

कोलंबिया में इस साल के शुरू में राजनीतिक रैली के दौरान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मिगुएल उरीबे की गोली मारकर हत्या के बाद उनके पिता ने मंगलवार को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी की घोषणा की। बहत्तर वर्षीय मिगुएल उरीबे लोंदोनो ने कहा कि यह उनके बेटे की विरासत को जीवित रखने तथा सुरक्षित एवं समृद्ध कोलंबिया बनाने की कोशिश है।

उन्होंने राजधानी में कांग्रेस (संसद) की इमारत के बाहर एक भाषण के दौरान अपनी उम्मीदवारी का एलान किया। उन्होंने अपने दिवंगत बेटे द्वारा इस्तेमाल किए गए लोगो से सुसज्जित मंच से भाषण दिया। उनका बेटा सीनेट का सदस्य था। वह खासे लोकप्रिय भी थे। उरीबे लोंदोनो 80 के दशक के अंत में बोगोटा नगर परिषद के सदस्य और 90 के दशक की शुरुआत में कोलंबिया की कंज़र्वेटिव पार्टी के सीनेटर थे। लेकिन अपने बेटे की मृत्यु से पहले उनकी राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की कोई योजना नहीं थी, और जनता उन्हें ज्यादा जानती भी नहीं थी। उनके बेटे के अंतिम संस्कार को राष्ट्रीय स्तर पर कवर किया गया था।

बढ़ती चुनौतियों से आगाह भारत

समुद्र में बढ़ती शक्ति

भारत की ओर से कदम

दूसरे देशों के साथ अभ्यास, अग्रिम तैनाती और मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट के तहत अरब सागर, बंगाल की खाड़ी, अंडमान निकोबार, मालदीव और ईस्ट अफ्रीका तक सतत गश्त। इसके साथ एंटी-पाइरेसी और समुद्री सुरक्षा के तहत दूरदराज तक डेस्ट्रॉयर/फ्रिगेट/पेट्रोल एयरक्राफ्ट भेजकर जहाजों का एस्कॉर्ट।

वैसे तो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत शीर्ष शक्तियों में शामिल है और नजदीकी समुद्री इलाकों के साथ लॉजिस्टिक नेटवर्क और आपदा राहत में उसकी पकड़ मजबूत है लेकिन कई ऐसी नई चुनौतियां हैं जिन्होंने उसे अपनी नौसेना की ताकत और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। वैश्विक फायरपावर रैंकिंग 2025 के अनुसार, भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी नौसेना है, जिसमें 293 जहाजों के साथ उसका छठा स्थान है लेकिन चीन की बढ़ती नौसैनिक शक्ति, खासकर उसकी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के विस्तार के मुकाबले भारतीय नौसेना का निर्माण धीमा है। इसके अलावा दक्षिण एशिया में अस्थिरता ऐसी प्रमुख चुनौती है जिससे निपटने के लिए भारत ने रणनीतिक साझेदारी, आधुनिकीकरण और घरेलू निर्माण पर जोर दिया है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम और उन्नत युद्धपोत शामिल हैं, और भविष्य में भारतीय नौसेना और अधिक शक्तिशाली बनने के लिए तैयार है।

समुद्र में उभरी नई चुनौतियां

- चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और दक्षिण एशिया के देशों के साथ उसके मजबूत संबंध भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदल रहा है।
- भारत का नौसेना बजट चीन की तुलना में कम है, इसके साथ युद्धपोतों के निर्माण की गति भी धीमी है जो संसाधनों और निर्माण की गति में असमानता की ओर इशारा करती है।
- पारंपरिक और अनौपचारिक खतरों के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। इससे समुद्री खतरों की जटिलता भी बढ़ी है। लिहाजा तटीय सुरक्षा पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

वैश्विक तुलना

- अमेरिका परमाणु कैरियरों, न्यूक्लियर अटैक सबमरीन और लॉजिस्टिक्स के कारण अपराजेय माना जाता है।
- चीन की नौसेना सबसे बड़ी होने के साथ तेजी से बढ़ता बेड़ा है। हिंद महासागर में उसकी मौजूदगी बढ़ रही है।
- जापान, यूके, फ्रांस की नौसेना तकनीकी रूप से अत्याधुनिक है, लेकिन हिंद महासागर क्षेत्र में उनकी स्थाई उपस्थिति भारत की तुलना में कम है।
- भारत डेढ़ सौ से ज्यादा युद्धपोतों, एयरक्राफ्ट कैरियर, परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी से संपन्न है। मगर उसकी ताकत अमेरिका-चीन के स्तर की नहीं है।

भारतीय नौसेना के बेड़े में वृद्धि

- भारतीय नौसेना के बेड़े में विस्तार के लिए नए विमान वाहक, विध्वंसक और पनडुब्बियों का समावेश किया गया है।
- आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार प्रणालियों को शामिल कर नई प्रौद्योगिकियों को अपनाया जा रहा है।
- ब्रह्मोस और बराक जैसी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों ने युद्धपोतों की रक्षा क्षमता काफी बढ़ाई है।
- उन्नत रडार और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम अपनाए हैं जो किसी खतरे का पता लगाकर जवाबी कार्रवाई करने में मदद करते हैं।

भावी योजनाएं

- नौसेना में एयरक्राफ्ट कैरियर बढ़ाना, युद्धपोत पर विमान लांच करने की प्रणालियों के विकास के लिए निर्णय नीति और बजट पर मंथन।
- जंगी मिशन के लिए एयर इन्डिपेन्डेंट प्रोपल्शन वाली अगली पनडुब्बी लाइन, 6 इंडीजीनियस सबमरीन की गोपनीय पर दीर्घकालिक स्वीकृति। अगली पीढ़ी के डेस्ट्रॉयर, फ्रिगेट।

पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर बाढ़ के पानी में डूबा, सौ से ज्यादा लोग फंसे

गुरुद्वारा दरबार साहिब भी जलमग्न, हेलीकॉप्टर-नावों से लोगों को निकालने की कोशिश

लाहौर, एजेंसी

रावी नदी में बाढ़ के कारण पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले में गुरुद्वारा दरबार साहिब सहित करतारपुर कॉरिडोर जलमग्न हो गया, जिस कारण 100 से अधिक लोग फंस गए। इनमें अधिकतर कर्मचारी बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान सरकार हेलीकॉप्टर और नावों के जरिए फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रही है।

करतारपुर कॉरिडोर परियोजना प्रबंधन इकाई के प्रमुख सैफुल्लाह खोखर ने बताया, गुरुद्वारा दरबार साहिब सहित पूरा करतारपुर कॉरिडोर परिसर बाढ़ के पानी में डूब गया है। उन्होंने कहा कि फंसे हुए लोगों को नावों और एक हेलीकॉप्टर से बचाया जा रहा है, जिनमें ज्यादातर करतारपुर परियोजना प्रबंधन इकाई के कर्मचारी हैं । सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही तस्वीरों और वीडियो में पवित्र सिख तीर्थस्थल बाढ़ के पानी से घिरा हुआ दिखाई दे रहा है।

नारोवाल के उपायुक्त हसन रज़ा के अनुसार, भारत द्वारा रावी नदी में पानी छोड़े जाने के बाद बाढ़ग्रस्त इलाकों से सैकड़ों निवासियों को निकाला गया है। उन्होंने बताया कि शकरगढ़ तहसील के कोट नैन में रावी नदी का जल स्तर 1,55,000 क्यूसेक पर पहुंच गया है, जबकि इसकी क्षमता 1,50,000 क्यूसेक है। रविवार को, भारत ने मानवीय आधार पर राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान को बाढ़ की चेतावनी दी थी। मई में दोनों पक्षों के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष के बाद यह भारत और पाकिस्तान के बीच पहला ज्ञात आधिकारिक संपर्क था। आमतौर पर बाढ़ की चेतावनी सिंधु जल आयोग के माध्यम से साझा की जाती है।

करतारपुर कॉरिडोर में गुरुद्वारा साहिब के जलभराव वाले इलाके से बुधवार को गुजरते लोग।

पंजाब में बाढ़ पर शहबाज ने बुलाई आपात बैठक

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपात बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को समय पर अलर्ट सुनिश्चित करने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणालियों में सुधार करने का निर्देश दिया। प्रांतीय सरकार ने पंजाब में पहले से ही बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को बचाने और राहत एवं निकासी प्रयासों में मदद के लिए दिन में ही सेना बुला ली थी। लगभग सभी पूर्वी नदियों में बढ़ते जलस्तर के बीच, पंजाब भर में बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों से 2,50,000 से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

- पाकिस्तान सरकार ने नवंबर 2019 में करतारपुर कॉरिडोर खोला था, जो पाकिस्तान-भारत सीमा से लगभग 4.1 किलोमीटर दूर है। यह कॉरिडोर पाकिस्तान के गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक से जोड़ता है, जहां 16वीं शताब्दी की शुरुआत में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी जीवन के अंतिम समय में रहे थे। यह कॉरिडोर भारतीय श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन के लिए वीजामुक्त पहुंच प्रदान करता है।

अधिकारियों ने बताया कि हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई है, जिससे धान की फसल और पशु चारे को नुकसान पहुंचा है। रज़ा ने कहा कि पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है, जिससे गांव और फसलें जलमग्न हो गईं।

भारत ने पाकिस्तान के लिए बाढ़ के खतरे की नई चेतावनी जारी की

नई दिल्ली। भारत ने तवी नदी में बाढ़ की अत्यधिक आशंका को लेकर पाकिस्तान को नए अलर्ट जारी किए हैं। वहीं, उत्तरी राज्यों में लगातार बारिश के कारण प्रमुख बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ना पड़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय के माध्यम से इस्लामाबाद भेजे गए ये अलर्ट मानवीय आधार पर जारी किए गए हैं। पहला अलर्ट सोमवार को जारी किया गया था। एक सूत्र ने बताया, हमने कल मंगलवार और बुधवार को तवी नदी में बाढ़ की उच्च आशंका के मद्देनजर एक और अलर्ट जारी किया। भारतीय क्षेत्रों में हो रही अत्यधिक बारिश के कारण कुछ बांधों के फाटक खोलने पड़े। तवी नदी हिमालय से निकलती है और पाकिस्तान में चिनाब नदी में मिलने से पहले जम्मू संभाग से होकर गुजरती है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या करने के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के साथ जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों के नियमित आदान-प्रदान को स्थगित कर दिया था। पहलगाम हमले में मारे गए अधिकतर लोग पर्यटक थे। सूत्रों ने बताया कि इस रोक के बावजूद सीमा पार जान-माल के नुकसान से बचने के लिए बाढ़ की ताजा चेतावनी जारी की गई है।

शांति की कोशिशें नाकाम, रूस ने यूक्रेन के आठवें क्षेत्र पर शुरू की कब्जे की कोशिश

कीव, एजेंसी

- यूक्रेन के दनिप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के गांवों में घुसी रूस की सेना, दो गांवों पर किया कब्जा

अमेरिका के नेतृत्व में चल रहे शांति प्रयासों के ठहर जाने के बीच रूस की सेना ने यूक्रेन के एक और नए क्षेत्र 'दनिप्रोपेत्रोव्स्क' में सेंध लगा ली है। इसके साथ ही यह यूक्रेन में चल रहे तीन साल लंबे युद्ध में आठवां क्षेत्र बन गया है, जिस पर रूस अपना कब्जा जमाने क प्रयास कर रहा है।

यूक्रेनी थल सेना के प्रवक्ता विक्टर त्रेहुबोव ने बताया कि कुछ रूसी सैनिक नोवोहेओर्हिवका और जैपोरीज्के नामक गांवों में दाखिल हो गए हैं। ये गांव पूर्वी यूक्रेन के प्रमुख औद्योगिक केंद्र दनिप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में हैं, जो दोनेत्स्क से सटा हुआ है और जहां पहले से भीषण लड़ाई जारी है। हालांकि, रूस के रक्षा मंत्रालय ने पहले ही दावा किया था कि उसने इन दोनों गांवों पर कब्जा कर लिया है, लेकिन त्रेहुबोव के मुताबिक, वहां अभी रूसी सेना ने न तो मोर्चाबंदी की है और न ही किलेबंदी तथा लड़ाई अब भी जारी है।

यूक्रेनी सेना रूस की बड़ी और संसाधन-सम्पन्न सेना के सामने दबाव में है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि फिलहाल यूक्रेन की रक्षा पंक्ति टूटने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं, लेकिन रूस की धीमी लेकिन सतत प्रगति यूक्रेन पर दबाव बनाए हुए है। इस जंग का मोर्चा करीब 1000 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जहां दोनों पक्षों के हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं। रूस की सेनाएं पहले ही सुमी, खारकीव, लुहान्स्क, दोनेत्स्क, जेपोरिज्जिया, खेरसॉन और मायकोलाइव क्षेत्रों में मौजूद हैं।

गौरतलब है कि रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया प्रायद्वीप को अवैध रूप से हड़प लिया था, और अब यूक्रेन के लगभग पांचवें हिस्से पर कब्जा कर चुका है।

जेलेंस्की से सीधी वार्ता नहीं करेंगे पुतिन तो उठाएंगे कदम : ट्रंप

इस बीच, पश्चिमी देशों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शांति वार्ता में जानबूझकर टालमटोल करने और गंभीर बातचीत से बचने के आरोप लगाए हैं, जबकि उनकी सेना यूक्रेन में और अंदर तक घुसपैठ करती जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को पुतिन की ओर से शांति वार्ता के प्रस्तावों को नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। ट्रंप ने कहा कि यदि दो सप्ताह में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ सीधी बातचीत की योजना नहीं बनती, तो वह अगला कदम तय करेंगे।

चीनी छात्रों पर बदला ट्रंप का रुख, अमेरिका में पढ़ने की अनुमति दी

बीजिंग। चीन ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी का सावधानीपूर्वक स्वागत किया, जिसमें उन्होंने छह लाख चीनी छात्रों को अमेरिका में अध्ययन करने की अनुमति दी है। चीन ने इससे पहले वीजा रद्द करने संबंधी ट्रंप की धमकी के मद्देनजर अमेरिका से चीनी छात्रों का उत्पीड़न बंद करने का आग्रह किया था।

मई में , ट्रंप ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हजारों चीनी छात्रों के वीजा रद्द करने की धमकी दी थी। हांगकांग से प्रकाशित होने वाली साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, हालांकि, इस साल के अंत में अपनी संभावित चीन यात्रा से पहले नीति में बदलाव करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में मंत्रिमंडल की बैठक में कहा कि वह चीनी छात्रों का स्वागत करेंगे। उन्होंने तर्क दिया कि उनके बिना अमेरिकी कॉलेज प्रणाली बहुत जल्द बर्बाद हो जाएगी।

- चीन से व्यापार वार्ता के बीच ट्रंप की नई घोषणा का बीजिंग ने किया स्वागत

अब इस मुद्दे पर ट्रंप के रुख में बदलाव वाशिंगटन और बीजिंग के बीच चल रही व्यापार वार्ता के बीच आया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि बीजिंग को उम्मीद है कि अमेरिका चीनी छात्रों का स्वागत करने की राष्ट्रपति ट्रंप की प्रतिबद्धता पर काम करेगा और उन्हें बेवजह परेशान करना, उनसे पूछताछ करना या उन्हें वापस भेजना बंद करेगा तथा उनके वैध और कानूनी अधिकारों और हितों की ईमानदारी से रक्षा करेगा।

ईरान में अपना अभियान फिर शुरू करने के लिए लौटी आईएईए टीम

तेहरान। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की एक टीम ईरान में अपना अभियान फिर से शुरू करने के लिए आई है। ईरान ने इजराइल के साथ हाल में ही हुई जंग के दौरान एजेंसी के सभी निरीक्षकों को अपने यहां से निकाल दिया था।

ईरानी मीडिया के अनुसार, आईएईए प्रमुख रफायल ग्रॉसी ने कहा, आईएईए निरीक्षकों की पहली टीम ईरान लौट आई है और अभियान फिर शुरू करने वाली है। परमाणु सामग्री प्रबंधन संस्थान की सालाना बैठक में शिरकत करने वाशिंगटन डीसी पहुंचे ग्रॉसी ने यह नहीं बताया कि क्या इसे फिर शुरू करने के लिए कोई समयसीमा तय की गई है, या कोई अन्य प्रकिया अपनाई जाएगी। ग्रॉसी ने एक साक्षात्कार में कहा कि ईरान में कई परमाणु संयंत्र हैं। इसलिए हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि वहां हमारे काम को फिर से शुरू करने के लिए किस तरह के व्यावहारिक तौर-तरीके लागू हो सकते हैं।

इमरान का आरोप, सत्ता के भूखे और तानाशाह हैं सेना प्रमुख मुनीर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को सेना प्रमुख आसिम मुनीर पर सत्ता के भूखे होने और देश में सबसे खराब प्रकार की तानाशाही का आरोप लगाया।

कई मामलों में दो साल से अधिक समय से जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के मुख्य संरक्षक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सेना प्रमुख असीम मुनीर सत्ता के भूखे हैं, यही वजह है कि उन्होंने पाकिस्तान में सबसे खराब तरह की तानाशाही लागू कर दी है। मुनीर न तो नैतिकता और न ही इस्लाम को समझते हैं।

- नौ मई के दंगों की साजिश रचने का आरोप लगाया

खान ने कहा, मुझसे माफी मांगने को कहने के बजाय, मुनीर को मुझसे 9 मई, 2023 के दंगों के लिए माफी मांगनी चाहिए। मुनीर ने ही नौ मई की साजिश रची थी और उसने ही सीसीटीवी फुटेज चुराई थी। आज, नौ मई आसिम मुनीर की बीमा पॉलिसी है। क्रिकेटर से राजनेता बने 72 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, क्योंकि उन पर कई मुकदमे हैं। फ़िलहाल, वह रावलपिंडी की अडियाला जेल में हैं।

ब्रिटेन में यौन अपराध के लिए दोषी करार दिए गए लोगों में सबसे ज्यादा भारत के नागरिक

लंदन, एजेंसी

- सजा पाने वाले भारतीयों की संख्या चार वर्षों में 257 प्रतिशत बढ़ी

ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, ब्रिटेन में यौन अपराधों के लिए सजा पाने वाले विदेशियों की संख्या में पिछले चार वर्षों में काफी वृद्धि हुई है और इनमें भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है।

वर्ष 2021 और 2024 के बीच यौन अपराधों के लिए दोषी करार दिये गए विदेशी नागरिकों में भारतीयों की संख्या में 257 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के दौरान यौन अपराधों के लिए दोषी करार दिये गए विदेशी नागरिकों की संख्या में कुल 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये आंकड़े ब्रिटेन के न्याय मंत्रालय के पुलिस राष्ट्रीय कंप्यूटर से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित हैं।

इसके बाद, आव्रजन रोधी थिंक टैंक 'सेंटर फॉर माइग्रेशन कंट्रोल' द्वारा इनका विश्लेषण किया गया। सीएमसी ने इस सप्ताह अपने विश्लेषण में कहा, यौन अपराधों के लिए दोषी करार दिये गए विदेशी नागरिकों की संख्या 2021 और 2024 के बीच 62 प्रतिशत बढ़कर 687 से 1,114 हो गई। इस अवधि के दौरान, इन अपराधों के लिए ब्रिटिश दोषसिद्धि दर में 39.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई। थिंक टैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2021 से भारतीय इस चार्ट में सबसे ऊपर बने हुए हैं, जब ऐसे 28 आपराधिक मामले दर्ज किये गए थे। इसके बाद, 2022 में 53, 2023 में 67 और पिछले साल 100 आपराधिक मामले दर्ज किये गए।

वर्ष 2021 और 2024 के बीच, चार्ट में शीर्ष पांच देशों में, नाइजीरियाई नागरिकों के मामले 166 प्रतिशत, इराकियों के 160 प्रतिशत, सूडानी के 117 प्रतिशत और अफगान के 115 प्रतिशत बढ़े हैं। विश्लेषण में जिन अन्य दक्षिण एशियाई देशों को चिह्नित किया गया है, उनमें बांग्लादेशी शामिल हैं जो छठे स्थान पर हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 17 .56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

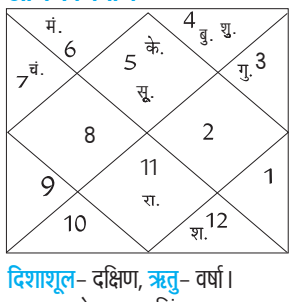

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- चित्रा 08 .43 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज व्यापार में आपको उत्तम धन लाभ प्राप्त होगा। परिवार का खर्च बढ़ने की संभावना बन रही है। दांपत्य जीवन में रोमांस का आनंद उठायेंगे। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। सभी काम शान्तिपूर्वक पूर्ण होंगे।

वृष — आज नए प्रेम-संबंध विकसित हो सकते हैं। लोग आपके व्यवहार की प्रशंसा करेंगे। नौकरी में उच्च पद मिलने की संभावना बन रही है। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। परिवार के साथ शॉपिंग करने के लिए जा सकते हैं। भावनाओं में आकर अधिक खर्च न करें।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ आप किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर सकते हैं। अत्यधिक आदर्शवाद से आपको बचना चाहिए। आज आप भौतिक सुख-सुविधाओं पर धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ अनावश्यक बहसबाजी में न पड़ें। व्यापार को लेकर कुछ चिन्तित रहेंगे।

कर्क — आज स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल भी न करें। अपनी कमियों से सीखने का प्रयास करें। पुरानी उधारी चुकाने का दबाव रहेगा। छोटी-मोटी बातों को अधिक महत्व न दें। जीवनसाथी आपसे प्रसन्न रहेंगे। मित्रों के लिए उपहार खरीद सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में प्रेमभाव बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। धर्म-कर्म में आपकी स्वाभाविक रुचि और बढ़ेगी। धन को लेकर अपने रिश्ते खराब न करें। नौकरी में बदलाव करने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या — आज आपकी दिनचर्या अत्यधिक अस्त-व्यस्त रहेगी। घर वालों के साथ समय बिताने का प्रयास करेंगे। धन से जुड़े मामलों में हानि हो सकती है। मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में उचित लाभ मिलेगा। प्रेम-संबंधों को लेकर मन में कुछ शंका न होने दें।

तुला — आज आपको कुछ नया सीखने को प्राप्त होगा। फर्जी फोन कॉल्स से सावधान रहें। अनावश्यक राजनीतिक चर्चाओं से स्वयं को दूर रखें। आपको कार्यक्षेत्र में काफी अच्छा सम्मान मिलेगा। नई योजना बनाने के लिए समय उत्तम है।

वृश्चिक — आज राजनीति से जुड़े लोगों को कठिनाई होगी। महंगी वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं तो बजट का ध्यान अवश्य रखें। कार्यक्षेत्र में अपयश जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। सिरदर्द और थकान जैसी स्थिति बन सकती है।

धनु — आज संतान को लेकर समस्या दूर होगी। भाग्य का साथ मिलने से अचानक महत्वपूर्ण मौके मिल सकते हैं। निवेश के मामले में आज दिन बहुत शुभ है। शेयर मार्केट से काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत सतर्क रहेंगे।

मकर — आज बैंकिंग से जुड़े लोगों को करियर में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आर्थिक मामलों में किसी पर विश्वास न करें। अपनी योग्यता और क्षमता का विस्तार कर सकते हैं। व्यापार में नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। नए लोगों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कुंभ — आज परिजनों के साथ कई विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के सुझावों पर गौर अवश्य करें। अटके हुये कार्यों को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। शाम के समय कहीं घूमने जाने की योजना बना सकते हैं।

मीन — आज जीवनसाथी आपसे शिकायत कर सकता है। मकान की साफ-सफाई का ध्यान रखें। जोड़ों में दर्द की समस्या हो सकती है। आलस्य में आपको समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। विरोधियों से सावधान रहें।

सुडोकू-82

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			4		9	5		
5								2
	6		5		1		3	
	3			5		4		7
	1						9	
7		8		3			5	
	5	2	3		8			
3					5			8
		4	7		6			

सुडोकू - 81 का हल

2	6	7	8	3	1	4	9	5
5	3	8	4	7	9	2	6	1
9	1	4	2	5	6	3	8	7
3	9	5	1	8	2	6	7	4
4	2	1	6	9	7	5	3	8
8	7	6	3	4	5	1	2	9
6	8	2	7	1	4	9	5	3
1	5	3	9	6	8	7	4	2
7	4	9	5	2	3	8	1	6

यूएस ओपन में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है। पहले सेट में मेरा पहला सर्व प्रतिशत कम था। उसके बाद, मैंने धीरे-धीरे खुद को ढाला और अपनी सोच को स्पष्ट किया।

-जैनिक सिनर

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

हाईलाइट

फिडे विश्व कप की मेजबानी खुशी की बात

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दो दशक से अधिक समय के बाद प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है। मोदी ने कहा कि शतरंज युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे और दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है और वह भी दो दशक से अधिक समय के बाद।'' फिडे शतरंज विश्व कप का आयोजन गोवा में 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक किया जाएगा।

रोहित को गेंदबाजी सबसे मुश्किल : वुड

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का कहना है कि उन्होंने अब तक अपने करियर में जिन भारतीय खिलाड़ियों को गेंदबाजी की है, उनमें रोहित शर्मा को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल है क्योंकि जब वह लय में होते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। वुड घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर हुई पांच मैच की सीरीज से बाहर रहे। वह एशेज सीरीज से पहले सितंबर में होने वाली काउंटी चैंपियनशिप में डरहम के साथ वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं।

सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

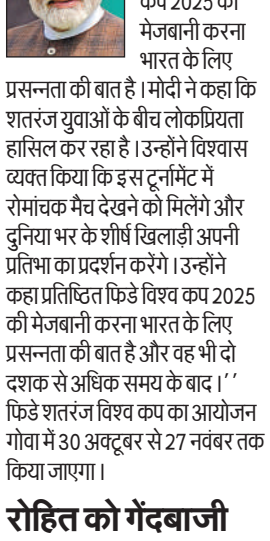

पेरिस : भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार को मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।।

प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला, गुकेश बाहर

सेंट लुई (अमेरिका) : ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने यहां सिंकफील्ड कप के आठवें दौर में अमेरिका के वेस्ली सो से ड्रॉ खेलकर ग्रैंड चेस टूर में ओवरऑल शीर्ष चार में जगह बनाने की दावेदारी बरकरार रखी। गत विश्व चैंपियन डी गुकेश ने भी अमेरिका के लेवोन अरोनियन से ड्रॉ खेला लेकिन वह राउंड रोबिन प्रतियोगिता में बाहर हो गए।

अश्विन ने आईपीएल से नाता तोड़ा

सोशल मीडिया एक्स पर की घोषणा, सुपरकिंग्स में भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को लगा विराम

चेन्नई, एजेंसी

अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास की घोषणा कर दी। इससे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही महीनों के भीतर इस टूर्नामेंट के साथ उनके 16 साल लंबे जुड़ाव का अंत हो गया। अश्विन ने सोशल मीडिया पोस्ट 'एक्स' के जरिए यह घोषणा की।

उन्होंने कहा मैं सभी फ्रेंचाइजी को वर्षों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और सबसे महत्वपूर्ण आईपीएल और बीसीसीआई को उन चीजों के लिए जो उन्होंने अब तक मुझे दीं। आगे जो भी मेरे सामने है उसका पूरा आनंद लेने और उसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। अश्विन की सुपरकिंग्स ने सोशल मीडिया पोस्ट में भावुक सराहना की। सुपरकिंग्स ने लिखा, चेपक का अपना। कैरम-बॉल थिरुपुरा-सुंदरन! अंबुदेन की धूल भरी पिचों पर पीली जर्सी में अपने पहले रन-अप से लेकर दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर स्पिन के पूर्ण प्रभुत्व तक, आपने हमें सब कुछ दिया है।

फ्रेंचाइजी ने लिखा आपने हमारी विरासत को आधार बनाया है और किले चेपक को बेमिसाल बनाया है! आप वाकई कमाल करते हैं, अश्विन!

संन्यास की घोषणा इस महीने की शुरुआत में सुपरकिंग्स में अश्विन के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच हुई है क्योंकि आईपीएल 2025 में अश्विन ने केवल नौ मैच खेले थे जो 2009 में पदार्पण सत्र के बाद एक सत्र में उनके दूसरे सबसे कम मैच हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के साथ संभावित ट्रेड (टीम के साथ अदला-बदली) की चर्चा के बीच अनुभवी ऑफ स्पिनर ने स्वीकार किया था कि उन्होंने अपनी भूमिका पर सुपरकिंग्स से स्पष्टता मांगी थी।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर सैमसन के साथ एक पॉडकास्ट में कहा पिछले साल मैंने केवल नौ मैच खेले थे। आईपीएल में खेलने के अपने इतने वर्षों में यह पहला साल था जब मैंने सिर्फ नौ मैच खेले। मैं हमेशा हर मैच खेलता था इसलिए यह मेरा ऐसा पहला अनुभव था। मैंने अपनी तरफ से स्पष्टता की मांग की थी लेकिन मैंने आईपीएल सत्र के दौरान ही यह मांग की थी।

इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने सैमसन के साथ संभावित ट्रेड को लेकर चल रही चर्चा को स्वीकार किया लेकिन जोर देकर कहा कि यह अधिकतर खिलाड़ियों के नियंत्रण से बाहर है। अश्विन ने कहा अगर सैमसन का ट्रेड होता है तो सीएसके को 18 करोड़ रुपये रखने होंगे और फिर आपको देखना होगा कि आप उस जगह को बनाने के लिए किसे रिलीज कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर कल मैं सीएसके टीम में नहीं हूं तो इससे उन्हें फायदा हो सकता है - इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन यह सब मेरे बारे में नहीं हो सकता। अभी मेरे हाथ में कुछ नहीं है। और ये सारी अफवाहें खिलाड़ी की तरफ से नहीं आतीं... इसके कई पहलू हैं।

अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट मैच में भारत के दूसरे सबसे अधिक विकेट (537) लेने वाले गेंदबाज हैं। आईपीएल में अश्विन ने 2009 में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए पदार्पण किया था। एक दशक के लंबे अंतराल के बाद 9.75 करोड़ रुपये में सुपरकिंग्स से दोबारा जुड़ने के बाद उन्होंने आईपीएल 2025 में इसी टीम की ओर से अपना आखिरी मैच खेला। अश्विन ने कुल मिलाकर 221 आईपीएल मैच में 30.22 की औसत से 187 विकेट लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 34 रन पर चार विकेट रहा।

बल्ले से उन्होंने 50 के उच्चतम स्कोर और 13.02 की औसत से 833 रन बनाए। अश्विन 2010 और 2011 में सुपरकिंग्स की खिताबी जीत के दौरान टीम के अहम सदस्य थे। वह आईपीएल में अपने करियर के दौरान अब बंद हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेले।

> कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है लेकिन विभिन्न लीग में खेल की खोज करने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है।
>
> **-आर अश्विन**

आर. अश्विन के कुछ खास आईपीएल पल

- सुपरकिंग्स के साथ वह शुरुआती वर्षों में आए। महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में अपने पहले तीन सत्र में अश्विन की कैरम बॉल का जलवा खूब चला और आखिरकार उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। बाद के वर्षों में कप्तानी की महत्वाकांक्षाओं के चलते अश्विन ने फ्रेंचाइजी बदली और उन्होंने कुछ समय के लिए पंजाब किंग्स की कप्तानी भी की। लेकिन जैसे-जैसे लीग विकसित हुई तो उन्हें आक्रामक मानसिकता और लगातार प्रयोग करने की कभी-कभी कीमत चुकानी पड़ी और बाद के वर्षों में उनकी लोकप्रियता गिरती गई। सके बावजूद एक दशक के बाद 2024-25 में सुपरकिंग्स में उनकी वापसी हुई जिसकी मुख्य वजह सुपरकिंग्स के मुखिया एन श्रीनिवासन की फ्रेंचाइजी में शागिर्द को वापस लाने की इच्छा थी। अश्विन के आईपीएल करियर में भी विवादों का दौर रहा। 2019 में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेलते हुए राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर को मांकड़ आउट करने के बाद क्रिकेट की भावना पर व्यापक बहस छिड़ गई। बाद में जब 2022 में अश्विन राजस्थान रॉयल्स में बटलर के साथ शामिल हुए तो दोनों ने अपने मतभेद भुला दिए।

गिल और रोहित वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और रोहित शर्मा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली चौथे नंबर पर मौजूद हैं।

वहीं हाल में मैके में शृंखला के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है। हालांकि शृंखला दक्षिण अफ्रीका ने जीती। गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित (756) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं। कोहली के 736 अंक हैं।

हाल के महीनों में भारतीय टीम ने वनडे में हिस्सा नहीं लिया है लेकिन गेंदबाजों की ताजा वनडे रैंकिंग में कुलदीप यादव (650) और रविंद्र जडेजा (616) अब भी क्रमशः तीसरे और नौवें नंबर पर बने हुए हैं। रोहित और कोहली टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं लेकिन ये दोनों वनडे प्रारूप में सक्रिय हैं। रोहित और कोहली दोनों ने आखिरी बार फरवरी 2025 में संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान वनडे मैच खेला था जिसमें उन्होंने भारत के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी।

दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी, आज से होंगे मुकाबले

बेंगलुरु, एजेंसी

युवा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के मंच पर अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे जब बृहस्पतिवार से लाल गेंद की इस प्रतियोगिता की अपने पारंपरिक क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी होगी और इसके साथ ही भारत के घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत होगी।

छह क्षेत्रीय टीम 1960 के दशक में शुरू की गई इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। पिछले सत्र में जब यह प्रतियोगिता अव्यवस्थित ढंग से तैयार भारत ए, बी, सी और डी टीमों के बीच खेली गई थी तो हितधारक खुश नहीं थे और फिर उम्मीद के मुताबिक प्रतियोगिता की पुराने प्रारूप में वापसी हुई है। इस टूर्नामेंट ने पहले अधिक सुर्खियां नहीं बटोरी थी, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में नहीं होने या चोटिल नहीं होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य करने के बाद यह फिर से प्रासंगिक हो गया है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल शारदुल ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे जिसमें श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल शामिल हैं।

भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवा चुके अय्यर ढेरों रन बनाना चाहेंगे जबकि सरफराज के साथ भी यही स्थिति है जिन्हें हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए नजरअंदाज़ किया गया था। एशिया कप टी20 के लिए नहीं चुना जाना अय्यर के लिए प्रेरणा का एक अतिरिक्त स्रोत होगा। जायसवाल को भी उनकी कोई गलती नहीं होने के बावजूद एशिया कप टीम से बाहर कर दिया गया था। घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर भारत के लिए लाल गेंद से उनका प्रदर्शन विशेष रहा है और वह अपने सत्र की शुरुआत अच्छी पारियों से करना चाहेंगे।

- 1960 के दशक में शुरू की गई थी प्रतियोगिता
- नरजअंदाज किए जा रहे श्रेयस अय्यर बनाना चाहेंगे ढेरों रन

टीम व प्रमुख खिलाड़ी

दक्षिण क्षेत्र : तिलक वर्मा, मोहम्मद अजहरुद्दीन, तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर।

पूर्व क्षेत्र : अभिमन्यु ईश्वरन, संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधू जायसवाल।

पश्चिम क्षेत्र : शारदुल ठाकुर, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले।

उत्तर क्षेत्र : शुभम खजूरिया, अंकित कुमार, आयुष बडोनी, यश धुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

मध्य क्षेत्र : ध्रुव जुरेल, रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़।

पूर्वोत्तर क्षेत्र : जोनाथन रोंगसेन, आकाश कुमार चौधरी, तेची डोरिया, युमनुम कर्णजीत, सेडेझाली रूपेरो, आशीष थापा, हेम बहादुर छेत्री, जेहू एंडरसन।

अनीष भानवाला ने रजत पदक जीता

शिमकेंट (कजाखस्तान): भारतीय निशानेबाज अनीष भानवाला ने बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीता। बाइस साल के अनीष स्वर्ण पदक की दौड़ में सिर्फ एक अंक से चूक गए। उन्होंने 35 अंक जुटाए जो स्वर्ण पदक विजेता चीन के शु लियानबोफान से एक अंक कम रहा। कांस्य पदक कोरिया के ली जेइकयून ने जीता।

ओलंपियन अनीष शुरुआती चार सीरीज के बाद एक अंक से आगे चल रहे थे लेकिन इसके बाद पिछड़ गए। स्पर्धा में हिस्सा ले रहे एक अन्य भारतीय आदर्श सिंह पांचवें स्थान पर रहे। राष्ट्रमंडल खेल 2018 के स्वर्ण पदक विजेता अनीष मंगलवार को 30 शॉट के प्रिसिजन दौर के बाद 290 अंक के साथ छठे स्थान पर थे।

एआईएफएफ पर प्रतिबंध का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने संकटग्रस्त अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को सख्त चेतावनी दी है कि उसे 30 अक्टूबर तक नया संविधान अपनाना और उसकी पुष्टि करनी होगी या फिर निलंबन का जोखिम उठाना पड़ेगा।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को मंगलवार को लिखे दो पन्नों के कड़े पत्र में दोनों अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने 2017 से उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद महासंघ द्वारा अपने संविधान को अंतिम रूप देने में विफलता पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की। शीर्ष अदालत बृहस्पतिवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

निलंबन का मतलब होगा कि राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को सभी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और साथ ही अहमदाबाद में 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए भारत की महत्वाकांक्षी बोली भी अनिश्चितता में पड़ जाएगी। फीफा और एएफसी ने चौबे के नेतृत्व वाले एआईएफएफ को संशोधित संविधान को मंजूरी देने के लिए उच्चतम न्यायालय से एक 'निश्चित आदेश' प्राप्त करने, इसे फीफा और एएफसी के अनिवार्य नियमों के अनुरूप बनाने और 30 अक्टूबर की समय-सीमा से पहले अगली आम सभा की बैठक में इसकी पुष्टि करने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है इस कार्यक्रम का पालन नहीं करने पर हमारे पास इस मामले को निर्णय लेने वाली फीफा की संबंधित संस्था के पास विचार और निर्णय के लिए भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा... जिसमें निलंबन की संभावना भी शामिल है। इस पत्र पर फीफा के मुख्य सदस्य संघ अधिकारी एल्खान मामादोव और एएफसी के उप महासचिव (सदस्य संघ) वाहिद कर्दानी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए हैं।

यह प्रतिबंध देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के जश्न के दौरान लगाया गया था लेकिन सीओए के भंग होने और चुनाव होने के दो सप्ताह के भीतर इसे हटा लिया गया था। चुनावों में चौबे ने एकतरफा परिणाम में दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को हराया था। विश्व निकायों ने 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संशोधित संविधान को अंतिम रूप देने और लागू करने में निरंतर विफलता' पर चिंता व्यक्त की। यह मामला 2017 से भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। पत्र में कहा गया है, बार-बार आश्वासन के बावजूद, एक स्पष्ट और अनुपालनकारी प्रशासनिक ढांचे के अभाव ने भारतीय फुटबॉल के मूल में शून्य और कानूनी अनिश्चितताएं पैदा कर दी हैं। पत्र में इसे लंबे समय से चल रहा गतिरोध बताते हुए कहा गया है कि इसने प्रशासन और संचालन संबंधी संकट को जन्म दिया है।

- फीफा और एएफसी ने 30 अक्टूबर की समय-सीमा तय की

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

- यह पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। अगस्त 2022 में फीफा ने भारत को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के आरोप में निलंबित कर दिया था जब उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) ने अस्थायी रूप से एआईएफएफ का संचालन किया था।

गॉफ, ओसाका और सिनर जीते

न्यूयॉर्क, एजेंसी

यूएस ओपन एकल स्पर्धाओं का पहला दौर मंगलवार को संपन्न हो गया। इसमें गत विजेता जैनिक सिनर के साथ-साथ शीर्ष दावेदार इगा स्वियाटेक, कोको गॉफ और नाओमी ओसाका ने भी शानदार जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा को मात्र 98 मिनट में 6-1, 6-1, 6-2 से हरा दिया। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चिली के एलेजांद्रो ताबिलो के खिलाफ सीधे सेटों में 6-2, 7-6(4), 6-4 से जीत हासिल की।

महिला वर्ग में, चैंपियन खिलाड़ियों ने पूरी ताकत से प्रदर्शन किया। स्वियाटेक ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए एकल के पहले मैच में अपनी लगातार 65वीं जीत दर्ज की - जो ओपन युग में एक नया रिकॉर्ड है। दो बार की यूएस ओपन चैंपियन ओसाका को 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में वरीयता दी गई थी, और उन्होंने बेल्जियम की ग्रीट मिनेन पर 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। गॉफ के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। 2023 यूएस ओपन चैंपियन ने लगभग तीन घंटे तक संघर्ष किया और अंततः अजला तोमालानोविच को 6-4, 6-7(2), 7-5 से हराया। गॉफ, जो अपनी सर्विस की समस्या को दूर करने की कोशिश कर रही हैं, ने 10 डबल फॉल्ट किए, लेकिन महत्वपूर्ण क्षणों में संयम बनाए रखा। चीनी स्टार वांग शिन्यू ने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी कैरोलिन डोलेहाइड को हराया।

अमेरिका की कोको गॉफ ऑस्ट्रेलिया की अजला तोमालानोविच को शॉट लौटाती हुईं।

अजीत ने स्वर्ण और निरुपमा ने रजत पदक जीता

अहमदाबाद : भारतीय भारोत्तोलक अजीत नारायण और निरुपमा देवी सेराम ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पुरुषों के 71 किग्रा और महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। छब्बीस वर्षीय अजीत ने कुल 317 किग्रा (145 किग्रा स्नैच और 172 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और इस दौरान नए राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड भी बनाए।

अजीत ने नाइजीरिया के जोसेफ एडिडियोंग उमोआफिया को पछाड़ा जिन्होंने कुल 316 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 170 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता। एजेकील मोसेस ने कुल 290 किग्रा (135 किग्रा स्नैच और 155 किग्रा क्लीन एवं जर्क) भार उठाकर कांस्य जीता। महिलाओं के 63 किग्रा में निरुपमा ने दूसरा स्थान हासिल किया।

डायमंड लीग फाइनल | विजेताओं को घोषित किया जाएगा इस वर्ष का चैंपियन

चोपड़ा शानदार प्रदर्शन के साथ चाहेंगे ट्रॉफी

ज्यूरिख, एजेंसी

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा बृहस्पतिवार को यहां डायमंड लीग फाइनल में सत्र के अब तक के अपने सबसे शानदार 90 मीटर प्रदर्शन को दोहराते हुए ट्रॉफी पर कब्जा करना चाहेंगे।

डायमंड लीग के 14 लीग चरण में से चार में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी जिसमें से चोपड़ा ने केवल दो में ही हिस्सा लिया और 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

चोपड़ा ने अगस्त में सिलेसिया और ब्रसेल्स चरण में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने पिछली बार 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती थी। इन चार मुकाबलों में अंक तालिका में शीर्ष छह फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 32 स्पर्धाएं होती हैं इसलिए डायमंड लीग फाइनल दो दिन तक चलता है। बुधवार को छह स्पर्धाएं होंगी। डायमंड लीग फाइनल में प्रत्येक स्पर्धा के विजेता को इस वर्ष का चैंपियन घोषित किया जाएगा और उसे एक डीएल ट्रॉफी के साथ 30,000 से 50,000 अमेरिकी डॉलर तक की पुरस्कार राशि और अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिलेगा। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रोमांचक मुकाबला होने वाला है जिसमें तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता चोपड़ा का सामना सात पुरुषों के फाइनल में ग्रेनाडा के गत चैंपियन एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के जूलियन वेबर से होगा। कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट और मोल्दोवा के एंड्रियन मार्डारे अंक तालिका में शीर्ष छह में शामिल होंगे।

नीरज चोपड़ा ने दोहा में हुई डायमंड लीग में 90.23 मीटर के साथ 90 मीटर का आंकड़ा पार किया हालांकि वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा का आखिरी टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक था जिसमें जीत हासिल की थी।

सुधार पर कर रहा हूं काम : चोपड़ा

- नीरज चोपड़ा ने स्वीकार किया कि वह अभी अपनी तकनीक से संतुष्ट नहीं हैं और मई में दोहा डायमंड लीग में 90 प्लस मीटर का थ्रो भी 'परफेक्ट' नहीं था। चोपड़ा ने 90 . 23 मीटर का थ्रो फेंका था और वह दूसरे स्थान पर रहे थे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल्स से पहले पत्रकारों से कहा मुझे लगता है कि मेरा रनअप तेज है लेकिन मैं उस रफ्तार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा हूं। दोहा में 90 मीटर का थ्रो अच्छा था लेकिन तकनीकी तौर पर यह परफेक्ट नहीं था। अगर मेरा बायां पैर सीधा है और परफेक्ट ब्लॉक का इस्तेमाल कर रहा हूं तो यह अच्छा थ्रो होगा।